मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.5	22.5
जमशेदपुर	31.6	21.6
डालटनगंज	34.9	19.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● मंगलवार 19 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 331 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

'शक्ति' पर गरमाई राजनीति : मोदी ने किया पलटवार, तो राहुल ने दिया जवाब

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शक्ति वाले बयान को लेकर भाजपा हमलावर है. खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर महिला शक्ति के अपमान का आरोप लगाया है. मोदी ने महिलाओं को शक्ति स्वरूपा कह कर संबोधित किया है. इसके बाद राहुल ने इस पर सफाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया. उन्होंने लिखा कि मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमा कर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है. जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी जी हैं.

'शक्ति' के लिए मैं जान की बाजी लगा दूंगा: मोदी

एजेंसी। हैदराबाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'इंडिया' गठबंधन पर मुंबई की रैली से 'शक्ति' के विनाश का बिगुल फूंकने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि उनके लिए हर मां-बेटी 'शक्ति' का स्वरूप है और वह उनके लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे. एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में लड़ाई शक्ति के विनाशकों और शक्ति के उपासकों के बीच है और चार जून को स्पष्ट हो जाएगा कि कौन 'शक्ति' का विनाश करने वाले हैं और किसे 'शक्ति' का आशीर्वाद प्राप्त है.

राहुल की टिप्पणी को हथियार बना पीएम ने तेलंगाना की रैली में विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा. रैली में महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्हें शक्ति स्वरूपा कहकर संबोधित किया और कहा कि वे शक्ति का रूप धारण कर आशीर्वाद देने आई हैं. पीएम ने कहा कि चुनाव घोषित होने के बाद मुंबई में 'इंडी' अलायंस की महत्वपूर्ण रैली थी और उसमें उन्होंने अपना घोषणापत्र जाहिर किया. उन्होंने कहा है कि उनकी लड़ाई 'शक्ति' के खिलाफ है. मेरे लिए हर मां-बेटी शक्ति का रूप है. मैं आपकी शक्ति के रूप में पूजा करता हूं. भारत मां का पुजारी हूं. मैं आप शक्ति स्वरूपा सब बहन बेटियों का पुजारी हूं.और जिन्होंने शिवाजी पार्क में... अपने घोषणापत्र में शक्ति को खत्म करने की बात कही है. मैं चुनौती को स्वीकार करता हूं. मैं शक्ति स्वरूपा माताओं-बहनों के लिए जान की बाजी लगा दूंगा, जीवन खपा दूंगा. पूरा हिन्दुस्तान 'शक्ति' की आराधना करता है और उनकी सरकार ने तो चंद्रयान की सफलता को भी 'शिव शक्ति' का नाम दिया. उन्होंने फिर सवालिया लहजे में कहा कि और ये लोग शक्ति के विनाश का बिगुल फूंक रहे हैं. माताएं-बहनें, शक्ति स्वरूपा आप हैं. क्या ऐसे लोगों को शक्ति का विनाश करने का मौका देंगे क्या? मोदी ने कहा, कि इंडी ने घोषणापत्र जाहिर किया है. लड़ाई... एक तरफ... शक्ति का विनाश करने वाले लोग हैं, तो दूसरी तरफ शक्ति की पूजा करने वाले हैं. मुकाबला चार जून को हो जाएगा. कौन शक्ति का विनाश कर सकता है और कौन शक्ति का आशीर्वाद हासिल करता है. चार जून को चुनाव के परिणामों की घोषणा की जाएगी.

मैंने जिस शक्ति की बात की, उसके मुखौटा हैं मोदी: राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'शक्ति' वाले अपने बयान पर खड़े हुए राजनीतिक विवाद की पृष्ठभूमि में सोमवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने उनकी बातों का अर्थ बदलने की कोशिश की है, जबकि उन्होंने जिस शक्ति का उल्लेख किया था, उसका 'मुखौटा' प्रधानमंत्री खुद हैं.

राहुल गांधी ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी जी को मेरी बातें अच्छी नहीं लगतीं, किसी न किसी तरह उन्हें घुमा कर वह उनका अर्थ हमेशा बदलने की कोशिश करते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैंने एक गहरी सच्चाई बोली है. जिस शक्ति का मैंने उल्लेख किया, जिस शक्ति से हम लड़ रहे हैं, उस शक्ति का मुखौटा मोदी जी हैं. उन्होंने कहा, वह एक ऐसी शक्ति है जिसने आज, भारत की आवाज को, भारत की संस्थाओं को, सीबीआई, आयकर विभाग, ईडी, चुनाव आयोग, मीडिया, भारत के उद्योग जगत, और भारत के समूचे संवैधानिक ढांचे को ही अपने चंगुल में दबोच लिया है. कांग्रेस नेता ने दावा किया, उसी शक्ति के लिए मोदी जी भारत के बैंकों से हजारों करोड़ के कर्ज माफ कराते हैं जबकि भारत का किसान कुछ हजार रुपयों का कर्ज न चुका पाने पर आत्महत्या करता है. उसी शक्ति को भारत के बंदरगाह, भारत के हवाई अड्डे दिये जाते हैं जबकि भारत के युवा को अग्निवीर का तोहफा दिया जाता है जिससे उसकी हिम्मत टूट जाती है. उन्होंने यह आरोप लगाया, उसी शक्ति को दिन रात सलामी ठोकते हुए देश की मीडिया सच्चाई को दबा देती है. उसी शक्ति के गुलाम नरेंद्र मोदी जी देश के गरीब पर जीएसटी थोपते हैं, महंगाई पर लगाम न लगाते हुए, उस शक्ति को बढ़ाने के लिए देश की संपत्ति को नीलाम करते हैं. राहुल गांधी ने कहा, उस शक्ति को मैं पहचानता हूं, उस शक्ति को नरेंद्र मोदी जी भी पहचानते हैं,वह किसी प्रकार की कोई धार्मिक शक्ति नहीं है, वह अधर्म, भ्रष्टाचार और असत्य की शक्ति है. इसलिए जब-जब मैं उसके खिलाफ आवाज उठाता हूं, मोदी जी और उनकी झूठों की मशीन बौखलाती है, भड़क जाती है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,500
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

डीजीपी ने पांच राज्यों के अफसरों के साथ बैठक की

रांची। झारखंड और पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और यूपी से लगी सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है. डीजीपी अजय कुमार सिंह ने निष्पक्ष चुनाव के लिए पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों से डिजिटल माध्यम से समन्वय बैठक की. बैठक में खुफिया जानकारी साझा करने, नक्सली गतिविधियों और आपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए समन्वय पर चर्चा हुई. अवैध हथियारों, गोला-बारूद, शराब आपूर्ति को रोकने के लिए जांच चौकियों को सक्रिय करने पर जोर दिया गया.

21 तक चुनावी बॉण्ड की सभी जानकारियों का हो खुलासा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ने सोमवार को तीसरी बार एसबीआई को फटकार लगाते हुए उसे मनमाना रवैया न अपनाने और 21 मार्च तक चुनावी बॉण्ड योजना की सभी जानकारियों का खुलासा करने को कहा है. कोर्ट ने कहा कि आदेश का अक्षरशः पालन किया जाए. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड ने कहा कि गुरुवार की शाम तक एसबीआई पूरी जानकारी निर्वाचन आयोग को सौंप कर अदालत को हलफनामा दे.

-पेज 12 भी देखें

कोलकाता में इमारत ढही, 7 लोगों की मौत

कोलकाता। कोलकाता के गार्डन रीच इलाके में एक निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत ढहने से दो महिलाओं सहित कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. गंभीर रूप से घायल सीएम ममता बनर्जी ने खुद मौके पर पहुंच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की घोषणा की है.

गोलमाल

हम सब सीधा एसपी के रूम में घुसे थे...

आपको धंधा-पानी से लेकर पद-पावर, क्या चाहिए ? हर चीज में मदद करेंगे

ब्राउन शुगर व ट्रैक्टर सब पर लंबी बात हुई

उ सब मामला से परेशान मत होइए... नहीं मानेगा तो उसका सारा बिल रोकवा देंगे

संवाददाता। रांची। कांग्रेस की बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, उनके पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, भाई अंकित राज सहित उनसे जुड़े लोगों के 20 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए थे. ईडी ने बताया था कि छापेमारी में विभिन्न ठिकानों से कुल 35 लाख रुपये नकद, जमीन से संबंधित कागजात, अंचल कार्यालय के सील-मोहर आदि बरामद हुए थे. ईडी को कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी मिले थे. ईडी की छापेमारी के बाद एक ऑडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. बताया जाता है कि ऑडियो में कोई अंकित राज नामक शख्स किसी उपेंद्र नाम के शख्स से बात कर रहा है. ऑडियो में दोनों के बीच क्या-क्या बातें हुई हैं, इसे हम हू-ब-हू छाप रहे हैं. हालांकि, 'शुभम संदेश' इस वायरल ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है.

जानिए वायरल ऑडियो में क्या-क्या बातें हुई हैं

अंकित : आप कहीं भी रहें, आपको कष्ट में नहीं देख सकते, आप परिवार के लिए समर्पित रहे हैं.
उपेंद्र : आपके कथनानुसार सुरेश भइया आये, हम सामान दे दिए. लिस्ट पर बिहारी महतो का साइन है.
अंकित : धीरेंद्र अंकल को हम बोले थे कि उपेंद्र नाराज चल रहे हैं. रौशन के प्रोग्राम में दिख रहे हैं. उनको मना के लाइए, उनकी दिक्कत को दूर करते हैं.
उपेंद्र : एक्चुअली मेरी वाइफ की तबीयत खराब थी, हम बड़ी परेशान थे. अभी भी परेशान ही हैं. बिहारी महतो जो स्टेप उठाया... एसपी साहब ऐसा कर रहे हैं कि जैसे हम अपराधी हैं, हम बड़कागांव का निवासी हैं ही नहीं.
अंकित: एसपी साहब का क्या रोल है इसमें?
उपेंद्र: थाना प्रभारी डांट-डपट कर रहा है, एफआईआर क्यों नहीं किया. सीधा एसपी साहब यहां चला गया.
अंकित: परसों रात में हम, धीरेंद्र अंकल, बच्चन देव, आनंद और कुछ लड़का दीदी के साथ सीधा एसपी के रूम में घुसे, सिर्फ ट्रैक्टर और ब्राउन शुगर वाला मामले में 15-20 मिनट बात हुई. सब साथ घुसे थे और साथ निकले, फिर दीदी फिल्ड में निकल गई. उसी समय पता चला कि इस तरह का चीज थाना में बिहारी की तरफ से किया गया है. हमलोग का कोई रोल नहीं है. धीरेंद्र अंकल साथ थे. आप पूछ सकते हैं उनसे भी.
उपेंद्र: बिहारी कल थाना में आया था. हम, सुरेश भइया, तबस्सुम सब थे. थाना प्रभारी शाम में आये और उसको बुलवा कर पूछे कि क्या मामला है. बिहारी बोला, पहले वाला सब ठीक है, ये नया मामला है.
अंकित : उ सब मामला से परेशान मत होइए. उसको बुला के समझा देंगे. नहीं मानेगा तो उसका सारा बिल रोकवा देंगे. उसका पैसा रुक जाएगा. उसका हालत खराब कर देंगे.
उपेंद्र : उ आदमी पूरा मार्केट में बेइज्जत किया है.
अंकित : उपेंद्र अंकल हर बार हम ही आपको मनाते हैं. फिर से आपको रिक्वेस्ट कर रहे हैं. जितनी तरह की गंदगी फैल रही है बाजार में, चाहे उ फैला रहा है या हमलोग की तरफ से फैल रहा है.
उपेंद्र: बिहारी इतना गंदा कर दिया.
अंकित: गलत किया है, उसको फ्रेश में माफी मंगवाएंगे. आपसे जबान दे रहे हैं. ट्रैक्टर उसका कब से है.
उपेंद्र: 2021 से, चला नहीं है.
अंकित: कब मिलिएगा.
उपेंद्र: रात में, हम जुबान दे रहे हैं.
अंकित: इतना लंबा समय मत दीजिए, चैप्टर क्लोज कीजिए. दो पैसा कमाइए, हमलोग से लाभ लीजिए. अगला महीना चुनाव है. हमलोग को लोकसभा भी लड़ना है. उसमें भी आपसे मदद लेना है. दिल्ली भी होंगे, तो दो घंटा का रास्ता है. अभी भेंट मत कीजिए, लेकिन कल वाला कार्यक्रम टाल दीजिए.
उपेंद्र: हम रात में बात करेंगे.
अंकित : आपको धंधा-पानी से लेकर पद-पावर, क्या चाहिए? हर चीज में मदद करेंगे. आप बताइए न, कहां हमलोग का चलती नहीं है. कहां आपको मदद नहीं कर सकते हैं.
उपेंद्र: हम तो बोल रहे हैं, रात में आपसे बात करेंगे इस संबंध में.
अंकित: कंपनी हो, प्रशासन हो, मुख्यालय हो, कहां आपको मदद नहीं कर सकते हैं.
उपेंद्र : हम रात में बात करेंगे, अभी पुलिस का प्रेशर है.
अंकित: गजब बात करते हैं आप, आइए ले चल रहे हैं एसपी के पास, सब मामला खत्म करा देते हैं.

पूर्व सीएम हेमंत के प्रेस सलाहकार अभिषेक पिंटू से ईडी ने पूछताछ की

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक उर्फ पिंटू सोमवार को ईडी ऑफिस पहुंचे. ईडी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू की. जमीन घोटाला और अवैध खनन मामले में ईडी ने तीन जनवरी को पिंटू समेत कई अन्य के ठिकाने पर रेड की थी. रेड में मिले कागजात के संबंध में पूछताछ के लिए ईडी ने पिंटू को 16 जनवरी को हाजिर होने को कहा था. लेकिन पिंटू नहीं पहुंचे. इसके बाद ईडी ने पिंटू को समन भेजकर 18 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया था.

पिंटू के घर से मिले थे कई डेटा

पिंटू के घर से ईडी को कई डेटा मिले थे. जब्त मोबाइल से भी ईडी को साक्ष्य मिलने की उम्मीद है. आर्किटेक्ट विनोद सिंह, हेमंत और पिंटू के कारोबारी संबध को लेकर ईडी ने पुलिस को पत्र भेजा था. पत्र में विनोद सिंह और उनके राजनीतिक संबध के प्रभाव में कमाई करने और परिजनों के नाम पर संपति बनाने की जानकारी मांगी थी.

आज हटिया डीएसपी, कल प्रीति से पूछताछ

ईडी ने प्रीति कुमार को 20 मार्च को तलब किया है. वहीं हटिया डीएसपी प्रमोद मिश्रा को 19 को तलब किया है. होली के बाद ईडी चार अप्रैल को अंबा प्रसाद से पूछताछ करेगी. इस मामले में अंबा के पिता योगेंद्र साव से 3 अप्रैल और अंबा के भाई अंकित राज से 5 अप्रैल को पूछताछ होनी है.

सिद्धि विनायक झारखंड का कल्याण करें

सोमवार की सुबह सीएम चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन ने मुंबई में सिद्धिविनायक के दर्शन किये.

मुंबई से लौटीं कल्पना, बोलीं- हेमंत सोरेन अभी साथ नहीं हैं

लड़ाई के लिए बहुत ताकत की जरूरत

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन में हिस्से लेने मुंबई गयीं कल्पना मुर्मू सोरेन सोमवार को रांची लौट आयी हैं. रांची एयरपोर्ट पर उन्होंने कहा कि कहा कि हमारी लड़ाई लंबी है और हमे अभी बहुत ताकत की जरूरत है. हेमंत सोरेन हमारे साथ नहीं हैं. गठबंधन मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा. जिसकी शुरुआत मंगलवार से हम लोग कर रहे हैं. गांडेय विधानसभा से अभी हमारी उम्मीदवारी तय नहीं हुई है. पार्टी जो तय करेगी उसपर काम किया जाएगा. इससे पूर्व मुंबई में सोमवार की सुबह झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन ने सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा अर्चना भी की. यह जानकारी सीएम चंपाई सोरेन ने एक्स पर फोटो शेयर करके दी दी है. उन्होंने बताया कि मुंबई के विश्व प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में बेटी कल्पना के साथ पूजा-अर्चना कर झारखंडवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना किया.

निर्वाचन आयोग ने की कार्रवाई, छह राज्यों के गृह सचिव हटाये गये

झारखंड के गृह सचिव अरवा कार्यमुक्त

प्रमुख संवाददाता। रांची

अफसरों के दोहरे प्रभार के कारण निर्वाचन आयोग ने झारखंड के गृह सचिव को हटाने का निर्देश दिया है. झारखंड का कार्मिक विभाग गृह सचिव की तत्काल पोस्टिंग चुनाव आयोग की अनुमति के बाद करेगा. जानकारी के अनुसार जिन अधिकारियों को हटाया गया है, उनके पास संबंधित राज्यों में मुख्यमंत्री के कार्यालय में दोहरे प्रभार थे, जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान जरूरी निष्पक्षता, खासकर कानून व्यवस्था सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर भी समझौता कर सकते थे. यह आदेश सीईसी राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्तों - ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के बीच सोमवार को हुई बैठक के बाद आया है. इस बीच, अरवा राजकमल को गृह सचिव के पद से हटा दिया गया है. -शेष पेज 7 पर...

कौन हैं अरवा राजकमल

अरवा राजकमल 2008 बैच के आईएएस हैं. इनके पास सीएम के प्रभारी सचिव के साथ गृह विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार है. इससे पहले वे झारखंड सरकार के कई महत्वपूर्ण विभाग का पदभार संभाल चुके हैं. हालांकि, वह अपने कार्यकाल के दौरान निलंबित भी हो चुके हैं. दरअसल उन पर बगैर छुट्टी स्वीकृत हुए लंबे समय तक अवकाश पर चल जाने का आरोप लगा था. जिसके बाद उन पर ये कार्रवाई हुई थी.

लोकसभा चुनाव जिस दल में सीखी राजनीति, उसी के सुप्रीमो को दी थी पटखनी

राजनीति के कई रंगों में घुल चुके हैं झारखंड के कई नेता

रवि भारती। रांची

लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है. झारखंड के कई दिग्गज इस बार भी जोर आजमाइश करेंगे. फिर से क्षत्रप आमने-सामने होंगे. जो कभी एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी थे, वे आज साथ-साथ हैं. कभी एक दल में रहे, अब दूसरे से ताल ठोकेंगे. बहरहाल यहां के नेता राजनीति के कई रंग में घुल-मिल चुके हैं. भाजपा ने रांची, हजारीबाग, राजमहल, दुमका, गोड्डा, कोडरमा, जमशेदपुर, खूंटी, सिंहभूम, लोहरदगा और पलामू सीट पर नाम घोषित कर दिए हैं. वहीं गठबंधन की ओर से अब तक नामों की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कयास है कि कमोबेश वही उम्मीदवार होंगे. बस बात एक ही है कि बीते हुए लम्हों की कसक याद तो होगी...

बीते हुए लम्हों की कसक याद तो होगी....

पिछले चुनाव में कई दिग्गज को मिली थी करारी हार

पिछले चुनाव में दुमका से शिबू सोरेन, कोडरमा से बाबूलाल मरांडी, रांची से सुबोधकांत सहाय, धनबाद से कीर्ति झा आजाद, जमशेदपुर से चंपाई सोरेन, लोहरदगा से सुखदेव भगत, सिंहभूम से लक्ष्मण गिलुवा, गोड्डा से प्रदीप यादव को करारी हार मिली थी. लक्ष्मण अब इस दुनिया में नहीं रहे. लेकिन जिन नेताओं को पिछले चुनाव में शिकस्त मिली थी, उनमें से कई फिर से किस्मत आजमाने को तैयार हैं.

फिर प्रतिद्वंद्वी फिर होंगे आमने-सामने

रांची से फिर चिरप्रतिद्वंदी आमने-सामने होंगे. भाजपा ने फिर से संजय सेठ को उतारा है. कांग्रेस से फिर सुबोधकांत सहाय को उतारा जा सकता है. पिछली बार सेठ को करीब सात लाख वोट मिले थे, जबकि सहाय को 4 लाख वोट मिले थे. मुकाबले में भी बीते हुए लम्हों की कसक याद रहेगी.

जिससे सीखी राजनीति उसी को दी मात

दुमका सुनील सोरेन पहले झामुमो में थे. राजनीति के गुर भी उन्होंने झामुमो से सीखा था. पिछले चुनाव में सुनील ने झामुमो सुप्रीमो को ही मात दे दी. इस बार फिर से वे मैदान में हैं. इस बार भी उनका मुकाबला झामुमो के ही उम्मीदवार से होना तय है.

अन्नपूर्णा-बाबूलाल कभी राहें जुदा थीं, आज साथ-साथ हैं

चार साल पहले आमने-सामने थे, आज साथ-साथ हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 2019 में कोडरमा से झाविमो के टिकट पर चुनाव लड़े थे. उनके सामने भाजपा से अन्नपूर्णा देवी थीं. अन्नपूर्णा ने मरांडी को 4,55,600 वोटों के बड़े अंतर से करारी मात दी थी. अन्नपूर्णा देवी 7,53,016 वोट मिले थे, जबकि बाबूलाल मरांडी को 2,97,416 वोटों से संतोष करना पड़ा था।.इस बार भी भाजपा ने कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी को ही उम्मीदवार बनाया है.

कभी एक दल में थे, आज राहें हुईं अलग-अलग

जमशेदपुर से भाजपा ने विद्युतवरण महतो को उम्मीदवार बनाया है. विद्तयुत वरण पहले झामुमो में थे. 2014 के चुनाव में भाजपा का दामन थाम लिया. पिछले लोकसभा चुनाव में विद्युत बरण महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के चंपाई सोरेन को 3,02,090 वोटों के भारी अंतर मात दी थी. बिद्युत बरण महतो को 6.79.632 वोट मिले थे, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा के तंपाई सोरेन को 3,77,542 वोटों से संतोष करना पड़ा था.

फिर निशिकांत के सामने हो सकते हैं प्रदीप

गोड्डा से भाजपा ने निशिकांत दुबे को उतारा है. वहीं कयास यह भी लगाया जा रहा है कि कांग्रेस की ओर से प्रदीप यादव को उम्मीदवार बनाया जा सकता है. पिछले चुनाव में प्रदीप यादव ने झाविमो के टिकट पर चुनाव लड़ा था. इस चुनाव में निशिकांत दुबे ने प्रदीप यादव को पटखनी दी थी. प्रदीप यादव को चार लाख 53 हजार 383 वोट मिले थे, जबकि निशिकांत दुबे को 6,37,610 वोट मिले थे.

बिहार : एनडीए में सीट शेयरिंग का ऐलान

भाजपा बड़ा भाई, पशुपति पारस पर भारी पड़े चिराग

संवाददाता। पटना

बिहार में एनडीए में सीटों पर सहमति बन गई है. भाजपा, जदयू, लोजपा और हम ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की. भाजपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. यानी बड़े भाई की भूमिका में होगी. वहीं 16 सीटों पर नीतीश कुमार की पार्टी जदयू चुनाव लड़ेगी. चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. वहीं जीतन राम मांझी की पार्टी हम गया से लड़ेगी. एक सीट उपेंद्र कुशवाहा को मिलेगी. सीटों की घोषणा करते हुए जदयू के सांसद संजय झा ने घोषणा करते हुए कहा कि बिहार में हमारी सारी तैयारी हो गई है.

भाजपा 17 सीटों पर लड़ेगी

प. चंपारण, पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, नवादा बेगुसराय, पटनासाहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर और सासाराम.

जदयू इन सीटों पर लड़ेगी चुनाव : वाल्मिकिनगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, गोपालगंज, सिवान, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद, शिवहर.

लोजपा आर इन सीटों पर लड़ेगी चुनाव : लोजपा आर वैशाली, समस्तीपुर, जमुई, हाजीपुर,खगड़िया सीटों पर चुनाव लड़ेगी. वहीं मांझी की हम गया सीट पर चुनाव लड़ेगी. काराकाट सीट उपेंद्र कुशवाहा को दी गई है.

बिना टैरिफ के वितरण निगम की आय होगी 40.29 करोड़ रुपये, घरेलू उपभोक्ताओं से साल भर में चाहिए 4346.03 करोड़ रुपये राजस्व

बिजली वितरण निगम को नए टैरिफ से चाहिए 10857.93 करोड़ का राजस्व

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए झारखंड राज्य नियामक आयोग को टैरिफ पिटीशन सौंप दिया है. इस नए टैरिफ पिटीशन के जरिए वितरण निगम ने आयोग से 10857.93 करोड़ रुपये राजस्व की मांग की है. सौंपे गए टैरिफ पिटीशन में वितरण निगम ने बताया कि बिना टैरिफ के निगम को 40.29 करोड़ की इनकम भी होगी. घरेलू उपभोक्ताओं से 4346.03 करोड़ रुपये राजस्व का प्रस्ताव सौंपा है.

वित्तीय वर्ष 2024-25 में खरीदेगा 7426.70 करोड़ की बिजली

नियामक आयोग को सौंपे गए प्रस्ताव में वितरण निगम ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7426.70 करोड़ की बिजली खरीदी जाएगी. ऑपरेशन और मेन्टेनेंश में 928 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. कुल 11049 मिलियन यूनिट बिजली की खपत होगी. सभी श्रेणी के 51 लाख 36 हजार 888 उपभोक्ताओं से एनर्जी चार्ज के रूप में 6787.12 करोड़ रुपये, फिक्स चार्ज के रूप में 972.86 करोड़ रुपये राजस्व की मांग की है. इस तरह वितरण निगम ने नए टैरिफ से उपभोक्ताओं के जरिए 7759.98 करोड़ रुपये राजस्व की मांग की है.

किस कैटेगरी के उपभोक्ताओं से कितना चाहिए राजस्व

कैटेगरी	एनर्जी चार्ज (करोड़ में)	फिक्स चार्ज (करोड़ में)	कुल राजस्व (करोड़ में)
घरेलू	3987.50	358.12	4346.03
कॉमर्शियल	634.04	87.82	721.86
एसएस	42.69	2.49	45.18
एलटीआईएस	264.27	51.77	316.04
सिंचाई	90.41	3.23	93.64
एचटीएस	1716.94	450.91	2167.85
रेलवे	43.75	16.34	60.09
एमईएस	7.12	2.17	9.29

किस कैटेगरी के उपभोक्ताओं पर कितनी बिजली की खपत

कैटेगरी	उपभोक्ताओं की संख्या	खपत (मिलियन यूनिट में)
घरेलू	4735331	6600.8
कॉमर्शियल	302029	1036.36
पब्लिक लाइटिंग	434	67.76
सिंचाई	75592	180.83
इंडस्ट्रियल एलटी	21083	335.93
इंडस्ट्रियल एचटी	2411	2743.04
रेलवे/मेस	08	84.79

बिना टैरिफ के वितरण निगम का इनकम 40.29 करोड़

आयोग को सौंपे प्रस्ताव में वितरण निगम ने बताया कि बना टैरिफ के वितरण निगम को साल भर में 40.29 करोड़ रुपये का इनकम भी होगा. इसमें सप्लायर और ठेकेदार से एडवांस के रूप में 0.07 करोड़, निवेश की गई राशि के ब्याज से 10.29 करोड़, एफडी के ब्याज से 5.53 करोड़, सुपरविजन चार्ज से 5.39 करोड़, मिसलेनियस रिसिप्ट से 10.25 करोड़, मीटर रेंट से 6.57 करोड़ और उपभोक्ताओं से ली जाने वाली चार्ज से 2.18 करोड़ रुपये की इनकम होगी.

ब्रीफ खबरें

निशिकांत दुबे को हाईकोर्ट से राहत

रांची। लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच झारखंड हाईकोर्ट से भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने गोवंश तस्करी करने वालों के साथ मारपीट के आरोप में उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है. साथ ही अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. दरअसल निशिकांत दुबे के खिलाफ देवघर जिले के मनोहरपुर थाना में पिछले वर्ष कांड संख्या 281/23 दर्ज की गयी थी. प्राथमिकी होने के बाद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. उनकी याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की बेंच में सुनवाई हुई.

जांच कर दोषियों को दें सजा : राजेंद्र प्रसाद

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह झारखंड आंदोलनकारी राजेंद्र प्रसाद ने जेपीएससी परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले पर कहा कि सरकार को छात्रों के भविष्य की कोई चिंता नहीं है. सरकार अपनी जवाबदेही से भाग नहीं सकती है. उन्होंने कहा कि सरकार उन गरीब मां, बाप, भाई, बहन की वेदना को समझे, जो भूखे पेट रहकर, जमीन बेचकर, बैल-बकरी बेचकर बच्चों को पढ़ाते हैं. इस उम्मीद से कि एक दिन उनके बच्चे को सरकारी नौकरी मिल जाएगी और घर परिवार को रोटी नसीब हो पाएगा.

कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक आज दिल्ली में

रांची। कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 19 मार्च को दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में होगी. इस बैठक में झारखंड-बिहार सहित कई राज्यों के सीटों और प्रत्याशियों पर मंथन होगा. इसके बाद प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगायी जाएगी. 19 को देर शाम तक दिल्ली से कांग्रेस झारखंड के प्रत्याशियों का एलान कर सकती है. झामुमो से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस सबसे पहले दिल्ली से सीट और प्रत्याशियों का एलान करेगी. इसके बाद रांची से झामुमो अपने प्रत्याशियों का एलान करेगा.

इलेक्टोरल बांड और इंडिया गठबंधन दलों की एकता के बाद मोदी और भाजपा सदमे में

पाकिस्तान से पैसे आने से भाजपा के राष्ट्रवाद की पोल खुली : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने इलेक्टोरल बांड और गांडेय चुनाव पर भाजपा व इलेक्शन कमीशन पर हमला बोला है. पार्टी के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इलेक्टोरल बांड के तहत भाजपा के खाते में आए पैसे नित्य नए खुलासे कर रहा है. मोदी जी जवानों की शहादत पर 2019 का चुनाव जीता, वोट मांगा. उसकी पोल भी अब खुलने लगी है. पुलवामा हमले के तीन बाद ही पाकिस्तान से भाजपा के फंड में पैसे आने की बातें सामने आ रही है. इससे यह बात साबित होने लगा है कि पुलवामा हमला की जमीन हकीकत क्या थी.

इससे बड़ा दुर्भाग्य इस देश का क्या हो सकता है कि कोई पार्टी चुनाव जीतने के लिए अपने जवानों को शहीद करवा देती है और बड़े ही बेशर्मी से उनकी शहादत पर वोट मांग कर चुनाव जीत जाती है. बात नहीं खत्म नहीं हो रही है, जिन लोगों के पास दो वक्त के रोटी खाने की औकात नहीं थी. वैसे लोग भाजपा को चंदा देने के बाद हजारों-करोड़ों का काम-ठेका मिल गया. इससे यह साबित होने लगा है कि इलेक्टोरल बांड देश का सबसे बड़े घोटाले के रूप में सामने आ रहा है. अभी तो शुरुआत है, इसमें आने वाले दिनों में कई नए खुलासे होने वाले हैं. अब भाजपा और मोदी जी इलेक्टोरल बांड और विपक्षी एकता से सदमे आ चुके हैं. अभी तो पीएम केयर फंड की बारी आना बचा हुआ है. रही बात झारखंड की तो बहुत जल्द यहां पर ज्वाइंट चुनावी अभियान शुरू होगा और हमलोग यहां पर भाजपा को अंक गिनने लायक भी नहीं छोड़ेंगे. ये बातें भट्टाचार्य ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं.

- जिनके पास दो रोटी खाने की औकात नहीं थी, भाजपा को चंदा देने के बाद हजारों-करोड़ों का ठेका-काम मिल गया
- जो इलेक्शन कमीशन कोर्ट के हवाला दे रहा था, वह अब गांडेय चुनाव पर बैठक बुला रहे हैं
- बहुत जल्द इंडिया गठबंधन का ज्वाइंट चुनावी अभियान शुरू होगा, झारखंड में अंक भी नहीं गिन पाएगी भाजपा

जल, जंगल, जमीन के हितों से समझौता हमारे नेता ने नहीं किया

भट्टाचार्य ने कहा कि गत दिवस मुंबई में केंद्र और राज्य की सत्ता के लाख कुचक्रों के बाद भी जिस तरह से महाराष्ट्र की जनता और विपक्षी नेताओं का जुटान हुआ. वह अब किसी से छिपी नहीं है. राहुल गांधी ने इशारों ही इशारों में कह दिया कि एक पूर्व सीएम उन्हें आकर कहते हैं कि अगर वे भाजपा में नहीं गए तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा. इससे यह साबित होता है कि किस प्रकार से ईडी और जांच एजेंसियों को इस्तेमाल करके विपक्षी नेताओं को अपने पाले में लाने का प्रयास हुआ. जो झुक गया, जो समझौता कर लिया, वे भाजपा में चले गए. मगर हमारे झारखंड के नेता हेमंत सोरेन न झुके, न समझौता किया. उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया कि वह जल, जंगल जमीन और जानवरों को उजाड़ने वाले लोगों के साथ समझौता नहीं करेंगे. जंगल में कॉरपोरेट जगत को प्रवेश करवाने वाले लोगों के साथ नहीं जाएंगे. यही कारण रहा है कि हेमंत सोरेन को जेल जाना पड़ा.

...तो कोर्ट का हवाला दिया गया बाबूलाल जी की समझ क्या हो गई

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल जी को अपना ज्ञान या तो खत्म हो गया है या फिर वे उछल-कूद करने वाले नेताओं के सुझाव पर चल रहे हैं. ऐसे नेताओं के सुझाव पर बाबूलाल जी भी गांडेय उपचुनाव के खिलाफ खड़े हो गए थे. उन्हें जानकारी होनी चाहिए कि जब तक देश में लोकसभा और राज्य में विधानसभा का गठन नहीं हो जाता तब तक एक सदस्य का कार्यकाल होता है. ओम बिड़ला जी चुनाव खत्म होने के बाद भी जब तक लोकसभा का गठन नहीं हो जाता है, नया स्पीकर नहीं चुना जाता है, तब तक वे अध्यक्ष रहेंगे. मगर अचरज वाली बात है कि गांडेय सीट रिक्त होने के बाद जिस प्रकार की हवा भाजपा द्वारा बनायी गयी, उसे कहीं न कहीं इलेक्शन कमीशन भी हामी भर दी और चुनाव की घोषणा नहीं की. अब आखिर ऐसा क्या हो गया जो इलेक्शन कमीशन को उपचुनाव करावाने जा रही है. चुनाव को लेकर राज्य इलेक्शन कमीशन बैठकें बुला रहा है. जब हम गए तो कहीं न कहीं कोर्ट के निर्णय का हवाला दिया गया.

जेपीएससी पर साजिश का जल्द होगा बड़ा खुलासा

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जेपीएससी पीटी परीक्षा पर किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है. जिस प्रकार से इसके जरिए राज्य सरकार को बदनाम करने की साजिश हुई. उसका जल्द ही बड़ा खुलासा होगा. इससे अधिक वे अभी इस मसले पर नहीं कह सकते हैं.

बाबूलाल ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच सीबीआई से कराएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्य सचिव एल खियांग्यते को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि 17 मार्च को आयोजित जेपीएससी पीटी परीक्षा के पेपर लीक की तमाम खबरें सामने आई हैं. कुछ छात्रों द्वारा मुझे भेजे गए मेल में (जिसमें स्क्रीनशॉट भी संलिप्त है) पेपर बुकलेट संख्या और ओएमआर उत्तर पुस्तिका संख्या असमान पाई गई है व इस संबंध में सभी प्रमुख समाचार पत्रों और विजुअल मीडिया में प्रकाशित हुआ है. पिछले दिनों भी ऐसा ही मामला सामने आया था, जहां 2025 पदों के लिए राज्य भर के 735 केंद्रों में जेएसएससी द्वारा आयोजित सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 में प्रश्नपत्र लीक का मामला सामने आया था, जिसके बाद जेएसएससी ने 28 जनवरी को संपन्न सभी पाली की परीक्षा व 4 फरवरी को होने वाली परीक्षा को अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया था.

निष्पक्षता पर खड़े हो रहे सवाल : पत्र में कहा है कि बार-बार परीक्षा रद्द करने व पेपर लीक की घटना होने से जेएसएससी और जेपीएससी की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं, जिसका खामियाजा सभी प्रतिभागियों को भुगतना पड़ रहा है. छले 4 वर्षों में झारखंड के गरीब और आदिवासी बच्चों के सपनों का मजाक बनाकर रख दिया गया है.

सबसे अव्यवस्थित है जेएसएससी

बाबूलाल ने पत्र में कहा है कि मेरी जानकारी में इतना निक्कमा, लचर और अव्यवस्थित लोक राज्य सेवा आयोग पूरे देश में कहीं नहीं है, मुझे ये बात समझ नहीं आती है कि अगर कोई संस्थान, जिसे पिछले 4 सालों से परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दी जा रही है और उसमें वे लगातार असफल हो रहे हैं, तो वह जनसेवा के नाम पर वेतन क्यों ले रहे हैं. ऐसे आपराधिक कृत्यों में संलिप्त सभी अफसरों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करें. आग्रह है कि उक्त घटना को संज्ञान में लेते हुए जेएसएससी द्वारा आयोजित सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023, जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा व ऐसे कुकृत्यों में संलिप्त अफसरों के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई को अनुशंसा करेंगे.

लोकसभा चुनाव : पांच राज्यों के आला पुलिस अफसरों की बैठक

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव पर मंथन

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर झारखंड समेत पांच राज्यों के आला पुलिस अफसरों ने सोमवार को बैठक की. यह बैठक झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में झारखंड पुलिस मुख्यालय में संपन्न हुई. इस बैठक में सीमावर्ती राज्य ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश व बिहार के आला पुलिस अफसर शामिल हुए. डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि आज भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एक बैठक की गई. हमने उन बिंदुओं पर चर्चा की, जो पांच सीमावर्ती राज्यों- ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, के साथ आगामी लोकसभा चुनाव को

प्रभावित कर सकते हैं. बिहार और पश्चिम बंगाल और हमने आपसी सहयोग और आगे क्या होगा, इसके लिए रोडमैप बनाया. हमारे पास एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष, नोडल अधिकारी हैं, और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जो कुछ भी आवश्यक हैं, वह अपनी जगह पर हैं.

शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव कराने के लिए सभी सुविधाएं मौजूद : डीजीपी ने कहा कि उन बिंदुओं पर विमर्श किया गया, जो लोकसभा चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं. इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रोड मैप बनाया गया. इसके लिए एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष है. नोडल अधिकारी हैं. निष्पक्ष व शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं हैं. इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि के हर पहलू पर विचार विमर्श किया गया. नक्सली, अपराधी, वारंटी, चेकनाका पर सुरक्षा समेत बॉर्डर पर सख्ती को लेकर मंथन किया गया. सीमावर्ती राज्यों के बॉर्डर इलाके में कड़ी नजर रखने पर जोर दिया गया, ताकि चुनाव के दौरान अवांछित तत्व गड़बड़ी नहीं कर सकें. इनसे सख्ती से निबटा जा सके.

एनआईए ने की कार्रवाई, झारखंड से है कनेक्शन

आतंकी शाहनवाज की संपत्ति कुर्क की गई

संवाददाता। रांची

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने हजारीबाग के रहने वाले आईएसआईएस आतंकी शाहनवाज और उनके सहयोगी की संपत्ति कुर्क कर ली है. आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में एनआईए ने पुणे में 11 आतंकियों की चार अचल संपत्ती कुर्क की है. एनआईए ने बताया कि इन संपत्तियों का इस्तेमाल आतंकवादी मकसद के लिए किया जा रहा था. इन चारों संपत्तियों का इस्तेमाल आईईडी बनाने, इसके प्रशिक्षण और आतंकवादी कृत्यों की योजना बनाने के लिए किया जा रहा था.

11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है एनआईए

बता दें कि एनआईए इस मामले में पहले ही सभी 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 25 के तहत कुर्क की गयी संपत्तियां आवासीय घर और फ्लैट हैं. ये संपत्तियां आरोपी मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी, मोहम्मद शाहनवाज आलम, मोहम्मद रिजवान अली, कादिर दस्तगीर पठान, सिमाब काजी, जुल्फिकार अली बड़ौदावाला, अब्दुल्ला फैयाज शेख, तल्हा लियाकत खान, शमिल नाचन और आकिफ नाचन के नाम पर थी.

मूल रूप से हजारीबाग के पेलावल का रहने वाला है शहनवाज

गिरफ्तार शहनवाज सफीउज्जमा आलम मूल रूप से झारखंड के हजारीबाग जिले के पेलावल स्थित पगमिल का निवासी है. उसका पासपोर्ट रांची में 31 अक्टूबर 2016 को बना था, जिसकी वैधता 30 अक्टूबर 2026 तक है. पासपोर्ट में उसकी जन्मतिथि पांच मार्च 1993 है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मोहम्मद शहनवाज के दूसरे साथी जिस मोहम्मद अरशद वारसी को गिरफ्तार किया है, वो भी झारखंड के गढ़वा का रहने वाला है. शहनवाज बेंगलुरु के विश्वसरैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से माइनिंग इंजीनियरिंग किया है. माइनिंग इंजीनियर होने के चलते उसे बम ब्लास्ट का ज्ञान है. उसने बम बनाने के कई प्रयोग भी किये. 2020 में लूटकांड के एक मामले में वह हजारीबाग से जेल गया था.

नेशनल सिक्यूरिटी एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज कोर्स के तहत हुआ संवाद

विकास के लिए सुरक्षा व आर्थिक सुरक्षा दोनों महत्वपूर्ण : राज्यपाल

संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को राज भवन में नयी दिल्ली के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के फैक्लटी एंड कोर्स मेंबर की टीम के साथ संवाद किया. नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज कोर्स के तहत झारखंड में इकोनॉमिक सिक्योरिटी पर अध्ययन के लिए आई टीम के सदस्यों के साथ संवाद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकास के लिए सुरक्षा व आर्थिक सुरक्षा दोनों महत्वपूर्ण है. वर्तमान में हमारा देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. मैं विभिन्न देशों का भ्रमण कर चुका हूं. नई दिल्ली के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय का इतिहास गौरवशाली रहा है. राज्य में स्थापित झारखंड रक्षा विश्वविद्यालय का सैनिक विश्वविद्यालय के रूप में गठन करने के लिए इच्छुक हैं.

जब झारखंड राज्य का गठन हुआ, तब मैं सांसद था : राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन बिहार से अलग होकर 15 नवंबर 2000 को हुआ और जब संसद में यह विधयेक रखा गया था, तब वे लोकसभा सांसद थे व उन्हें इस पर अपना मत देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. यहां पर्यटन के विकास की असीम संभावनाएं हैं. यहां के कई स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं.

खास बातें

- राजभवन में सोमवार को हुआ संवाद कार्यक्रम
- दिल्ली के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय की टीम पहुंची

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य में खेल के क्षेत्र में कई प्रतिभाएं हैं. महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व में भारत ने 2011 में विश्व कप जीता. वे भी झारखंड के रहनेवाले हैं. झारखंड को 'तीरंदाजी की भूमि' भी कहा जाता है. यहां की कई बेटियां हॉकी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश व झारखंड को गौरवान्वित कर रही हैं. इस अवसर पर उपस्थित कोर्स मेंबर टीम के सदस्यों ने भी अपने विचार प्रकट किये.

विदेशी कनेक्शन को लेकर सीआईडी साइबर सेल ने छापेमारी की

रांची। विदेशी खातों से पैसे के आदान-प्रदान को लेकर रांची में सीआईडी की साइबर सेल की टीम छापेमारी कर रही है. गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीआईडी के अधीन काम करने वाली साइबर सेल की टीम ने सोमवार की शाम सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित एक कार्यालय में छापेमारी की. साइबर सेल की टीम ने हरमू रोड स्थित होंडा शोरूम के ऊपर वाले फ्लोर पर स्थित कार्यालय में छापेमारी की. यह कार्यालय बिजेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति का है. छापेमारी करने के पीछे विजेंद्र सिंह का विदेशी कनेक्शन बताया जा रहा है, जानकारी के मुताबिक, उनके द्वारा विदेशी खाते से बड़े पैमाने पर पैसे का आदान-प्रदान किया गया है. साइबर अपराधियों से भी इनका कनेक्शन सामने आया है, इसी को लेकर सीआईडी की साइबर सेल की टीम ने यह छापेमारी की है. इस दौरान टीम ने कई लैपटॉप, डिजिटल उपकरण और अन्य सामान बरामद किये हैं.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | मंगलवार 19 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 331 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हादसों पर हादसे : चांडिल में भीषण दुर्घटना में उड़ गये वाहन के परखच्चे, जमशेदपुर में भी रफ्तार के कहर से हो गया बड़ा हादसा

रफ्तार ने ली चार की जान, क्रेन से निकाले गए शव

संवाददाता। चांडिल

टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर रफ्तार के कहर ने चार लोगों की जान ले ली. घटना सोमवार दोपहर की है. चांडिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा पुनर्वास स्थल के समीप तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए. दुर्घटना में कर पर सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. बताया जा रहा है कि कार जमशेदपुर की ओर से कांदरबेड़ा चौक की ओर जा रही थी, जो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में चारों युवक कार के अंदर ही फंस कर रह गए और उनकी मौत हो गई. दुर्घटना के बाद कार के इंजन में आग लग गई.

सभी आदित्यपुर के रहने वाले

हृदय विदारक दुर्घटना घटने की सूचना मिलते ही चांडिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कार के अंदर फंसे युवकों के शव को निकालने की कवायत में जुट गई. कार के परखच्चे उड़ जाने के कारण युवकों के शवों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को क्रेन का सहारा लेना पड़ा. चारों युवकों के सवालों को बाहर निकाल कर पुलिस उसे पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया है. चांडिल थाना की पुलिस मृतकों की पहचान करने के साथ घटना की छानबीन कर रही है. बताया जा रहा है कि दुर्घटना इतनी भयानक थी कि कार के अंदर फंसे चारों युवक के शव के चिथड़े उड़ गए थे.

जमशेदपुर में धू-धू कर जली कार

डिवाइडर से टकराई कार में लगी आग, 3 झुलसे

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत लकड़ी टाल के पास रविवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई. डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लग गई और कार सवार तीन युवक कार के अंदर ही फंस गए. इधर, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी और किसी तरह कार सवार युवकों को बाहर निकालने के प्रयास में लग गए. जलती कार से युवकों को निकालने के दौरान उनका हाथ पैर भी टूट गया. सभी को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया जहां से सभी को बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया. सूचना पाकर दमकल भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई. हालांकि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी.

स्थानीय लोगों ने बताया कि कार तेज रफ्तार में भुइयांडीह से लिट्टी चौक की ओर जा रही थी. टीओपी के पास कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई जिससे कार में आग लग गई. हालांकि सभी घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

लातेहार पत्रकार पिटाई मामला

वर्किंग जर्नलिस्ट ने लिखा राज्यपाल, सीएम और डीजीपी को पत्र

रांची। झारखंड के लातेहार जिले के दैनिक अखबार शुभम संदेश के संवाददाता राजीव कुमार के निजी चाय दुकान के समीप पुलिस द्वारा पेशाब करने से मना करने पर पुलिस द्वारा उनके खिलाफ की गई बर्बरता का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. इस घटना का वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया के झारखंड इकाई प्रदेश अध्यक्ष अनंत कुमार तिवारी, प्रदेश महामंत्री मनोज प्रसाद समेत कई पत्रकार यूनियन के सदस्यों ने कड़ी निंदा की है. इस मामले में वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अनंत कुमार तिवारी ने लातेहार एसपी, राज्य के डीजीपी, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और महामहिम राज्यपाल को पत्र लिखकर दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि झारखंड में लोकतंत्र के चौथा स्तम्भ खतरे में है, आए दिन अक्सर पत्रकार प्रताड़ित होते रहते हैं. ऐसे में पत्रकार को एक मंच पर आकर ऐसे मामले का पुरजोर विरोध करनी चाहिए.

गोविंदपुर का कुलदीप अग्रवाल जीटी रोड का बेताज बादशाह

झुनझुनवाला की छत्रछाया में कुलदीप ने फैलाया साम्राज्य

रिजवान शम्स। धनबाद

लॉटरी टिकट के अवैध कारोबार में गोविंदपुर से लेकर राजगंज तक कुलदीप अग्रवाल की तूती बोलती है, क्योंकि पवन झुनझुनवाला का सीधे हाथ कुलदीप के सिर पर है. पहले भूइफोड़ में लॉटरी की टिकट छपवा कर हॉकरों के माध्यम से पूरे जीटी रोड में बिकवाता था, लेकिन अब राजगंज से लेकर गोविंदपुर तक उसकी लाटरी खूब बिक रही है और लाखों रुपये कमा रहा है. अवैध कारोबार का पूरा सिस्टम इसने अपने स्टाफ के भरोसे छोड़ रखा है, खुद से कोई भी काम नहीं करता.

पुलिस का नहीं खौफ : जीटी रोड में लॉटरी का अवैध कारोबार करने वाले करीब आधा दर्जन से अधिक बड़े कारोबारी हैं. ये लोग पूरी तरह से बेखौफ होकर जीटी रोड के इलाकों में अपना धंधा फैला रखे हैं. हैरान करने वाली बात ये है कि इनके खिलाफ पिछले कई सालों में शायद ही कोई कार्रवाई हुई है. कुछ दिन पूर्व निरसा के आनंद साव के यहां छापेमारी हुई थी, इसके बाद से पुलिस लॉटरी के कारोबार में कुछ भी नहीं कर पा रही है. जबकि ये कारोबारी हजारों लोगों को शिकार बनाकर इनकी मेहनत की कमाई लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं.

लॉटरी कारोबारियों में पवन झुनझुनवाला चर्चित नाम

अवैध लॉटरी का **कारोबार** 12

- धनबाद में ही छपवाता था अपने ब्रांड की लॉटरी, अब बदल चुका है ठिकाना
- मिजोरम व मणिपुर की टिकट की डुप्लिकेट लॉटरी का धनबाद में करता है कारोबार
- एक सौ अधिक हॉकर हैं कुलदीप के पास, सारा काम स्टॉफ के भरोसे

गोविंदपुर के इलाके में एक सफेदपोश के साथ भी उसकी पुरानी दोस्ती थी, अब उससे अलग होकर अपना काम कर रहा है. इस काम में वो कई सालों से है. उसके पास करीब 120 से अधिक हॉकर हैं जो प्रतिदिन उसके ब्रांड की लॉटरी को अलग-अलग क्षेत्रो में ले जाकर बेचते हैं. इसकी लॉटरी में तेजी से उभरने की सबसे बड़ी वजह डेहरीओनसोन का कुख्यात पवन झुनझुनवाला है. लॉटरी के अवैध कारोबार के सारे लोग पवन से वाकिफ हैं. धनबाद में गेसिंग, लॉटरी की टिकट और आइपीएल में सट्टेबाजी सारे तरह के जुए में पवन झुनझुनवाला का नाम शामिल रहता है. पवन का कनेक्शन मणिपुर, बंगाल, मिजोरम तक काफी बेहतर है. कुलदीप और पवन के करीबी इन स्थानों की डुप्लिकेट लॉटरी खुद से छापकर धनबाद में बेचते हैं. यदि इनाम उठ गया तो यही लोग उक्त इनाम की राशि को अदा कर देते हैं, नहीं उठने पर सीधे पूरी रकम इनकी जेब में चली जाती है. लेकिन सबसे अचंभे वाली बात ये है कि जो लोग भी लॉटरी के अवैध कारोबार में पवन झुनझुनवाला के बगैर सरपरस्ती के उतरते हैं, उनकी लॉटरी में खूब इनाम उठने लगता है. ऐसे में अवैध कारोबारी को इनाम की राशि का भुगतान करना सीधे नुकसान दे जाता है. लेकिन पवन की सरपरस्ती मिलने पर इनाम में सेटिंग-गेटिंग तक होने की बात कही जा रही है और कारोबारी कुछ दिनों में ही मुनाफे में आ जाते हैं. कुलदीप भी इसी तरह खूब मुनाफा कमा कर संपत्ति पर संपत्ति जोड़ता जा रहा है.

जंगली तेंदुआ औद्योगिक क्षेत्र के लिए बना है सिरदर्द

आदित्यपुर। आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया में पिछले रविवार से एक जंगली तेंदुआ आतंक मचाए हुए है.

- वन विभाग के साथ जिले की पुलिस प्रशासन भी जुटा रेस्क्यू में

सर्वप्रथम तेंदुआ आरएसबी ट्रांसमिशन प्लांट एक में दिखा था, जिससे वहां के कर्मचारियों में दहशत पैदा हो गया था. जिसके रेस्क्यू में वन विभाग के साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन भी लगी हुई है. वहीं देर शाम तेंदुए का लोकेशन दूसरी कंपनी में पाया गया. ताजा जानकारी के अनुसार आज सुबह तेंदुआ का लोकेशन बेबको कंपनी में मिला है. तेंदुए की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हुई है. इधर वन विभाग की टीम तेंदुआ को अब तक ढूंढ़ पाने में नाकाम साबित हुई है. तेंदुए की गतिविधि को देखते हुए जिला प्रशासन ने कंपनियों को बंद करने का आदेश दे दिया है. लगातार जंगली तेंदुआ के मूवमेंट की वजह से आसपास के उद्यमियों में हड़कंप मचा हुआ है. इस वजह से कंपनियों को लाखों की क्षति भी हो रही है. बता दें कि जंगली तेंदुए की वजह से आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में भय का माहौल है.

हिमाचल तक जाएगी कफ सिरप बरामदगी की आंच

बरवाअड्डा में बरामद हुआ था 54 लाख का कफ सिरप

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के बरवाअड्डा के एक गोदाम में 54 लाख रुपये की कीमत के फेंसेडिल सिरप बरामद होने के मामले की जांच हिमाचल प्रदेश तक जाएगी. इस मामले में धनबाद के ड्रग इंस्पेक्टर ने वरीय अधिकारियों को सूचित करते हुए अनुसंधान आवश्यक होने की बात लिखी है. ऐसे में इस मामले की जांच अब हिमाचल प्रदेश तक जाएगी. क्योंकि बरामद कफ सिरप हिमाचल में बनाई गई थी. दवा की शीशी में हिमाचल प्रदेश की मैन्यूफेकचरिंग अंकित है. बताते चलें कि इसी पखवारे गुजरात में एक ट्रक में खांसी सिरप फेंसेडिल की बड़ी खेप पकड़ाई थी. इस मामले की छानबीन करती हुई गुजरात पुलिस धनबाद पहुंची थी. गुजरात पुलिस ने बरवाअड्डा के एक गोदाम में दबिश दी, तो हैरान रह गई. क्योंकि यहां पूर्व से ही 54 लाख रुपये की कीमत की फेंसेडिल सिरप मौजूद थी. तत्काल इस मामले को लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत गोदाम मालिक समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. बाद में ड्रग इंस्पेक्टर रंजीत चौधरी ने मामले की छानबीन शुरू की. पता चला कि यह सारी दवाइयां हिमाचल प्रदेश से बनकर यहां आई हैं. इस बाबत ड्रग इंस्पेक्टर ने मुख्यालय पत्र भेजकर इस मामले की पूरी जानकारी दी है.

रंजीत चौधरी, ड्रग इंस्पेक्टर धनबाद

- इससे पहले गुजरात में पकड़ी गया था एक ट्रक सिरप
- बरामद कफ सिरप हिमाचल में तैयार किया गया था

कहते हैं ड्रग इंस्पेक्टर

बरवाअड्डा में बरामद सारी दवाइयां हिमाचल प्रदेश में बनाई गई थी. यहां पर बिना लाइसेंस के ही भंडारण किया जा रहा था, संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के बाद अग्रतर कार्रवाई की जा रही है. मामले की खबर मुख्यालय को दी गई है. मुख्यालय से जांच आगे बढ़ेगी, कुछ और खुलासे होने की उम्मीद से इंकार नहीं है.

-रंजीत चौधरी, ड्रग इंस्पेक्टर

दामाद को तीसरे तल्ले से फेंका, चोटिल

- घटना के बाद ससुराल वाले मौके से फरार हो गए

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना अंतर्गत रिवर व्यू कॉलोनी निवासी बंटी शर्मा को ससुराल पक्ष ने पारिवारिक विवाद में तीसरे तल्ले से नीचे फेंक दिया. इस घटना में बंटी शर्मा गंभीर रुप से घायल हो गया. घटना के बाद परिजनों ने बंटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. इधर, घटना के बाद ससुराल वाले मौके से फरार हो गए. घटना की जानकारी देते हुए बंटी के भाई ने बताया कि बंटी और उसकी पत्नी ऋतु के बीच विवाद चल रहा है. ऋतु सोनारी स्थित मायके में रहती है. बंटी ऑटो चलाता है. दो दिनों पूर्व उसने ऋतु को किसी और युवक के साथ घूमते देखा था. इस दौरान उसने ऋतु का मोबाइल छीना और घर आ गया.

मोबाइल में ऋतु के कई सारे अश्लील फोटो मौजूद थे. आज ऋतु और उसके घर वाले समेत 10-12 अन्य युवक घर पहुंचे और मां-पिता के साथ मारपीट की. उन्होंने मिलकर बालकोनी से बंटी को नीचे फेंक दिया और फरार हो गए. इधर, सूचना पाकर पुलिस भी पहुंची और जांच में जुट गई.

डायन के आरोप में वृद्ध महिला की हत्या

गुमला । बसिया थाना क्षेत्र के रामजड़ी डुमरटोली वृद्ध महिला सुनी उराईन 60 वर्ष की अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी. घटना रविवार रात की है. हत्या के बाद शव को छुपाने के लिए अपराधियों ने गांव से कुछ दूरी स्थित पुलिया के नीचे फेंक दिया था. सुबह ग्रामीणों ने पुल के नीचे शव देख कर घटना की सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पूछताछ में ग्रामीणों ने बताया कि महिला अपने घर में अकेली रहती थी. वृद्ध महिला की हत्या के पीछे डायन बिसाही की आशंका जाहिर की जा रही है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस ने तीन चार युवाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.

क्रिकेटर चंदन को तेंदुलकर ने दी एक लाख की स्कॉलरशिप

24 मार्च से नेपाल में राष्ट्रीय टीम में खेलेंगे कसमार के रहने वाले चंदन महतो

संवाददाता। बोकारो

कसमार के मंजुरा के मनोज महतो के पुत्र चंदन को मुंबई के दादोजी कोंडादेव स्टेडियम में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के हाथों एक लाख का स्कॉलरशिप का चेक मिला. इससे बोकारो में खुशी की लहर है. चंदन फिलहाल चास से स्नातक की पढ़ाई कर रहा है. साथ ही साथ क्रिकेट में भी भाग्य आजमा रहे हैं। वह अब तक झारखंड टेनिस बॉल टीम के लिए उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, बेंगलुरु में जाकर राज्यस्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट खेल चुके हैं. साथ ही डेढ़ साल पूर्व एक बार टेनिस बॉल क्रिकेट में भारतीय टीम में खेलने का मौका मिला था, जिसमें वे नेपाल में जाकर खेल में बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं. चंदन ने बताया कि इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के टेनिस बॉल के आईपीएल के मैच के दौरान एक लाख की स्कॉलरशिप देते हुए आगे खेल को जारी रखने की शुभकामनाएं देते हुए सचिन तेंदुलकर एवं विजय कांबली ने उसके परफॉर्मेंस की सराहना की है. साथ हीं जल्द ही आईपीएल में खेलने की संभावना जताई है. टेनिस बॉल आईपीएल में 24 मार्च से नेपाल में फिर से भारतीय टेनिस टीम की तरफ से उसे खेलने का मौका मिला है. टेनिस बॉल आईपीएल में अमिताभ बच्चन अक्षय कुमार, रामचरण, सैफ अली खान, ऋतिक रोशन, सूर्या समेत कई दिग्गज टीम के मालिक हैं.

खास बातें

- कसमार से लेकर बोकारो तक के लोगों ने जताई खुशी
- सचिन ने की चंदन के खेल की दिल खोल कर तारीफ

खुशबू का बाजार | **रमजान के बाद आनेवाली ईद के लिए शुरू हो गयीं तैयारियां, लोगों ने शुरू की खरीदारी**

इत्र की खुशबू से महकेगी धनबाद की फिजां, कई ब्रांड से अटा बाजार

रणजीत कुमार सिंह। धनबाद

खुशबू लगाना सुन्नत है, जो दिमाग को ताजगी देती है. चाहे रमजान में कुरआन की तिलावत कर रहे हों या फिर ईद की नमाज अदा कर रहे हों, और साथ इत्र की खुशबू से महकती फिजां हो, तो फिर इबादत का मजा ही दोगुना हो जाता है. धनबाद में हजारों खुशबू के कद्रदान हैं. यहां खुशबू के कारोबार का बड़ा बाजार है, तो फिर चलिए धनबाद की फिजाओं में इत्र की खुशबू तलाशते हैं.

वैसे तो मुस्लिमों में पर्व-त्योहारों में इत्र लगाने की परम्परा बहुत पहले से चली आ रही है. इस धर्म से जुड़े लोग प्रत्येक शुक्रवार को मस्जिद, ईदगाह, मदरसा में आयोजित होने वाली सामूहिक नमाज में इत्र का उपयोग करते रहे हैं. लेकिन रमजान और ईद में इसकी उपयोगिता काफी अधिक बढ़ जाती है. ईद के दिन नमाज पढ़ने के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिल कर ईद की बधाई देते हैं. और साथ ही एक-दूसरे पर इत्र लगाकर भाईचारे व मोहब्बत का पैगाम देते हैं. इस मौके पर सगे-संबंधी, रिश्तेदार, पड़ोसी, सहयोगी व मित्रों और घर आये सभी मेहमानों को इत्र लगाकर भाईचारे व मोहब्बत को और मजबूत बनाते हैं.

शहर के कारोबारियों ने बताया कि इस बार भी कोलकाता, रतलाम, कन्नौज, मुंबई, कोलकाता व गुजरात से इत्र मंगायी गयी है. ईद की खरीदारी के लिए बाजार आ रहे लोग अपनी जरूरत व शौक के अनुसार इत्र की भी खुलकर खरीदारी कर रहे हैं. धनबाद के पुराना बाजार में पिछले ढाई दशकों से इत्र का थोक कारोबार करने वाले नवाब असगर अली ने बताया कि खुदरा बाजार में 30 रुपए से 1000 रुपए तक की इत्र बिक रही हैं. जिनमे एरोचेम, अननोइन, मीना, अजमल, जैस, अरहम, बेला, चमेली, गुलाब, मजमुआ सहित एक सौ से भी अधिक इत्र शामिल हैं. इसमें सबसे अधिक अननईम की रॉयल प्रोपेसी, वाइट उद, फरिश्ते, चॉकलेट और जन्नतुल फिरदौस की बिक्री हो रही है. इसके बाद मीना की इंटरनल, सिग्नेचर, मिट्टी और रूह मोगरा की बिक्री खूब होती है. उन्होंने यह भी कहा कि शहर की 200 से भी अधिक रिटेल दुकानों पर इत्र की बिक्री होती है. इत्र की कीमत क्वालिटी के अनुसार 30 से 1000 रुपए प्रति 10 एमएल है. लोग अपनी पसंद की खुशबू के अनुसार इसकी खरीदारी कर रहे हैं.

मुंबई, रतलाम, कन्नौज, कोलकाता, गुजरात से इत्र की सप्लाई

खुशबू से बढ़ती है मोहब्बत

जामाडोबा के रोजेदार मुन्हे ने बताया कि सफाई के साथ साफ कपड़े पहन कर व उस पर इत्र लगाकर एक-दूसरे से मिलने पर मोहब्बत बढ़ती है. इस्लाम जब से आया है, मुस्लिम समाज के लोग अल्लाह-त-आला के बताए इस आदेश को आज भी मानते हैं. हुजूर मोहम्मद साहब का कहना है कि खुशबू एक दूसरे से नजदीकी बढ़ाती है, वे खुद भी खुशबू लगाते थे, इस वजह से खुशबू लगाना सुन्नत माना जाता है.

स्प्रे के दौर में इत्र का क्रेज

स्प्रे वाली खुशबू के दौर में आज भी इत्र का क्रेज है. इत्र न सिर्फ शौक के तौर पर बल्कि धार्मिक आयोजनों में भी लगाते हैं. वैसे तो स्प्रे वाली खुशबू का इंटरनेशनल बाजार है. इनके दिल लुभाने वाले विज्ञापन भी अक्सर हमारी नजरों से गुजरते हैं, बावजूद इसके इत्र ने अभी भी खुशबू के बाजार में मोर्चा संभाल रखा है. इत्र की बिक्री दशकों से जारी है और आगे भी जारी रहने की उम्मीद कायम है.

धनबाद कोर्ट में जमीन कारोबारी ने किया अधिवक्ता पर हमला

धनबाद। बलियापुर के जमीन कारोबारी रवि रंजन ने कोर्ट परिसर में अधिवक्ता परिमल आचार्या पर हमला कर दिया. हमले में परिमल घायल हो गए हैं. खबर फैलते ही सभी अधिवक्ता उग्र हो गए और हंगामा किया. पुलिस ने आरोपी रवि रंजन को हिरासत में लेकर कोर्ट हाजत में डाल दिया. अधिवक्ता उसे हाजत से निकालने की मांग करने लगे. सूचना मिलते ही डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर, धनबाद थाना प्रभारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र सहाय, महासचिव जितेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली. डीएसपी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर अधिवक्ताओं को समझा-बुझा कर शांत कराया. अधिवक्ता परिमल आचार्या ने बताया कि उन्होंने बलियापुर में तीन एकड़ चार डिसमिल जमीन किसी व्यक्ति को बेचने का एग्रीमेंट किया था. रवि रंजन जमीन को उक्त व्यक्ति को बेचने पर बुरे परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है. यही नहीं रवि रंजन ने वर्ष 2018 में उनके विरुद्ध एक झूठा मुकदमा भी दायर किया था. अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि पिछली सात जनवरी को भी रवि रंजन ने सरायढेला मानस मंदिर के समीप भी उनके साथ मारपीट की थी.

ब्रीफ खबरें

विश्रामपुर में व्यवसायियों का होली मिलन 23 को

मेदिनीनगर। होली महापर्व को लेकर विश्रामपुर स्थित जनता हाई स्कूल मैदान में व्यवसाईयों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता व्यवसायी संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार लाल व संचालन प्रभु प्रसाद गुप्ता ने किया. बैठक में कहा गया कि अपने कार्यों की व्यस्तता के कारण हम सभी व्यवसायी एक दूसरे से नहीं मिल पाते हैं इसलिए होली महापर्व पर एक मिलन समारोह का आयोजन जरूरी है. बैठक में अन्य कई बिंदुओं पर चर्चा के बाद 23 मार्च शनिवार को दिन के 12 बजे से शाम 5 बजे तक थाना के पीछे स्थित घाट शिव मंदिर घाट के पास मिलन समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया.

सड़क किनारे बेहोशी की हालत में मिली महिला

पांकी, पलामू । पांकी थाना क्षेत्र के सलगस पेट्रोल पंप के समीप सोमवार को दिन 12 बजे सड़क किनारे एक महिला बेहोशी की हालत में मिली. महिला को सड़क किनारे बेहोश देख लोगों की भीड़ जुट गई. वहीं, वर्तमान विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह रास्ते से गुजरने के क्रम में महिला को देखा. उन्होंने तत्काल पांकी चिकित्सा प्रभारी को सूचना देकर एंबुलेंस मंगवाया. महिला को पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है. पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला का इलाज हो रहा है.

पलामू जूनियर एथलेटिक्स टीम देवघर के लिए रवाना

मेदिनीनगर। देवघर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन व झारखंड स्टेट एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वाधान में 20 मार्च से तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जूनियर बालक बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. देवघर जिला के कुमैता स्पोर्ट्स कंपलेक्स में 14 वर्ष, 16 वर्ष, 18 वर्ष व 20 वर्ष आयु वर्ग की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पलामू की टीम एथलेटिक्स कोच रेशमा पाण्डेय व मोनू कुमार व मैनेजर अक्सा नाग के नेतृत्व गई है. टीम के सदस्यों को जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन,ओलंपिक संघ , साइकिलिंग संघ ने चोपन रांची एक्सप्रेस ट्रेन से रवाना किया.

केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

लातेहार । पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, लातेहार की बैठक नामित अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में विद्यालय परिसर में हुई. बैठक में विद्यालय में छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा विद्यालय के रखरखाव व अन्य विषयों पर विचार विमर्श किया गया. प्राचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यालय के शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलिब्धयों से समिति को अवगत कराया. उन्होंने विद्यालय के शौचालय एवं वाशरूम की मरम्मति की नितांत आवश्यकता बतायी. कहा कि इस कारण छात्र व छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

रेलवे क्लब की महिला समिति ने होली मिलन समारोह मनाया

बरवाडीह (लातेहार)। बरवाडीह रेलवे क्लब की महिला समिति ने रेलवे क्लब में वार्षिक होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया.मुख्य अतिथि जिप सदस्य संतोषी शेखर ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की. मौके पर महिला समिति की अध्यक्ष रेखा पाठक व उपाध्यक्ष सुधा दुबे आदि मौजूद रहे. संतोषी शेखर ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी. साथ ही कहा कि होली बुराइयों को त्यागने का पर्व है. उन्होंने सभी से आपसी भाईचारा और सौहादपूर्ण तरीके से होली मनाने की अपील की. होली मिलन समारोह कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी.

अमानत बराज का केनाल निर्माण नहीं होने से तरहसी, मनातू, पाटन प्रखंड में भी संकट के बादल

मार्च में ही सूख गई पांकी की लाइफ लाइन अमानत नदी

शिवशंकर पासवान। पांकी(पलामू)

जिले के पांकी प्रखंड की लाइफ लाइन अमानत नदी मध्य मार्च में ही सूख गयी है. इसके किनारे रहने वाले ढाई लाख की आबादी के सामने पेयजल संकट गहराने लगा है. इसके चलते नल जल योजना से पानी सप्लाई प्रभावित अभी से प्रभावित होनी शुरू हो गयी है.

अप्रैल-मई के भीषण गर्मी में जल संकट आसार बढ़ने की आशंका है. ऐसी स्थिति में पांकी के करीब पानी नहीं मिलने पर 10 पंचायत के 48 गांव लाखों की आबादी पानी के लिए तरसेगी. फिलहाल अमानत नदी सूखने से लगभग 4 महीने नल जल योजना से पानी सप्लाई प्रभावित हो

पानी नहीं मिलने पर 10 पंचायत के 48 गांव को होंगे प्रभावित

सकती है,

पांकी बराज बना सफेद हाथी : पांकी प्रखंड के लगभग 50 गांवों के किसानों को फायदा पहुंचाने और इलाके के जलस्तर को बनाये रखने के उद्देश्य से अमानत बराज की आधारशिला रखी गई थी. वर्ष 2001 में 34 करोड़ की लागत से बननेवाली इस परियोजना की आधारशिला झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रखी थी. बराज के निर्माण से पांकी के लगभग 50 गांवों को फायदा होता. साथ ही केनाल द्वारा पांकी, तरहसी, मनातू, पाटन क्षेत्र से बिहार में पानी ले जाना था. मगर केनाल निर्माण क्षेत्र में कुछ जमीन वन विभाग का पड़ता था, वहां से हरी झंडी नहीं मिलने के कारण

जल संकट

- हर घर नल जल योजना से जलापूर्ति हुई प्रभावित
- लगभग 4 महीने वाटर सप्लाई हो सकती है बंद

योजना अधूरा रह गया. विभाग द्वारा बनाए गए सरकारी आवास व ऑफिस बेकार पड़े हैं. 1980 के दशक में करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई औरंगा जलाशय परियोजना भी आज धूल भांक रहा है. पांकी बराज के कैनाल निर्माण लंबित होने के कारण किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी नहीं पहुंच पाया, इसका मलाल पांकीवासियों को है.

पलामू डीसी ने सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी के साथ की बैठक

निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए टीमवर्क सबसे जरूरी : डीसी

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में लोकसभा निर्वाचन को लेकर सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी के साथ बैठक की. मौके पर एसपी रिष्मा रमेशन भी मौजद थीं. बैठक में शशि रंजन ने कहा कि चुनाव का ऐलान हो चुका है. मतदान के दिन तय हो गये हैं, ऐसे में आप सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूरा करें. निर्वाचन से संबंधित सभी संबंधित रिपोर्ट जल्द से जल्द समर्पित करें. उन्होंने कहा कि प्राप्त निर्देश के आलोक में सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधा होना अनिवार्य है. जिले के सभी 1796 मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय, रैंप तथा पर्याप्त सांख्य में फर्नीचर उपलब्ध रहे. इसे सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनिश्चित करें. मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर न्यूनतम मूलभूत सुविधा सुनिश्चित करें ताकि मतदाताओं तथा मतदान दल को मतदान केंद्र में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो. मतदान केंद्र पर बिजली से चलने वाले सभी उपकरण यथा पंखा, बल्ब विशेष रूप से चार्जिंग पॉइंट चालू अवस्था मे रहे, इसे सुनिश्चित करें. किसी प्रकार की कोई कमी दिखे तो तुरंत दुरुस्त कर लें.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि अगर किसी भी मतदान केंद्र का नाम बदलने की आवश्यकता है तो संबंधित प्रस्ताव जल्द से जल्द समर्पित करें.

वीएमएस-एमएमएस के माध्यम से ही करें निर्वाचन कार्य : बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने वाहनों की उपलब्धता, उसमें ईंधन की व्यवस्था व भुगतान से जुड़े सारे कार्यों को व्हीकल मैनेजमेंट सिस्टम के जरिये ही निष्पादन कराने को कहा. इसी तरह सामग्री आपूर्ति से जुड़े कार्यों को मैटेरियल मैनेजमेंट सिस्टम के जरिये निष्पादन करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि निर्धारित गाड़ी के अलावा किसी भी परिस्थिति में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की गाड़ी न बदलें, यह सुनिश्चित होना चाहिए. इसके अलावे किसी कोषांग में प्रतिनियुक्ति कोई कर्मी गलत तरीके से किसी प्रत्याशी या राजनीतिक दल को कोई गोपनीय सूचना देते पाया गया तो संबंधित कर्मी को सीधे बर्खास्त करने की कार्रवाई की जाएगी.

मतदान की तैयारी

- 23 तक लाइसेंसधारी थाने में अपना आर्म्स जमा करें :उपायुक्त
- सभी मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधा की जांच करे बीडीओ

डीसी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शेखर जमुआर ने सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत 16 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरांत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में डीसी ने भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा निर्गत प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 13-पलामू संसदीय क्षेत्र लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रमों की जानकारी दी. डीसी श्री जमुआर ने बताया कि अधिसूचना की तिथि 18 अप्रैल, नाम निर्देशन करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल, नाम निर्देशनों की संवीक्षा की तिथि 26 अप्रैल, अभ्यर्थिता का वापस लेने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल, मतदान करने की तिथि 13 मई एवं मतगणना की तिथि 4 जून निर्धारित की गई है. इस दौरान डीसी ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के 24 घंटे एवं 72 घंटे के भीतर किए जाने वाले आवश्यक कार्रवाई संबंधी भी जानकारी दी. इसके तहत सभी सरकारी योजनाओं संबंधित बैनर, पोस्टर आदि हटाने संबंधी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि चुनाव के मद्देनजर विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया है.

12 हज़ार किलो जावा महुआ और 250 लीटर शराब जब्त

मेदिनीनगर। होली पर्व एवं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर चलाए जा रहे छापामारी अभियान में आज उत्पाद विभाग ने अवैध शराब कारोबारी के विरुद्ध छापामारी की. हुसैनाबाद थाना के ईटबांध, घाघरा एवं डंडिला गांव में छापामारी के दौरान कारोबारी द्वारा साजिश के तहत ड्रम की जगह जमीन में गड्ढा खोदकर प्लास्टिक में जावा महुआ तैयार किया जा रहा था ताकि किसी को पता नहीं चल सके. इन सबके बावजूद उत्पाद विभाग टीम द्वारा जमीन के अंदर छुपाकर रखे जावा महुआ का भंडाफोड़ करते हुए कुल 12 हजार किलोग्राम जावा महुआ तथा 250 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया. छापामारी टीम को देखकर अभियुक्त जितेंद्र चौहान, घूरा चौहान,क्षउदय यादव,

रेड क्रॉस जिला कार्यसमिति की बैठक में लिये गये कई निर्णय

गढ़वा। रेड क्रॉस सोसाइटी गढ़वा जिला कार्यसमिति की बैठक सदर अस्पताल गढ़वा के सभागार में आयोजित की गई. बैठक में सर्वसम्मति से गत बैठक की पुष्टि की गई. साथ ही आगे के कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए आगामी अप्रैल में रोड सुरक्षा के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया. जिला परिवहन विभाग के सहयोग से यह कार्यक्रम चलाया जाएगा. जिसकी जिम्मेवारी विनोद कमलापुरी एवं नंदकुमार गुप्ता को दी गई है. सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर चौधराना बाजार में दया जी टेन्ट हाऊस परिसर में ब्लड प्रेसर, शुगर आदि जांच सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

बालू व छरी सड़क पर गिरे रहने से दुर्घटना की आशंका

लातेहार । शहर के कई इलाकों के सड़कों पर बालू व छरी समेत अन्य गृह निर्माण सामग्रियां गिरा कर रखे जाने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गयी है. शहर के बाइपास चौक में महीनों से एक गृह निर्माण के लिए बालू व छरी सड़क पर गिरा कर रखा गया है. बालू बेतरीब ढंग से सड़क में बिखर गया है. इससे यहां दुर्घटना की आशंका बढ़ गयी है. बीते दिन एक बाइक सवार इसमें असंतुलित होकर सड़क में गिर गया था. इसी प्रकार मस्जिद रोड में भी घर बनाने के लिए बालू और छरी गिरा कर रखा गया है. सबसे खराब हालत तो गुरूद्वारा रोड की है.

रोजगार सेवक के घर से जेवर व नगदी की चोरी

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के धर्मपुर स्थित सत्येंद्र पासवान (रोजगार सेवक बरवाडीह) के घर में 17 मार्च की रात सुनसान का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली. इस मामले शहर थाना में सतेंद्र पासवान के भाई जीतेंद्र पासवान ने अज्ञात चोरो पर प्राथमिकी दर्ज करायी है. भुक्तभोगी रोजगार सेवक सतेंद्र पासवान ने बताया की घर के सदस्य 17 मार्च को जेपीएससी का परीक्षा देने बाहर गए हुए थे. इसी बीच सुनसान का फायदा उठाकर चोरों घर का ताला तोड़ कर घर में प्रवेश कर गये और बक्से में रखे गहने, कपड़े एवं 45 सौ रूपये नगद ले कर फरार हो गये.

सदभावना कमेटी की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड के मुरपा पंचायत मे सद्भावना कमेटी की बैठक सोमवार को डॉ रोहन गोप की अध्यक्षता में हुई. बैठक में मुरपा क्षेत्र में सामुदायिक कार्यों की उम्मीद के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जतायी गयी. बैठक में मुरपा पंचायत के हाईस्कूल को प्लस टू में उत्क्रमित करने, मुरपा मे एक सरकारी बैंक की स्थापना करने, अस्पताल मे डॉक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने व श्मशान घाट का जीर्णोधार जैसी मांगो पर विचार किया गया और इसे ले कर उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया.

केश्वर आहरा के पीसीसी सड़क में पड़ी दरारें

लातेहार। शहर के केश्वर आहरा बांध पीसीसी सड़क में दो माह में ही दरार आ गयी थी. बाद में नगर प्रशासक के निर्देश पर संवेदक द्वारा इसकी मरम्मत करायी गयी थी. लेकिन पीसीसी सड़क में फिर से दरार आ गयी है. बता दें कि नगर पंचायत द्वारा तकरीबन आठ लाख रूपये की लागत से इस पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया है. संवेदक आफताब खुस्तर द्वारा उक्त पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया है.आरोप है कि इस पीसीसी सड़क निर्माण योजना में प्रारंभ से ही अनियमितता बरती गयी है.पीसीसी की ढलाई किये जाने के बाद सड़क में सही ढंग से क्यूरिंग नहीं की गयी और इसका नतीजा यह हुआ कि सड़क में दरारें आ गयी. हालांकि नगर प्रशासक राजीव रंजन ने बताया कि सड़क को दुरूस्त करने का निर्देश संवेदक को दिया गया है. बता दें कि यह पीसीसी पथ बाइपास चौक से बस स्टैंड, सदर अस्पताल, कोर्ट-कचहरी, डीसी ऑफिस और सब्जी मार्केट जाने का एक शॉर्ट-कट रास्ता है.

रुद्र महायज्ञ महायज्ञ से मिलती है शक्ति : शुक्ला

पांकी, पलामू । नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड अंतर्गत झरकटिया ग्राम के सती पोखर रामानन्द डबरा में भव्य रुद्र महायज्ञ का आयोजन हो रहा है. रुद्र महायज्ञ में मुख्य अतिथि के रूप में पांकी विधान सभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी कांग्रेस नेता रुद्र शुक्ला शामिल हुए. झरकटिया यज्ञ कमिटी ने युवा नेता को माला पहना कर स्वागत किया. मौके पर रुद्र शुक्ला ने कहा कि झरकटिया ग्राम में रुद्र महायज्ञ होने से लेस्लीगंज प्रखंड सहित पूरे पांकी विधान सभा में सुख-समृद्धि आएगी. शांति कायम होगा. साथ ही महादेव की कृपा से यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगी. महारुद्र का आशीर्वाद सदैव सभी लोगों पर बनी रहे. रुद्र महायज्ञ को लेकर झरकटिया सहित पूरा इलाका भक्तिमय हो गया है. मौके पर युवा नेता रुद्र महायज्ञ शुक्ला के साथ दिनेश तिवारी, जयराम तिवारी, अक्षय तिवारी, प्रमोद गिरी, कुन्दन शुक्ला, पप्पू पांडेय, मंटू पांडेय, इंद्रदेव तिवारी समेत कई लोग मौजूद थे.

गायत्री परिवार में होली मिलन समारोह का आयोजन

लातेहार। शहर के चंदनडीह ग्राम स्थित प्रज्ञा कुंज में अखिल विश्व गायत्री परिवार ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया. गायत्री परिवार के समन्वयक दिलेश्वर यादव ने कहा कि होली आपसी सोहार्द व प्रेम का पर्व है. हमें इसे मिलजुल कर मनाना चाहिए. होली हमें अपने अंदर की बुराईयों को मिटाने का संदेश देता है. रितेश कुमार ने बताया कि गायत्री परिवार नशा मुक्ति का संदेश देता है. बताया कि गायत्री परिवार में मुंडन संस्कार समेत अन्य 16 संस्कार किये जाते हैं. मौके पर परिवाचक कौशल शर्मा, बलिराम सिंह, बबन पासवान, अरविंद पांडेय, संदीप प्रसाद, प्रकाश गुप्ता, देवेंद्र तिवारी, लव कुमार तिवारी व हिमांशु कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे.

Before
The Executive Magistrate, Dhanbad

AFFIDAVIT

I,Abdus Samad Ansari, aged about 30 yrs, Son of Abdul Hamid Ansari by faith Muslim, by occupation business resident of Telmocho, Ram Nagargarh, Baghmara, Cum Katra,Dhanbad , District - Dhanbad (Jharkhand) Aadhaar No.4646 8835 726, do hereby solemnly affirm on oath and state as follows:-

1. That, there is an Account in Post Office, under the Scheme SUKANYA SAMIRIDDHI YOUJANA, vide A/c ID No.010008245700 CIF No.409143788 opened on 24/09/2021 Minor A/c in the name of my daughter, operated by quardian, wherein the name of my daughter is mentioned as SHADIA PARVEEN D/o Abdus Samad Ansari.
2. That, the actual name of ny said daughter is mentioned in her newly rectified Birth Certificate as Sadia Fatima D/o Abdus Samad Ansari whereas in earlier Birth Certificate of my said daughter her name is mentioned as Shadia Parveen D/o Abdus Samad Ansari/and accordingly such name is mentioned in her said Post office A/c.
3. SHADIA PARVEEN D/o Abdus Samad Ansari and SADIA FATIMA D/o Abdus Samad Ansari is one and the same person who is my said daughter.
4. That, I am affixing herewith my photograph for my proper identification.
5. That, I am swearing this affidavit for needful to file it beforethe authority concerned for the correction of name of my said daughter in her said Accounts as Sadiya Fatima in place of Shadia Parveen.

Aff. No. 1083/07-03-24

होली में विधि व्यवस्था सुदृढ़ हो,कोताही बर्दाश्त नहीं: डीसी

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में होली पर्व को ले कर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय के सभागार में आयोजित की गयी. बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन व उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह समेत जिले के तमाम आला अधिकारी मौजूद थे. उपायुक्त ने कहा कि इस पर्व की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को पूरी मुस्तैदी से कार्य करना आवश्यक है. उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचल अधिकारी को शांति समिति की बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया. होली पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को प्रतिनियुक्त करने का भी निर्देश दिया गया. उन्होंने अश्लील गानों तथा डीजे पर भी प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया. सोशल मीडिया पर विद्वेष फैलाने वाले पोस्ट को रोकने एवं ऐसा करने वालों पर कड़ी कारवाई करने का निर्देश दिया. उन्होने अवैध रूप से चलाये जा रहे शराबखानों में छापामारी करने व अवैध देशी शराब की चुलाई व बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया.

पलामू जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव संपन्न, परिणाम घोषित

रामदेव यादव पुनः अध्यक्ष बने

संवाददाता। मेदिनीनगर

लंबे समय से लंबित चल आ रहा पलामू जिला बार एसोसिएशन का चुनाव संपन्न हो गया. झारखंड राज्य बार काउंसिल के निर्देश पर 16 मार्च को पुनर्मतदान के 17 मार्च को मतों की गिनती की गई देर शाम तक चले मतदान के पूर्ण होने के बाद रामदेव प्रसाद यादव लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुने गए. उन्होंने 99 मतों से प्रतिद्वंदी बलराम तिवारी को हराया. रामदेव प्रसाद यादव को 299 व बलराम तिवारी को 200 मत मिले. महासचिव पद पर अजय कुमार पांडेय विजयी घोषित हुए. उन्हें कुल 254 मत प्राप्त हुए, जबकि प्रतिद्वंद्वी राजीव रंजन को 231 मत मिला. चुनाव नतीजे की घोषणा चुनाव समिति सदस्य अधिवक्ता शशिभूषण दूबे ने की. मतगणना के दौरान बार काउंसिल से नियुक्त पर्यवेक्षक बालेश्वर सिंह व मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित थे. की निगरानी में चुनाव संचालन समिति के राजेंद्र तिवारी, शौकत अली व शशि भूषण दूबे ने शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराया.

विनोद कुमार तिवारी उपाध्यक्ष बने : उपाध्यक्ष पद पर 137 मत पाकर विनोद कुमार तिवारी विजयी घोषित किए गए. इन्होंने अपने प्रतिद्वंदी मंधारी दूबे को 20 मतों से पराजित किया. मंधारी दूबे को 117 मत मिले. कोषाध्यक्ष के पद पर जय किशोर पाठक विजयी हुए, उन्हें 154 मत मिला, जबकि उनके प्रतिद्वंदी संतोष कुमार तिवारी को 90 मत प्राप्त हुए. 64 मतों के अंतर से जय किशोर पाठक ने जीत दर्ज की. असिस्टेंट ट्रेजर के पद पर देव कुमार शुक्ला 32 मतों से चुनाव जीते. उन्हें 259 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी राम प्रवेश राजक को 227 वोट प्राप्त हुए. जॉइंट सेक्रेटरी प्रशासन के लिए 132 मत पाकर नितिन कुमार पांडेय विजयी रहे. इन्होंने 19 मतों से चुनाव जीता. उनके प्रतिद्वंदी विक्रम कुमार त्रिपाठी को 113 मत मिले.

खास बातें

- जय किशोर पाठक ट्रेजरर व अजय पांडेय महासचिव बने
- नियुक्त पर्यवेक्षक की निगरानी में हुई मतों की गिनती पूरी गिनती

आयोजन तेलगांव में चतुर्थ सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन में उमड़े ग्रामीण

101 वधुओं की मांगों में भरा गया नए भविष्य के उजाले का सिंदूर

सामूहिक विवाह

- ढोल नगाड़ों की गूंज, पारंपरिक रीति रिवाज से विवाह संपन्न
- मिली सामाजिक मान्यता, विवाहित जोड़ों के चेहरे पर खुशी की चमक

संवाददाता। गुमला

गुमला शहर से सटे तेलगांव में रविवार को उत्सवी माहौल था. सामूहिक विवाह समारोह में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी. बजते ढोल, नगाड़ों के बीच पारंपरिक विधि विधान से 101 जोड़े विवाह सूत्र में बंध गए. नवयुवक संघ तेलगांव की

ओर से आयोजित इस चतुर्थ सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 101 वधुओं की मांगों में नए भविष्य के उजाले का सिंदूर भरा गया. जिसके साक्षी न सिर्फ तेलगांव के ग्रामीण बने, बल्कि अन्य शहरों से आए लोगों ने भी वर-वधुओं को जी भरकर आशीर्वाद दिया. सभी जोड़े खुश थे. उनके चेहरे पर संतुष्टि के भाव थे. सामाजिक मान्यता और लोगों के आशीर्वाद ने उन्हें खुशी से भर दिया. इस आयोजन को सफल बनाने में नवयुवक संघ के सदस्यों और खासकर उसके संरक्षक जगरनाथ उरांव, अध्यक्ष कृष्णा उरांव, तपेश्वर सिंह तथा रमेश चौधरी जैसे लोगों की विशेष भूमिका रही.तेलगांव में आयोजित होने वाले इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम की चर्चा झारखंड ही नहीं बल्कि राज्य के बाहर भी है.

ऐसे आयोजनों से मिलती है खुशी : जगरनाथ उरांव

पुलिस की नौकरी से सेवानिवृति के बाद जगरनाथ उरांव पिछले कई साल से सामाजिक कार्यों में लगे हैं. उनकी देखरेख में यह चौथा सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया. एक सवाल के जवाब में जगरनाथ उरांव ने कहा कि पुलिस की नौकरी के दौरान उन्होंने जनसेवा का काम किया है. लेकिन सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन से विशेष खुशी हो रही है. वह आगे भी ऐसे काम करते रहेंगे. वह कहते हैं कि आज के दौर में हमारे समाज में बहुत से लोग हैं, जो पैसे के अभाव में समारोहपूर्वक शादी नहीं कर पा रहे हैं.

भाजपा नेत्री ममता भुइयां ने थामा राजद का दामन

संवाददाता। मेदिनीनगर

भाजपा नेत्री ममता भुइयां ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दामन थाम लिया है. ममता भुइयां ने रविवार देर शाम राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के सामने पटना में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.झारखंड प्रदेश के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने ममता भुइयां को पार्टी की सदस्यता दिलवायी.बताया जा रहा है कि ममता भुइयां को पलामू संसदीय सीट से राजद का उम्मीदवार बनाया जा सकता है.मौके पर झारखंड प्रभारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव भोला प्रसाद यादव, गोड्डा के पूर्व विधायक और राजद के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव सहित अन्य नेता उपस्थित रहे.

बदला दल

- लालू प्रसाद के सामने ममता ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की
- ममता भुइयां को पलामू से बनाया जा सकता है उम्मीदवार

ब्रीफ खबरें

रामनवमी और बासंती पूजा को लेकर हुई बैठक

आदित्यपुर। बसंती दुर्गा पूजा राम नवमी कमेटी शिव काली मंदिर रोड नंबर 7 के प्रांगण में सोमवार को बैठक हुई. जिसमें शिव काली मंदिर महावीर अखाड़ा के सदस्य के द्वारा अध्यक्ष द्वारिका सिंह के नेतृत्व में आगामी चैत्र बसंती दुर्गा पूजा एवं रामनवमी पूजा अखाड़ा जुलूस एवं भव्य शोभा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया. बैठक में रामनवमी से पूर्व मंदिर के सौंदर्यीकरण कराने का निर्णय लिया गया. जुलूस के दौरान भोग वितरण जैसी विषयों पर चर्चा की गई. इस वर्ष बेहतर झांकी आकर्षण का केंद्र होगा. बैठक में गणेश सिंह, धनंजय कुमार, वीरेंद्र सिंह, अजीत सिंह, राजू कुमार, नंदू कुमार, साहब झा, चंदन झा आदि युवा सदस्य मौजूद थे.

डुमरिया के नये बीडीओ ने संभाला कार्यभार

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के नये बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू ने पदभार ग्रहण किया. प्रभारी बीडीओ सह सीओ चंचला कुमारी ने सोमवार को उन्हें पदभार सौंपा. इस मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के समेत अन्य लोगों ने नये बीडीओ का स्वागत बुके देकर किया. बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू ने कहा कि डुमरिया प्रखंड के विकास के लिए ग्रामीणों के साथ मिलकर काम करेंगे.

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

घाटशिला। थाना क्षेत्र के काशिदा रेलवे अंडर पास के समीप सोमवार को ट्रेन की चपेट आने से 32 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने पर रेलवे पुलिस जीआरपी एवं समाजसेवी कालीराम शर्मा के साथ घटना स्थल पहुंची. युवक के शव का पंचनामा करने के बाद उसे घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. युवक की पहचान नहीं हो पाई है.आशंका जताई जा रही है कि सोमवार की सुबह किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने या फिर उससे गिरने के कारण युवक की मौत हुई होगी.

टैंकर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत स्टार टॉकिज के पास टैंकर को मोड़ने के दौरान एक व्यक्ति टैंकर के पिछले चक्के के चपेट में आ गया. घटना के बाद टैंकर चालक विश्वजीत साव ने तत्काल घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान नहीं हो पाई है. इधर, सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और चालक विश्वजीत को हिरासत में ले लिया वहीं पुलिस ने टैंकर को भी जब्त कर लिया है. विश्वजीत ने बताया कि वह स्टार टॉकिज गोलचक्कर के पास टैंकर को मोड़ रहा था.

पत्नी की हत्या कर पति हुआ फरार,मामला दर्ज

नोवामुंडी। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के मसाबिला गांव में एक पति के द्वारा अपनी पत्नी को हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है. मामला जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के मासाबिला गांव की है. मासाबिला गांव निवासी राइसन गुईया ने अपनी पत्नी मीरा पिंगुवा की हत्या कर फरार हो गया है.इसकी सूचना गांव के मुंडा के द्वारा जगन्नाथपुर थाने को दिया गया. जगन्नाथपुर थाना से मसाबिला गांव लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर है. सूचना मिलते ही जगन्नाथपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच कर शव को अपने कब्जे में ले लिया.

पूर्व प्राचार्य ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल को लिखा पत्र

आठ पॉलिटेक्निक संस्थानों को निजी हाथों में सौंपने का विरोध

संवाददाता। आदित्यपुर

झारखंड राज्य के आठ पॉलिटेक्निक संस्थानों को निजी हाथों में सौंपने के कैबिनेट के निर्णय से लोगों में आक्रोश है. सवाल उठाते हुए आदित्यपुर के एक वरिष्ठ नागरिक और पॉलीटेक्निक संस्थान के पूर्व प्राचार्य रहे प्रो. सुरेंद्र कुमार महतो ने देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और झारखंड के राज्यपाल समेत सभी शीर्षस्थ अधिकारियों को पत्र लिखकर उन्हें मेल के माध्यम से भेजा है. उन्होंने जिस प्रेझा फाउंडेशन को आठों पॉलिटेक्निक को संचालित करने को सौंपने का निर्णय लिया गया है उसे अक्षम और संसाधनहीन बताया है. प्रो. महतो ने पत्र में लिखा है कि झारखंड सरकार के उच्च एवम तकनीकी शिक्षा मंत्री-सह मुख्यमंत्री के समक्ष इस बात का विरोध कर रहा हूं कि राज्य एवम राज्य के गरीब व आर्थिक रूप से पिछड़े एवम अल्प संख्यक वर्ग के छात्र छात्राओं के हित में नवसृजित इन 8 राजकीय पॉलिटेक्निक राजकीय पॉलीटेक्निक खूंटी राजकीय पॉलीटेक्निक चतरा , राजकीय पॉलिटेक्निक लोहरदग्गा, राजकीय पॉलिटेक्निक हजारीबाग, राजकीय पॉलिटेक्निक जामताड़ा, राजकीय पॉलिटेक्निक गोड्डा, राजकीय पॉलिटेक्निक बगोदर एवम राजकीय पॉलिटेक्निक पलामू को किसी भी निजी संस्था के हाथों में संचालन के लिए न दिया जाए. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि पैसे और पद के लालच में उच्च एवम तकनीकी शिक्षा विभाग के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव एवम तत्कालीन तकनीकी शिक्षा निदेशक ने राज्य सरकार को गलत रिपोर्ट प्रस्तुत कर यह निर्णय लेने पर मजबूर किया है. राज्य एवम केंद्र सरकार (शिक्षा विभाग) द्वारा दी गई राशि से उसपर निर्मित संस्थान के भवनो को "नॉमिनेशन "के आधार पर सरकार के समक्ष गलत एवम भ्रामक प्रस्ताव भेजा गया है. जिससे एक निजी संस्था प्रेझा फाउंडेशन को इन 8 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों के संचालन के लिए झारखंड सरकार के कैबिनेट से अनुमोदित करवाया है.

खास बातें

- कहा- प्रेझा फाउंडेशन को अक्षम और संसाधनहीन
- डायरेक्टर पर हैं लगे हैं कई गंभीर आरोप

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री को पूर्व में दिया था पत्र

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा है कि इन संस्थानों को निजी हाथों में सौंपने का विरोध कोडरमा सांसदीय क्षेत्र की सांसद - सह - केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी भी पूर्व में ही कर चुकी है . फिर भी सरकार ने इसपर अमल नहीं किया . उन्होंने कहा है कि सरकार को गलत प्रस्ताव देने वाले खंडेलवाल और अरूण कुमार ने उच्च एवम तकनीकी शिक्षा मंत्री और सरकार के समक्ष इसलिए भेजा कि वे अपनी सेवानिवृति के पश्चात उक्त संस्था के साथ जुड़कर अपना रोटी सेक सकें . वे दोनों वर्ष 2022 से सेवानिवृत हैं . जब 4 दिसंबर 2020 को तत्कालीन विभागीय मंत्री - सह - मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में विभागीय ज्ञापांक 27 12 जनवरी 2021 द्वारा यह निर्णय हुआ था कि राज्य के इन आठ नव निर्मित एवम नवसृजित राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को राज्य सरकार अपने स्तर से सत्र 2021-22 से संचालित करेंगी . फिर निर्णय में यह बदलाव अचानक क्यों और किसके निर्देश पर किया गया? सरकार ने विभाग के इस 'गेम ' प्रस्ताव को न समझकर और इसको बिना रिव्यू किए ही अनुमोदित कर दिया है .

गांधी मैदान में मनाया गया धूमधाम से मागे मिलन समारोह

बाया हो के गानों पर लोग देर रात तक जमकर थिरके

संवाददाता। चाईबासा

युवा सामाजिक संगठन आदिवासी यंगस्टर्स यूनिटी कोल्हान के द्वारा इस वर्ष भी गांधी मैदान में धूमधाम से मागे मिलन समारोह मनाया गया. इस वर्ष हो भाषा में युवाओं के बीच जागरूकता लाने के लिए हो भाषा में स्वरचित कविता लेखन, लघु कथा लेखन एवं हो समाज के रहन-सहन और परिवेश से संबंधित चित्रांकन प्रतियोगिता रखी गई थी. हो भाषा स्वरचित कविता लेखन में प्रथम -श्याम कुदादा, द्वितीय-सरिता सुंडी, तृतीय-योगिता गागराई को स्थान मिला. लघु कथा लेखन में विजेता श्याम कुदादा रहे. चित्रांकन प्रतियोगिता में सपना तियू विजेता रही. पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम -आर के केराई, द्वितीय-हरीश पूर्ति, तृतीय - नरेंद्र बारी, महिला वर्ग में प्रथम -रीता सवैंया, द्वितीय चंदमानी देवगम, तृतीय -सपना जारिका एवं नन्ना मुन्ना वर्ग में प्रथम -अक्षित सिंह बनरा, द्वितीय-आशा बानरा, तृतीय -सोना समड विजेता रहे. साथ ही मिक्स मार्शल आर्टिस्ट प्रतीक सुंडी को नेशनल एमएमए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. सभी विजेताओं को हो साहित्यकार डोबरो बुड़ीउली, सतीश सामाड, रमेश जेराई, बागुन बोदरा, प्रीतम बंकीरा, सत्यजीत हेंब्रम एवं संतोष मुंडा के द्वारा मोमेंटो एवं प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का समापन हो फिल्म इंडस्ट्री के सुपरहिट सिंगर बाया हो के सोशल मीडिया पर वायरल धमाकेदार गानों के साथ किया गया. मौके पर संगठन के फाउंडर सदस्य बालकिशन देवगम, राजकमल पाट पिंगुवा, अभिजीत पाट पिंगुवा, संजय लागुरी के साथ-साथ संगठन के सक्रिय सदस्य वीर सिंह बालमुचू, अजय जोंको, एलेन मुंडा, मनमोहन, अमर पाट पिंगुवा, कृष्णा, लक्ष्मी विरुली, प्रीति, मेनंती, आकाश जामुदा इत्यादि इत्यादि हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे.

खास बातें

- विविध प्रतियोगिता का किया गया आयोजन
- सफल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

आदिवासी प्रकृति की सबसे बड़े पुजारीः सीजीएम

किरीबुरु। आदिवासी कल्याण केन्द्र, मेघाहातुबुरु के तत्वावधान में आयोजित मागे पर्व के दूसरे दिन अर्थात 18 मार्च की सुबह केन्द्र प्रांगण में दियूरियों का सम्मान एवं बाहा पर्व की तिथि निर्धारण किया गया . बैठक में सर्वसम्मति से बाहा पर्व आगामी 24 मार्च को मनाने का फैसला किया गया . इससे पूर्व मागे पर्व के उपलक्ष्य पर आयोजित विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बतौर मुख्य अतिथि मेघाहातुबुरु के सीजीएम आर पी सेलबम, विशिष्ट अतिथि सीएमओ डॉ नन्दी जेराई, महाप्रबंधक सुकरा हो, महाप्रबंधक के बी थापा ने पुरस्कृत किया . आज कमेटी द्वारा दोपहर में लेटो/खिचड़ी, खीर का वितरण किया गया . शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक सामूहिक नृत्य-गान कार्यक्रम होगा . सीजीएम आर पी सेलबम ने कहा कि आदिवासी प्रकृति के पुजारी हैं . इनका सारा पर्व-त्योहार प्रकृति की पूजा से जुड़ा होता है .

तालाब में मिली युवक की लाश, जांच में जुटी पुलिस

चांडिल। चांडिल थाना क्षेत्र में लाश मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. सोमवार की सुबह भी एक तालाब से लाश बरामद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई. सोमवार की सुबह चांडिल थाना स्थित रसूलिया पंचायत के सुकसारी स्थित छोटा तालाब में पानी पर तैरता हुआ लाश मिला है. तालाब में लाश रहने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब के पास पहुंचे और मृतक की पहचान की. ग्रामीणों के अनुसार मृतक रसुनिया पंचायत के हाथीनादा गांव के निवासी 31 वर्षीय थुमु माझी है. ग्रामीणों का कहना है मृतक मिर्गी बीमारी से ग्रसित था. ग्रामीणों में इसकी सूचना तत्काल चांडिल थाना की पुलिस को दी. चांडिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया.

सड़क दुर्घटना में बागबेड़ा के युवक की हुई मौत

जमशेदपुर। जिले के जुगसलाई थाना अंतर्गत टाटा पिगमेंट के पास हुए सड़क दुर्घटना में बागबेड़ा गणेश नगर निवासी 21 वर्षीय अंकित कुमार सिंह की मौत हो गई. घटना रविवार देर रात की है पर परिजनों ने सोमवार सुबह पुलिस को इसकी सूचना दी. अंकित मध्यप्रदेश में काम करता था. वह छुट्टी पर घर आया हुआ था. अंकित के पिता कन्हैया सिंह ने बताया कि उनके दो बेटे है. अंकित रविवार रात 10 बजे घर से यह कहकर निकला की थोड़ी देर में वापस आ जाएगा. 20 मिनट बाद अंकित के साथी ने फोन किया की दोनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गए है. दोनों को तत्काल इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया जहां इलाज के दौरान अंकित की मौत हो गई. कन्हैया सिंह ने बताया कि अंकित और उसका साथी एक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे.

हत्या के मामले में पीड़ित पक्ष की कोर्ट में हुई गवाही

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के सोनारी थाना अंतर्गत कागलनगर स्थित नवलखा अपार्टमेंट में पत्नी पूनम गुप्ता, मुंहबोला साला चंदन पर फायरिंग करने और चंदन की मां सीमा देवी की हत्या करने के आरोपी मनोज गुप्ता के मामले में सोमवार को जमशेदपुर कोर्ट में पीड़ित चंदन और इंस्पेक्टर विष्णु राउत की गवाही हुई. एडीजे 5 मंजू कुमारी की अदालत में दोनों ने घटना का समर्थन किया. चंदन ने कोर्ट को बताया कि वह और उसकी मां पूनम के घर पहुंचे थे. इसी बीच मनोज गुप्ता मौके पर पहुंचा और फायरिंग शुरु कर दी. जिससे मां सीमा देवी की मौत हो गई. घटना के कुछ दिनों बाद मनोज ने तत्कालिन आजादनगर थाना प्रभारी विष्णु राउत के पास सरेंडर कर दिया था. वहीं मामले के अनुसंधान के दौरान कई और बातें भी अनुसंधानकर्ता के सामने आयी.

हाईकोर्ट से मिली है जमानत

इधर, मनोज गुप्ता को शुक्रवार को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है . जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस राजेश कुमार ने मनोज गुप्ता को जमानत दे दी थी . फिलहाल मनोज गुप्ता बोकारो तेनुघाट जेल में बंद है . बता दे कि 26 जुलाई 2019 को सोनारी नवलखा अपार्टमेंट में पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए मनोज गुप्ता ने अपनी पत्नी को पटना से बुलवाया था . पत्नी अपने मुंहबोले साला और उसकी मां के साथ पहुंची थी . बातचीत में विवाद होने पर मनोज गुप्ता ने सर्विस रिवाल्वर से फायरिंग कर दी थी, जिससे सीमा देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी थी जबकि अन्य लोग घायल हो गए थे .

सोनाराम केराई हत्याकांड में एक युवक गिरफ्तार

आदित्यपुर। आरआईटी थाना क्षेत्र में बीते 26 फरवरी को इंडस्ट्रियल एरिया कृष्णापुर के बोनडीह में सोनाराम केराई की हत्या हुई थी. इस हत्याकांड का सोमवार को खुलासा एसपी मनीष टोप्पो ने किया. उन्होंने बताया कि इस मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है. युवक का नाम अमित सरदार उर्फ दाणू है. उन्होंने बताया कि आरआईटी पुलिस ने युवक के पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक साइकिल बरामद किया है जो मृतक का बताया जाता है. एसपी मनीष टोप्पो प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि मृतक अक्सर उसके घर हड़िया पीने जाता था. जहां उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ करता था. मना करने के बाद भी इस हरकत से वह बाज नहीं आया. इसलिए उसकी हत्या कर दी. पुलिस ने बोनडीह से क्षत विक्षत अवस्था में सोनाराम का शव बरामद किया था. बताया जाता है कि आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है.

अजय की तलाश में निश्चिंतपुर गांव पहुंची डॉग स्क्वॉयड टीम

संवाददाता। घाटशिला

गालूडीह थाना क्षेत्र के निश्चिंतपुर गांव निवासी पुजारी अजय आचार्य का अपहरण का मामला की गुत्थी अब तक नहीं सुलझ पाई है. पुलिस के द्वारा परिजनों से लेकर जिन जिन लोगों पर शक की सुई गई सभी लोगों से लगातार पूछताछ की पर अबतक कोई सुराग पुलिस को नहीं मिल सका है. सोमवार को स्थानीय पुलिस जिला से डॉग स्कॉयड की टीम बुलाई. डॉग मास्टर अमलेश कुमार सिंह ने कुत्ता को अजय आचार्य के कपड़े एवं चप्पल सुंघाकर खोजबीन की पर कुत्ता नदी के कुछ दूर पहले ही रूक गया. पुलिस अपहरण सहित मिले खून के धब्बे और अजय के रूद्राक्ष को लेकर डॉग स्कॉयड का मदद लिया मगर निराशा हाथ लगी. डॉग मास्टर अमलेश कुमार सिंह ने बताया कि 7 दिन का पुराना केस है इतना पुराना गंध नहीं रहता है. उन्होंने कहा कि इस बीच 2-3 बार बारिश भी अच्छी हुई है. टेक्निकल इश्यू के चलते कुछ पता नहीं चल सका. ज्ञात हो कि 12 मार्च की रात साढ़े आठ बजे से अजय आचार्य लापता है. मामले के दूसरे दिन 13 मार्च को परिजनों ने अपहरण का मामला गालूडीह थाना में मामला दर्ज करवाया था.

अधिवक्ता के घर चोरी मामले में नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत दुर्गा पूजा मैदान के पास जमशेदपुर कोर्ट के अधिवक्ता सतेंद्र कुमार सिंह के घर हुई लाखों की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर लिया है. पुलिस ने इस मामले में नाबालिग समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में बर्मामाइंस जयप्रकाश आश्रम निवासी राजा मांझी, गहने खरीदने वाला सोनार ओडिशा के मयूरभंज निवासी श्रीकृष्ण परिदा, बहरागोडा निवासी आशीष पैडा और एक नाबालिग शामिल है. पुलिस ने सोनार के पास से कुल 300 ग्राम गला हुआ सोना बरामद किया है जिसमे 89.060 ग्राम सोना सतेंद्र के घर से बरामद किया गया. वहीं घटना में प्रयुक्त रॉड और पेचकस भी बरामद किया गया है.

तैयारी

उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग की बैठक

पढ़ाया आदर्श आचार संहिता के अनुशासन का पाठ

संवाददाता। आदित्यपुर

लोकसभा आम चुनाव 2024 के चुनावों के तारीख की घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है. इसी को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी रवि शंकर शुक्ला ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में सभी पंजीकृत राजनितिक दल के सदस्यों के साथ बैठक की. उन्हें बताया कि 16 मार्च को निर्वाचन की घोषणा के उपरांत पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. जिले के 3 लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान, मतगणना की तिथि समेत जिले में निर्वाचन के दायित्वो के निर्वाहन बेहद जरूरी है. उन्होंने राजनितिक दल के सदस्यों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों का अक्षरसः अनुपालन करने का निर्देश दिया. ताकि जिले में शांतिपूर्ण, कदाचार मुक्त वातावरण में निर्वाचन सम्पन्न सम्भव हो सके. जिसमें राजनीतिक दलों से जिला प्रशासन सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा रखता है. इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी दल के सदस्यों और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले के दोनों अनुमंडल क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि साथ ही चौथा चरण में सिंहभूम (अ. ज.जा.) तथा खूंटी (अ. ज.जा.) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में दिनांक- 13 मई 2024 को मतदान किया जाना है, जबकि रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में छठे चरण में 25 मई 2024 को मतदान किया जाना है. उन्होंने कहा कि शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है. पोलिंग पार्टीज का गठन भी रैंड माईजेशन के द्वारा सुनिश्चित किये जाएंगे ताकि शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराया जा सके. डीसी ने प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव कराने की तैयारियों को पूरा कर लिया गया है. लोकसभा आम चुनाव की तैयारियों को लेकर वेलरेबल बूथ, क्रिटिकल बूथ, सामान्य बूथ का निरीक्षण अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियें द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है, ताकि किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर असमाजिक तत्वों पर विशेष नजर के अलावा 107, 110 के तहत लगातार कार्रवाई भी की जा रही है.

खास बातें

- जिले में धारा 144 लागू,सभी तरह के जुलूस पर रोक
- पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों नियुक्ति

न्यूज अपडेट

कलश यात्रा के साथ 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ शुरू

आदित्यपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में सोमवार से आदित्यपुर 2 स्थित रोड नंबर 7 मैदान में विश्व शांति हेतु 24 कुण्डीय श्रद्धा संवर्धन राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ आरंभ हुआ. जिसका शुभारंभ कमलकांत मंडल पूर्वी जोन प्रभारी और रामावती देवी द्वारा झंडोत्तोलन के साथ हुआ. इस दौरान अहले सुबह 800 महिलाओं द्वारा मंगल कलश खरकई नदी से जलभराई कर यज्ञ स्थल तक लाया गया. कलश यात्रा रोड नंबर 7 यज्ञस्थल से रोड नंबर 4 गायत्री स्कूल होते हुए रोड नंबर 32 होते हुए खरकाई नदी तक निकाली गई. तत्पश्चात चंदन की लकड़ी से यज्ञ कुंड में अग्नि प्रज्ज्वलित किया गया और कलश आरती की गई. गायत्री परिवार के संत सत्य प्रकाश ने बताया यह महायज्ञ 3 दिनों तक चलेगा. जो 19 मार्च तक आयोजित होगा. तीनों दिन श्रद्धालुओं को भजन कीर्तन प्रवचन एवम प्रज्ञा पुराण कथा का रसपान कराया जाएगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री परिवार के सभी सदस्यों तन मन से लगे हुए हैं.

मूसलाधार वर्षा व वज्रपात से जन-जीवन प्रभावित

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु एवं सारंडा जंगल क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों में मध्य रात्रि के बाद से जारी मुसलाधार वर्षा, तेज आंधी व वज्रपात से जन-जीवन प्रभावित हुआ है. वर्षा की वजह से तापमान में भारी गिरावट आई है. आज किरीबुरु का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री एवं अधिकतम 27 डिग्री तक रहने की संभावना है. मौसम विभाग द्वारा जारी सूचना अनुसार आगामी 21 मार्च तक वर्षा होने की संभावना है. ऐसे में किरीबुरु का न्यूनतम तापमान में निरंतर गिरावट होने तथा यह तापमान 21 मार्च तक घटकर 13 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है. रात से जारी वर्षा की वजह से किरीबुरु टाउनशिप क्षेत्र में चल रही सड़क का निर्माण, सेल कर्मचारियों के आवासों के छत पर जीआई सीट लगाने आदि का कार्य प्रभावित हुआ है.

दर्शनीय वस्तु बना तीस मीट्रिक टन वाला शीतगृह

बहरागोड़ा। भवन निर्माण विभाग के द्वारा निर्मित पूर्वी सिंहभूम जिला के बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत केशरदा गांव में बने सीरीज मैट्रिक टन वाले शीत गृह अभी दर्शनीय वस्तु बना हुआ है. इस भवन का शिलान्यास जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती, जिला परिषद बुलू रानी सिंह व एलिस माण्डी के कर कमलों द्वारा 27 फरवरी वर्ष 2021 को संपन्न हुआ था.भवन निर्माण के बाद से ही अनाज का भंडारण कार्य शुरू ही नहीं हुआ. जो अभी केवल दर्शनीय वस्तु बन कर रह गया है. स्थानीय कृषकों का कहना है इस भवन का सुचारू रूप से चालू होने पर अनाज के रखरखाव में काफी सहूलियत होती. साथ ही अनाज का उचित कीमत प्राप्त होता.

बांग्ला भाषा में स्टेशनों का नाम लिखने का समिति ने किया स्वागत

घाटशिला। घाटशिला रेलवे स्टेशन का नाम बांग्ला भाषा में लिखे जाने से झारखंड बंगभाषी उन्नयन समिति के सदस्यों खुशी जाहिर की है. साथ ही साथ रेल प्रशासन तथा झारखंड सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए झारखंड बंगभाषी उन्नयन समिति के केंद्रीय सह सचिव तापस चटर्जी ने सोमवार को बताया कि समिति के लगातार आंदोलन का परिणाम है कि वर्षों पुरानी मांग बंगाली समुदाय के लोगों की पूरी हुई है. समिति के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारी के लगातार प्रयास का प्रतिफल है. उन्होंने कहा कि पिछले दिन 11 मार्च को समिति की ओर से रेलवे प्रशासन को अल्टीमेटम दिया गया था कि जल्द से जल्द 7 रेलवे स्टेशनों पर बांग्ला भाषा में नाम लिखा जाए.

39 गांव में 1236 किसान ले रहे उन्नत खेती का प्रशिक्षण

नोवामुंडी। टाटा स्टील फाउंडेशन नोवामुंडी के माध्यम से उन्नत कृषि पद्धतियों पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण से अब तक नोवामुंडी एवं जगन्नाथपुर प्रखंड के अंतर्गत भनगांव, सियालजोड़ा, बड़ापासेया, कदाजामदा, महुदी, कोटगढ़,नोवामुंडी बस्ती, पोखरपी,जेटेया आदि 39 गांवों में 1236 किसानों को मिल रहा जैविक खाद और कीट प्रबंधन पर प्रशिक्षण. गांव में वैज्ञानिक पद्धति को उजागर करने के लिए टाटा स्टील फाउंडेशन नोवामुंडी के द्वारा शुरू से ही मौसमी आधार पर फसलों की जानकारी का प्रशिक्षण होता आ रहा है. साथ ही किसानों की आजीविकाओं के स्रोतों को किस प्रकार समेकित बनाया जाए इस पर भी कार्यक्रम आयोजित होता आ रहा है.

बाल मेला से निखरती है बच्चों की प्रतिभा : मुखिया

मझगांव । मझगांव प्रखंड अंतर्गत मवि घोडाबंघा परिसर में सोमवार को एस्पायर संस्था के सहयोग से बाल मेला कार्यक्रम आयोजित की गई.कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि घोडाबंधा पंचायत मुखिया विवेकानंद पुर्ती ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए पंचायत मुखिया ने कहा कि बाल मेला कार्यक्रम बच्चों का प्रतिभा निखारने का बेहतरीन मंच है. ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी काफी प्रतिभाएं छिपी होती है.अगर इस तरह का मंच भी समुदाय और पंचायत की ओर से मिले तो बच्चे और भी आगे बढ़ सकते हैं. बाल मेला कार्यक्रम से विद्यालय से दूर बच्चे भी पुनः विद्यालय पहुंचते हैं इससे बच्चों की उपस्थिति दर भी बढ़ती है .

बानसा में हरिनाम संकीर्तन के लिए निकली कलश यात्रा

चांडिल । चांडिल प्रखंड के बानसा में सार्वजनिक श्रीश्री अखंड हरिनाम संकीर्त्तन समिति की ओर से बानसा में तीन दिवसीय अखंड हरी नाम संकीर्तन महायज्ञ का आयोजन किया गया है. अखंड हरी नाम संकीर्तन के लिए सोमवार को 131 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली. कलश यात्रा में भगवान के जयकारे लगाते बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए सभी हरि नाम लेते हुए झूमते नाचते हरिमंदिर तक पहुंचे. हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ का शुभारंभ मंगलवार 19 मार्च से होगा. 21 मार्च को जागरण रात्रि और शुक्रवार 22 मार्च को धुलट, भोगराग एवं वैष्णव सेवा के साथ महायज्ञ का समापन होगा. संकीर्तन महायज्ञ में कुल छह संकीर्तन मंडली शामिल हो रहे हैं.

मझगांव थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

मझगांव। होली - रमजान एवं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को मझगांव थाना परिसर में अंचल अधिकारी संजय बाखला की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. अंचल अधिकारी श्री बाखला ने त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की. वही थाना प्रभारी विनोद तिर्की ने कहा की त्योहारों पर कोई भी नई परंपरा नहीं डाली जाएगी. हुड़दंग मचाने वालों को किसी भी कीमत पर नही बख्शा जाएगा. मौके पर थाना प्रभारी विनोद तिर्की, मानकी मुंड़ा संघ के अध्यक्ष युगोल किशोर पिंगुवा, एसआई धिरज साहु, अंजुमन के अब्दुल हमीद, लारेब अहमद, मानकी जगन्नाथ पाट पिंगुवा, रशदूस्लाम, मासूम रज़ा, मोरनसिंह बिरुवा, मो. फैय्याज, मजहर हुसैन, दिलीप प्रधान, लंकेश्वर पाट पिंगुवा, एएसआई सरफराज अहमद आदि उपस्थित थे.

कान्यकुब्ज वैश्य हलवाई महासभा के होली मिलन सह सम्मान समारोह में सामाजिक एकजुटता पर दिया गया जोर

आपसी सौहार्द्र व भाईचारा का संगम है होली मिलन : शालिनी

संवाददाता। झुमरी तिलैया

कान्यकुब्ज वैश्य हलवाई महासभा के तत्वधान में सोमवार को एक होटल में होली मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कान्यकुब्ज वैश्य समाज के महामंत्री दीनानाथ प्रसाद गुप्ता और गया की जिप अध्यक्ष नैना कुमारी भी उपस्थित थीं.

कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने एक-

सामाजिक कार्यक्रम

- 10वीं व 12वीं कक्षा के मेधावी छात्र-छात्राएं पुरस्कृत
- बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सतरंगी छटा बिखेरी

दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी. वहीं शैक्षणिक सत्र 2021-22 एवं 2022-23 में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80% अंक से अधिक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया. समाज के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सतरंगी छटा बिखेरी. इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने सभी को होली की बधाई देते हुए कहा कहा कि हलवाई समाज उत्तरोतर आगे बढ़ रहा है. इसे और बढ़ाने के लिए आपसी एकजुटता जरूरी है. वहीं, शालिनी गुप्ता ने कहा कि रंगों का पर्व होली सारे गिले-सिकवे भूलने व आपसी एकता का संदेश देता है, तो होली मिलन आपस में सौहार्द्र व भाईचारा का संगम दिखाता है.

मौके पर विनोद गुप्ता, संजीत साहा, विनोद प्रसाद गुप्ता, अमर गुप्ता, रणजीत गुप्ता, चंदन गुप्ता, विपिन गुप्ता, शशि गुप्ता, अनिल गुप्ता, कुणाल गुप्ता, ईशा गुप्ता,आशीष गुप्ता, मोनू गुप्ता, आकाश गुप्ता, मिक्कू गुप्ता, बिट्टू गुप्ता, प्रभु गुप्ता, मनीष गुप्ता आदि थे.

होलिया में उड़े रे गुलाल मैया तेरे आंगन में...

झुमरी तिलैया। काली मंदिर रेलवे स्टेशन में काली मंदिर महिला मंडल ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया. इस अवसर पर सुनीता मगधिया ने होलिया में उड़े रे गुलाल... मंजू देवी गुप्ता ने देना है तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ... अनुपमा देवी ने श्याम रंग वाले को कर डाली लाल... नीतू उपाध्याय ने होली खेल रहे नंदलाल मथुरा की कुंज गली में... जैसे भजन गाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया. इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगा कर होली की बधाई दी और बड़ों से आशीर्वाद लिया. कार्यक्रम के समापन बाद पुआ, पकवान और अन्य व्यंजन का लुत्फ उठाया. कार्यक्रम में फूल देवी, रजनी देवी, सविता देवी, सुधा देवी, तारा देवी, सुकन्या देवी, दिनेश मिश्रा, चंद्रशेखर जोशी, भैरव प्रसाद, विजय उपाध्याय, अनिल देव सिंह, अजय उपाध्याय, सुभाष प्रसाद आदि मौजूद थे.

महिला ने विचित्र नवजात को दिया जन्म, पेट से बाहर है आंत

संवाददाता। विष्णुगढ़

प्रखंड क्षेत्र स्थित ॐ साईं सेवा सदन में बीती रविवार रात एक प्रसूता ने विचित्र नवजात को जन्म दिया है. इस शिशु का आंत पेट के बाहर है. जानकारी के मुताबिक, प्रखंड के नावाटांड़ की रूबी कुमारी को रविवार रात प्रसव पीड़ा हुई. पति संतोष कुमार दास ने सुरक्षित प्रसव के लिए आधी रात पत्नी को विष्णुगढ़ सीएचसी ले आए. जहां महिला को एडमिट किया गया.

हालांकि, बाद में घर वालों की राय से प्रसूता को निजी नर्सिंग होम ॐ साईं सदन ले आया गया. नर्सिंग होम में अल्ट्रासाउंड के बाद ऑपरेशन के जरिए प्रसव कराने का फैसला हुआ. प्रसव सुरक्षित तो हो गया, मगर नवजात की आंत पेट के बाहर देखकर सभी भौंचक्के रह गए. इस अजीबोगरीब नवजात को नर्सिंग होम से रेफर कर दिया गया. रेफर किये जाने तक शिशु स्वस्थ था. लगभग दो महीने पहले विष्णुगढ़ सीएचसी में भी ऐसे ही एक बच्चे का जन्म हुआ था. तब सीएचसी के डॉक्टर ने इस दुर्लभ बीमारी का नाम गैस्ट्रोश्चिसिस बताया था.

ब्रीफ खबरें

चालान में हेर-फेर का आरोपी चालक धराया

केरेडारी। चट्टी बरियातु कोल माइंस से पुलिस ने कोयले के अवैध कारोबार में शामिल हाईवा वाहन को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है. मामले में चालक और वाहन मालिक के ऊपर मामला दर्ज किया गया है. इस संदर्भ में थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि बीते 17 मार्च को चट्टी बरियातु कोल माइंस से कोयला लदा हाईवा (जेएच 02 बीपी 5512) को पकड़ा गया था. इस पर 32 टन कोयला लदा था. चालक से चालान मांगने पर कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया जा सका. इतना ही नहीं, लोडर स्लिप में ओवर राइटिंग की गई थी. हाईवा वाहन के चालक बड़कागांव थाना क्षेत्र के खैरा तरी गांव निवासी सुखसागार कुमार महतो को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

आपसी भेदभाव मिटा कर मनाएं होली पर्व

हजारीबाग। रौनियार समाज के जिला सचिव सोनू गुप्ता ने सोमवार को हजारीबाग के पांच मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रत्येक मंदिरों में एक-एक बोरा गुलाल भगवान के चरणों में अर्पित किया. इस क्रम में बड़ा अखाड़ा मंदिर, महावीर स्थान मंदिर, पंचमंदिर, बुढ़वा महादेव मंदिर और छड़वा डैम स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस दौरान भाजपा नेता टोनी जैन भी उनके साथ रहे. पूजा-अर्चना संपन्न होने बाद सोनू गुप्ता ने कहा कि होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें सभी लोग आपसी रंजिश को भुला कर एक-दूसरे से गले लगाते हैं. लोग एक दूसरे को बधाई भी देते हैं. उन्होंने कहा कि इस बार भी हजारीबाग जिले में बड़े ही धूमधाम से होली का त्योहार मनाया जाएगा.

कुशवाहा समाज का होली मिलन आज

चौपारण। प्रखंड कुशवाहा समाज का होली मिलन समारोह मंगलवार को दादपुर स्थित कुशवाहा भवन में सुबह 10 बजे से होगा. इस संबंध में समाज के प्रखंड अध्यक्ष सुखदेव दांगी ने बताया कि कुशवाहा समाज का पहला होली मिलन समारोह गत वर्ष भगहर में हुआ था. वहीं, इस साल के समारोह को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जेबीकेएसएस के केंद्रीय उपाध्यक्ष संजय मेहता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कुशवाहा युवा प्रदेश अध्यक्ष बबलू कुशवाहा होंगे. वहीं खोरठा के कॉमेडी स्टार व गीतकार दिलीप वर्मा होली के गीतों व कॉमेडी के रंगों से सराबोर करेंगे. उन्होंने समाज की सभी माताओं, बहनों और सम्मानित बुद्धिजीवी, अभिभावक एवं युवाओं को समारोह के लिए आमंत्रित किया है.

वरीय अधिकारी से भी अधिक चर्चा में गोपनीय शाखा के रीडर सुनील यादव

12 साल और एक ही पद

संवाददाता। हजारीबाग

एसपी कार्यालय की गोपनीय शाखा में रीडर के पर पर काम रहा सिपाही सुनील यादव इन दिनों सुर्खियों में है. कहा जाता है कि पुलिस विभाग में उसकी काफी हनक है. 2012 बैच के इस सिपाही की आजतक किसी थाने में तैनाती नहीं की गई. नौकरी में आने के बाद वह पिछले 12 सालों से हजारीबाग एसपी कार्यालय की गोपनीय शाखा में बतौर रीडर काम कर रहा है.

सिपाही सुनील यादव की पुलिस विभाग में पकड़ का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि 12 सालों में जिले के छह एसपी बदल गए, लेकिन वह एसपी कार्यालय में रीडर के पद पर बना हुआ हुआ है. ऐसा नहीं है कि उसके तबादला के लिए वरीय पुलिस अधिकारियों को कहा नहीं गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई. हजारीबाग में आईपीएस मनोज कौशिक, मयूर पटेल, अनूप बिरथरे, एस कार्तिक, मनोज रतन चौथे के बाद अब अरविंद कुमार सिंह के एसपी बनने के बाद भी सिपाही सुनील यादव गोपनीय रीडर के रूप में कार्यरत है. उसकी पहुंच एसपी, डीआईजी से भी ऊंची बताई जाती है. कई लोग तो उसकी पहुंच मंत्री तक बता रहे हैं. गौरतलब हो कि जिले में दो स्थायी रीडर अलग से तैनात हैं, लेकिन उन्हें गोपनीय रीडर बनने का सौभाग्य नहीं मिला.

सूत्र बताते हैं कि अपने 12 सालों की सेवा अवधि में सिपाही सुनील यादव ने अकूत संपत्ति अर्जित कर ली है. उसकी प्रॉपर्टी के आगे बड़े-बड़े अधिकारी और मंत्री की प्रॉपर्टी भी कमतर दिखाई देती है. सूत्रों यह भी बताते हैं कि सुनील यादव एसपी कार्यालय में रह कर पूरे जिला का काम वहीं से देखता है. किस थाना में किसे लगाना है, दारोगा से लेकर जमादार और सिपाही को कहां भेजना है, किसकी ड्यूटी कहां लगेगी, यह सब सुनील यादव ही तय करता है. उसके तार पूरे जिले में फैले हुए हैं. यही कारण है कि उसका तबादला नहीं होता है.

हनक कायम

- छह एसपी बदल गए, पर पद पर जमा रहा रीडर सिपाही
- कई बार ऊपर तक पहुंची शिकायत, नहीं हुआ तबादला

> पत्रकारों के माध्यम से जानकारी मिली है. पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा गया है. इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी.
>
> – सुनील भास्कर
> डीआईजी, हजारीबाग रेंज

12 सालों में अर्जित की अकूत संपत्ति : सूत्र

सूत्रों की मानें, तो पुलिस विभाग की नौकरी में आने के बाद सिपाही सुनील यादव ने हजारीबाग के जेपी केंद्रीय कारा के पीछे बड़ी जमीन ली और अब वहां मकान बनवा रहा है. पूर्व में भी कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा कोर्ट परिसर में पर्चा छोड़ा गया था, जिसमें सिपाही सुनील यादव की संपत्ति की भी चर्चा की गई थी और अवैध वसूली की भी बात कही गई थी. पर्चा में यह भी लिखा था कि सिपाही सुनील यादव पदमा में प्रशिक्षण नहीं करता है, बल्कि एसपी कार्यालय में ही बैठ कर हाजिरी बनवा लेता है. इस मामले में तत्कालीन वरीय अधिकारी द्वारा जांच की बात कही गई थी, लेकिन मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया.

अवैध वसूली कराने का लगता रहा है आरोप

कई सिपाहियों और दारोगा ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सिपाही सुनील यादव, एसपी साहब का डर दिखाकर हम लोगों से वसूली का काम करवाता है. सभी थाना से महीना फिक्स किए हुए हैं. नहीं देने वालों को कार्रवाई और लाइन हाजिर कराने की धमकी दी जाती है. इतना ही नहीं, कभी छर्री, तो कभी बालू भेजने के लिए कहते रहता है. वह कहता है कि कोठी पर काम चल रहा है, साहब का आदेश है. वरीय अधिकारी का नाम सुनकर दारोगा से लेकर सिपाही तक चुप्पी साध लेते हैं और उसके कहे अनुसार ही काम करते हैं. इन सब बातों को लेकर सिपाही सुनील यादव का नाम खूब चर्चा में है.

प्रशिक्षण केंद्र नहीं गया और बनती रही हाजिरी

पूर्व में सिपाही सुनील यादव को प्रशिक्षण के लिए एमपीटीसी, पदमा भेजा गया था. लेकिन उसने एक दिन भी प्रशिक्षण नहीं लिया. हालांकि उसकी हाजिरी बनती रही और वह गोपनीय रीडर का काम करता रहा. एमपीटीसी के एक हवलदार जब इसकी रिपोर्ट की, तो हवलदार ही बदल गया. वहीं, राज्य पुलिस मुख्यालय में जब शिकायत पहुंची, तो तत्कालीन एडीजीपी प्रशिक्षण प्रिया दुबे ने सुनील यादव का प्रशिक्षण संस्थान बदल कर नेतरहाट कर दिया. लेकिन, वह वहां भी नहीं गया. इस बीच आईपीएस सुमन गुप्ता एडीजीपी प्रशिक्षण बनीं, तो उनके योगदान के साथ ही प्रशिक्षण संस्थान के एसपी ने सुनील यादव को निलंबित कर पैतृक जिला हजारीबाग में वापस कर दिया. हालांकि, सुनील यादव तो पहले से ही गोपनीय रीडर के रूप में काम कर रहा था. फिर कुछ ही दिन के अंदर उसे निलंबन मुक्त कर दिया गया और आज की तारीख में भी सुनील यादव गोपनीय रीडर के रूप में कार्यरत है.

होली मिलन समारोह में झूमे लोग

संवाददाता। केरेडारी

प्रेस क्लब, केरेडारी में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. सभी लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगा कर और गले मिल कर होली की शुभकामनाएं दी. दिन के 11 बजे से देर शाम तक सभी लोग होली के गीतों पर झूमते रहे. इस दौरान लोगों ने लजीज व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया.

कार्यक्रम में बीडीओ अमित कुमार, बीपीओ सुमन कुमार, उपप्रमुख अमेरिका महतो, केरेडारी के पूर्व मुखिया तापेश्वर साव, चट्टी बरियातू मुखिया झरीलाल महतो शामिल थे. मौके पर केरेडारी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज वर्मा, पत्रकार सुमंत साहा, मुकेश कुमार, अरुण यादव, रवि कुमार मिश्रा, ज्ञान कुमार पासवान, इंद्रजीत कुमार, गिरि फैजल अंसारी, अमित कुमार माली, जागेश्वर कुमार, सुरेश साव, बरुण पासवान, अशोक कुमार, कीर्तन कुमार, अशोक, बंटी राज, रवि सोनी, पवन कुमार दास सहित कई लोग मौजूद थे.

स्वर्णकार व्यवसायी संघ ने मनाया होली मिलन

हजारीबाग। हजारीबाग स्वर्णकार व्यवसायी संघ ने स्थानीय स्वर्णकार भवन में धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष विक्रम प्रसाद ने किया. इस अवसर पर सभी स्वर्ण व्यवसाइयों ने एकजुट हो कर आगे काम करने का संदेश दिया. कार्यक्रम में मंडाई, इचाक के अलावा जिले के सभी प्रखंडों से स्वर्णकार समाज के लोग जुटे थे. सभी ने एक सुर में संघ की एकता बरकरार और मजबूत रखने का संकल्प लिया.

सात दिनों से पिता लापता तलाश में भटक रहा पुत्र

संवाददाता। हजारीबाग

सात दिनों से लापता रामनाथ साव का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है. इससे उनके घरवाले काफी परेशान हैं. पुत्र सच्चिदानंद ने बताया कि वह रेलवे स्टेशन के पास किराये के मकान में परिवार के साथ रहता है और सब्जी बेच कर परिवार का परिवार का भरण-पोषण करता है. उसके पिता बीते 12 मार्च को सुबह 8 बजे घर से बाहर टहलने निकले थे, जिसके बाद से घर नहीं आए.

उसने कटकमदाग थाना में पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है, पर अब तक उनका कुछ पता नहीं चल सका है. पुत्र ने यह भी बताया कि वे लोग मूल रूप से चतरा जिले के प्रतापपुर के रहनेवाले हैं. पैतृक गांव व आवास में भी आदमी को भेज कर पिता की खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल सका है. पुत्र ने बताया है कि जब उसके पिता घर से निकले, तो काला रंग का पैंट, हल्का नीला रंग का जैकेट पहने हुए हैं. साथ ही क्रीम रंग का शॉल ओढ़े हुए थे. पीड़ित परिवार जगह-जगह पर पंपलेट लगाकर अपने पिता की तलाश भी कर रहा है. उन्होंने लोगों से अपील भी कि है कि अगर उसके पिता के बारे में कोई जानकारी मिले, तो 8010071081 मोबाइल नंबर पर जानकारी दें.

उड़नदस्ता दल ने 348 बोतल शराब जब्त की

रामगढ़। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश के बाद उड़नदस्ता दल भी एक्शन में है. इस बीच बीते रविवार रात गुप्त सूचना पर उड़नदस्ता दल ने मांडू थाना क्षेत्र में जांच अभियान चलाया. इस क्रम में सफेद रंग की एक स्विफ्ट कार (जेएच 01 सीटी 7247) से विदेशी शराब का 29 कार्टन बरामद किया गया. जांच के बाद कार सहित विदेशी शराब की कुल 348 बोतलें जब्त की गईं. वहीं, मामले की जानकारी उत्पाद विभाग को देने के बाद बाद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

उपायुक्त ने बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

संदिग्ध वित्तीय लेनदेन पर रखें नजर

संवाददाता। हजारीबाग

चुनाव तैयारी

- बैंको में वोटर अवेयरनेस फोरम गठित करने का निर्देश
- राशि के असामान्य हस्तांतरण की देनी होगी जानकारी

लोकसभा चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान उन्होंने कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी वित्तीय लेनदेन से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं.

उपायुक्त ने आगे कहा कि किसी भी बैंक खाते में 10 लाख या उससे अधिक राशि के लेन-देन वाले संदेहास्पद खातों पर विशेष नजर रखें. इसकी सूचना उपायुक्त कार्यालय को भी दें. वहीं, विभिन्न बैंकों के एटीएम मशीन में नगद राशि जमा करने वाले एटीएम वैन में सभी संबंधित दस्तावेज व आईडी कार्ड को साथ रखें, ताकि किसी प्रकार की जांच के क्रम में स्थिति स्पष्ट हो सके. वहीं, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी पत्र के अनुसार भी कई निर्देश दिए गए. बैठक में अपर समाहर्ता संतोष कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, सदर एसडीओ शैलेश कुमार भी मौजूद थे.

बैंकों से अधिक निकासी पर आईटी को दें सूचना

उपायुक्त नैंसी सहाय ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान एक बैंक खाते से एक जिला निर्वाचन क्षेत्र में कई व्यक्तियों के खातों में आरटीजीएस के जरिए राशि का असामान्य हस्तांतरण की जानकारी देने को कहा. एक लाख रुपये से अधिक नकद जमा करना या नकद निकालने पर भी नजर रखने के निर्देश दिए. कहा, कोई अन्य संदिग्ध नकद लेनदेन, जिसका उपयोग मतदाताओं को रिश्वत देने के लिए किया जा सकता है, उस पर नजर रखें. बैंकों से अधिक निकासी होने की सूचना आयकर विभाग को देने को कहा गया. बैंको में मतदाता जागरूकता के लिए वोटर अवरनेस फोरम को क्रियाशील करने का निर्देश दिया गया.

घर में छुपा कर रखी 100 पेटी विदेशी शराब जब्त

चौपारण। होली के पहले अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है. इस कड़ी में गुप्त सूचना पर एक घर से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया है. इस संबंध में चौपारण थाना प्रभारी दीपक सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि भगहर पंचायत के ग्राम भंडार स्थित परमेश्वर यादव के घर में अवैध रुप से छुपा कर भारी मात्रा में विदेशी शराब रखा हुआ है. इस सूचना के आलोक में एक टीम गठित कर परमेश्वर यादव के घर की घेराबंदी कर विधिवत तलाशी ली गई. इस क्रम में घर के अंदर रखा लगभग 100 पेटी विदेशी शराब और दो प्लास्टिक के बोरा में रखाा 500 पॉउच देसी शराब बरामद किया गया. जब्त विदेशी शराब में ब्लैक डॉट ब्रांड 375 एमएल की 20 पेटी और इंपेरिय ब्लू ब्रांड 375 एमएल की 80 पेटी शामिल है. इस संबंध में थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है.

शहर में बढ़ते अपराध के खिलाफ व्यावसायिक संगठन हुए गोलबंद

अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग

जताया विरोध

- गीतांजलि ज्वेलर्स में डकैती की घटना के बाद आक्रोश
- हजारीबाग चैंबर ने डीसी और एसपी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। हजारीबाग

शहर में अपराध के बढ़ते ग्राफ के विरोध में व्यवसायिक संगठनों ने आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है. व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अपराधियों के बढ़ते तांडव को लेकर बीते रविवार को व्यवसाइयों ने सदर थाना पहुंच कर विरोध जताया था. वहीं, सोमवार को भी व्यवसायी संगठनों के प्रतिनिधि सदर थाना पहुंचे और बीते दिनों गीतांजलि ज्वेलर्स में हुई डकैती में शामिल अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की.

पुलिस पेट्रोलिंग की समुचित व्यवस्था की मांग : हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राजकुमार जैन टोंगिया और सचिव विजय केसरी ने सोमवार को डीसी और एसपी को ज्ञापन सौंपा है. व्यवसाइयों ने कालीबाड़ी रोड स्थित गीतांजलि ज्वेलर्स में हुई डकैती मामले में शामिल अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई है, अन्यथा हजारीबाग चैंबर नगर बंद, पर्चा लेखन, प्रदर्शन, धरना, भूख हड़ताल प्रारंभ करेगा. ज्ञापन के माध्यम से यह भी कहा गया है कि शहर के व्यवसाइयों को पूर्ण पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए. शहर में बढ़ रही चोरी और सेंधमारी की घटनाओं से व्यावसायी भयभीत हैं. दुकानों के खुलने के बाद, विशेष कर रात्रि के समय पुलिस पेट्रोलिंग की समुचित व्यवस्था की जाए. साथ ही पैदल गश्ती दल के माध्यम से पेट्रोलिंग की व्यवस्था करने की मांग की गई. वहीं, शहर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त कर अपराधियों पर नजर रखने का आग्रह किया गया है.

व्यवसायियों को मिले पूर्ण सुरक्षा : शंभुनाथ

फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, हजारीबाग के अध्यक्ष शंभु नाथ अग्रवाल, सचिव राकेश ठाकुर और अन्य सदस्य सोमवार को गीतांजलि ज्वेलर्स के संचालक मिंटू सोनी से मिलने पहुंचे. घटना की जानकारी लेने के बाद उन्होंने बताया कि शहर में अपराध बढ़ रहा है. इससे व्यवसायी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. आए दिन आपराधिक घटनाओं से शहर के छोटे-बड़े व्यापारी भयभीत हैं. कहा, शहर में बढ़ रही चोरी और सेंधमारी की घटनाओं से आमलोगों में भी दहशत का माहौल है. चैंबर ने व्यवसायियों को पूर्ण सुरक्षा देने की मांग की.

अपील उपायुक्त ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता के नियम बताए

858 मतदान केंद्रों पर 7,28,632 मतदाता करेंगे मतदान

संवाददाता। रामगढ़

लोकसभा चुनाव

- पेड न्यूज व चुनावी खर्च के नियमों की दी जानकारी
- जिले में 374759 पुरुष व 353852 महिला मतदाता

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की अधिसूचना के बाद सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार भी मौजूद थे. इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है.

उन्होंने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत रामगढ़ जिले में बड़कागांव, रामगढ़ एवं मांडू विधानसभा अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की जानकारी दी. उपायुक्त ने बताया कि लोकसभा चुनाव के तहत जिले के कुल 455 भवनों में 858 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. वहीं इस बार के निर्वाचन में कुल 7,28,632 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. इनमें पुरुष मतदाता 3,74,759 और महिला महिला मतदाताओं की संख्या 3,53,852 है. उन्होंने लोकसभा चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी. बताया कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन हेतु 26 अप्रैल को अधिसूचना जारी की जाएगी.

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 3 मई है, जबकि स्क्रुटनी 4 मई को होगा. वहीं, मतदान की तारीख 20 मई और मतगणना 4 जून को होगी. बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी उपायुक्त हजारीबाग होंगी. वहीं रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए सहायक निर्वाची पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़ एवं बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के लिए भूमि सुधार उप समाहर्ता सहायक निर्वाची पदाधिकारी होंगे.

लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम

नामांकन अधिसूचना : 26 अप्रैल
नामांकन की अंतिम तिथि : 3 मई
स्क्रुटनी की तारीख : 4 मई
मतदान की तारीख : 20 मई
मतगणना की तारीख : 4 जून

37 मतदान केंद्रों का पर्दानशीं के रूप में चयन

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पेड न्यूज मॉनिटरिंग, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग आदि के तहत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी. वहीं आदर्श आचार्य संहिता का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा. उन्होंने सभी को बताया कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए रामगढ़ जिले में कुल 37 मतदान केंद्रों को पर्दानशीं मतदान केंद्रों के रूप में चयनित किया गया है. वहीं जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों को पर्यटन अथवा कला से संबंधित विभिन्न थीमों के आधार पर स्थापित किया जाएगा.

ग्रिजली बीएड कॉलेज में दिलाई गई मतदान करने की शपथ

संवाददाता। कोडरमा

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और स्वीप के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कॉलेज के स्वीप ब्रांड एंबेसडर मो. सम्मीउल्लाह ने सभी प्रशिक्षुओं एवं कॉलेज के सदस्यों को आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित किया. सभी प्रशिक्षुओं एवं सदस्यों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई.

कार्यक्रम में उप निदेशिका डॉ. संजीता कुमारी ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का महापर्व है. आगामी लोकसभा चुनाव में सभी लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें. वहीं, एनएसएस के नोडल सह कार्यक्रम पदाधिकारी सौरभ शर्मा ने मतदाता पहचान पत्र बनवाने पर जोर दिया. मौके पर बीएड प्रशिक्षुओं के अलावा सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष कुमार पासवान, खुशबू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, अनिल कुमार दास, मनीष सिन्हा, डॉ. पूजा आदि थे.

कुजू रेलवे साइडिंग से गलत चालान पर कोयला परिवहन मामले में खनन विभाग ने की कार्रवाई

प्रवीण, पप्पू साव, विनोद पहाड़ी और झारखंड इस्पात के मालिक पर केस

सौरव सिंह/दुर्वेज आलम। रांची/रामगढ़

जिले में एक ही चालान पर कई हाईवा से कोयला ढुलाई का खेल चल रहा है. इस पर लगाम लगाने के लिए डीसी के निर्देश पर रामगढ़ पुलिस ने बीती शनिवार रात रांची रोड से नई सराय के बीच छापेमारी अभियान चलाया. इस क्रम में कोयला लदे छह हाईवा को पकड़ा गया. दरअसल, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुजू रेलवे साइडिंग से एक ही चालान पर कोयला लदे वाहनों का परिवहन हो रहा है.

इधर, सभी छह हाईवा की जांच करने के बाद सभी वाहनों को रामगढ़ थाना लाया गया. पुलिस ने खनन विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए लिखित सूचना दी, जिसके बाद खान निरीक्षक राहुल कुमार ने रामगढ़ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई. पकड़े गए हाईवा में जेएच 24 एल 2412, जेएच 01डीपी 6866, जेएच 02 एयू 4910, जेएच 24 जे 2280, जेएच 24 एच 2112 और जेएच 24 जे 6029 नंबर के हाइवा शामिल थे. इनमें चार हाइवा पर 20 टन, एक हाइवा पर 25 टन और एक हाइवा पर 35 टन कोयला लदा था.

खान निरीक्षक ने सभी छह हाईवा के मालिक, चालक और कोयला कारोबारी प्रवीण साव, पप्पू साव, विनोद पहाड़ी और झारखंड इस्पात के मालिक के अलावा कुजू रेलवे साइडिंग के अज्ञात संलिप्त कर्मियों के खिलाफ बिना वैध चालान के कुजू रेलवे साइडिंग से कोयला के परिवहन के आरोप में केस दर्ज कराया है. इन सभी के खिलाफ सरकारी संपत्ति की चोरी, खनन राजस्व को क्षति पहुंचाने को लेकर धारा 420, 467, 468, 471, 120 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

हुई कार्रवाई

- रामगढ़ पुलिस ने छह हाईवा को किया था जब्त
- रामगढ़ पुलिस ने खनन विभाग को दी जानकारी

गलत चालान पर किया जा रहा था परिवहन

जिला खान निरीक्षक ने दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि अवैधकर्ताओं द्वारा गलत परिवहन चालान लगाकर कोयला का अवैध परिवहन किया जा रहा है. जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि इस कार्य में उक्त चारों कोयला कारोबारी भी संलिप्त हैं, जो कुजू रेलवे साइडिंग से अवैध कच्चा कोयला लोड कर झारखंड इस्पात और अन्य जगहों पर भेजने का कार्य करते हैं. जानकारी के मुताबिक, एक ही चालान पर कोयला लदे छह हाईवा का परिवहन किया जा रहा था. जांच में एक और बड़ा खुलासा हुआ है कि जिन वाहनों को कोयला ढोने के काम पर लगाया गया है, उन पर लदे कोयले का वजन किए बगैर उसे प्लांट में लिया जा रहा है, जो कि नियम के विरूद्ध है.

कथारा में रेलवे ट्रैक पर मिला क्षत-विक्षत शव

कथारा (बोकारो)। गोमो-बरकाकाना रेलखंड पर जरीडीह मोड़ और जारंगडीह रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला. व्यक्ति का सिर धड़ से अलग था. शव की पहचान संडे बाजार निवासी ऑटो चालक अशोक निषाद के रूप में हुई. सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई. आशंका व्यक्त की जा रही है कि किसी ट्रेन से कटकर उसकी मौत हुई है. परिजनों के अनुसार, अशोक निषाद कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था. शव देख पत्नी व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. गोमिया जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से चतुर्थ के प्रभाव में हैं. कार्य सोच विचार कर करें. कार्य व्यवसाय व नौकरी में रुकावटें होंगी, पर किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वही परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. नया कार्य मे जोखिम से बचें.

वृषभ आय का मार्ग खुलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. कामकाज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं. लक्ष्मी माता का ध्यान पूजन करें.

मिथुन काम में मन लगेगा. संतान की शिक्षा में सुधार होगा. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. आपके अच्छे कर्म से भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क लग्न का मालिक स्वग्रही है. समय उत्तम है. पर कामकाज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रखना होगा. किसी पदाधिकारी से मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. मंगल को बल दे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी. ज्यादा बात विचार और सोच से समय खराब हो सकता है. विवाद से दूर रहें.

कन्या व्यापार वृद्धि के लिए दिन अच्छा है. पर आपके रुखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. कामकाज सामान्य रहेगा. परीक्षा व प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. गाय को गुड़ खिलाएं.

तुला सरकारी कामकाम बन सकता है. कामकाज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशा-जनक हालात पैदा हो सकते हैं. परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते हैं.

वृश्चिक धर्म में मन लगेगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती हैं. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु किसी से विवाद हो सकता है. समय सामान्य है. किसी से मानहानि हो सकती है. कर्म के बल पर आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोत्तरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. पीपल वृक्ष की पूजा सेवा करें.

मकर कोई नई कार्य योजना में विस्तार हो सकता है. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रति-योगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. किसी से शुभ समाचार मिलेगा.

कुंभ शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता व एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. ज्यादा बोलने से बचें. किसी प्रकार के विवाद में ना पड़े. समय और अनुकूल हो, इसलिए अन्न का दान करें.

मीन शिक्षा में कोई बड़ा बदलाव होगा. भाग्य साथ देगा. किसी से विवाद हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

नक्सली मतियस की हत्या

किरीबुरु। आनंदपुर थाना अंतर्गत ग्राम गुण्ड्री में पीएलएफआई नक्सली मतियस दुटी उर्फ मंगरा टुटी (25) की अज्ञात अपराधियों अथवा नक्सलियों द्वारा गोली मार हत्या कर दिया गया. इस मामले में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया की सत्यापन के उपरांत यह बात प्रकाश में आई कि मतियस दुटी जो ग्राम बिरकेल, थाना गुदडी का निवासी था, उसकी हत्या प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई नक्सलियों के आंतरिक विवाद के कारण हुई.

मैथन में कार से 2.91 लाख जब्त

मैथन। लोकसभा चुनाव की तिथि की घोषणा के साथ ही मैथन पुलिस ने झारखंड-पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर वाहनों की जांच तेज कर दी है. जांच में गाड़ियों ने आए दिन बड़ी रकम बरामद हो रही है. पुलिस ने सोमवार को एक कार से 2.91 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं. मैथन ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन ने बताया कि कार से बरामद रुपए कतरास बाजार निवासी भोला प्रसाद विश्वकर्मा के हैं.

लोहरदगा में मतदाता

लोहरदगा लोस सीट अंतर्गत पांच विधानसभा, दो कांग्रेस और तीन झामुमो के पास

भाजपा-कांग्रेस में रही है कांटे की टक्कर

कुल मतदाता
14,27,022

महिला	पुरुष
7,07,402	7,19,616

ट्रांसजेंडर : 04

प्रवीण कुमार। रांची

लोहरदगा सीट झारखंड की 14 लोकसभा सीट में से एक है. रांची लोकसभा से अलग कर 1957 में ही लोहरदगा संसदीय क्षेत्र बनाया गया था. यह सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है. यह सीट रांची, गुमला और लोहरदगा जिले में फैली हुई है. इस लोकसभा सीट के तहत लोहरदगा, मांडर, गुमला, सिसई और बिशुनपुर विधानसभा सीट आती हैं. विधानसभा की सभी सीट फिलहाल इंडिया गठबंधन के कब्जे में हैं. अभी तक लोहरदगा लोकसभा सीट पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलती रही है. गौरतलब है कि 2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा ने समीर उरांव को उम्मीदवार बनाया है, वहीं कांग्रेस और झामुमो में इस सीट को लेकर खींचतान चल रही है.

हालांकि, लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के किस दल की झोली में ये सीट आएगी, वह तो उम्मीदवारों की सूची जारी होने पर ही स्पष्ट होगा. लेकिन, इन सबके इतर एक मसला ऐसा है जो अबतक अनछुआ है. आज कई दशक बीत जाने के बाद भी गुमला और लोहरदगा जिले की गणना आर्थिक रूप से पिछड़े इलाके के रूप में की जाती है, जबकि यहां बॉक्साइट और लिग्नाइट जैसे खनिजों का कई दशकों से खनन किया जा रहा है. आज भी यहां खनन इलाके में रहने वाली आदिम जनजातियों की स्थिति काफी दयनीय है.

कायदे से इस क्षेत्र का जितना विकास होना चाहिए था, अब तक नहीं हो पाया. जिस भी राजनीतिक दलों ने यहां से सीट जीतीं उन्होंने इस क्षेत्र का सिर्फ दोहन ही किया. खैर, आने वाले वक्त में इस क्षेत्र का कितना विकास हो पाएगा, अभी कह पाना मुश्किल है. फिलहाल, इस चुनावी बादल में सभी पार्टियां पूरी ताकत के साथ अपने हथकंडे से बारिश करने में जुट गई है.

1957 में लोहरदगा को संसदीय क्षेत्र बनाया गया था

- दशकों से यहां खनिजों का किया जा रहा है खनन
- गुमला और लोहरदगा की पिछड़े इलाके में गिनती

- **1957 में झारखंड पार्टी के इग्नी बेक जीते लोहरदगा सीट :** 1957 में पहली बार लोकसभा चुनाव हुए, जिसमें झारखंड पार्टी के इग्नी बेक ने जीत दर्ज की. बेक को 43.5% वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस को 30.30 % वोट मिले थे. बता दें कि जतम खरवार को कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बनाया था.
- **पहला चुनाव हार गये थे कार्तिक उरांव :** 1962 के चुनाव में यहां से स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार डेविड मुंजनी ने जीत दर्ज की थी. इन्हें कुल 41.6% वोट मिले. 1962 में कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवार को बदल दिया. यहां से इग्नी बेक की जगह कांग्रेस पार्टी ने कार्तिक उरांव को टिकट दिया. कार्तिक उरांव को कल 29.9 फीसदी वोट मिले. वहीं झारखंड पार्टी को 22.7 % वोट मिले थे.
- **1967 में कांग्रेस ने जीता चुनाव :** 1967 में कांग्रेस पार्टी ने फिर से कार्तिक उरांव पर ही दांव खेला. कांग्रेस ने लोहरदगा सीट पर जीत दर्ज की और कुल 37% मत प्राप्त किए. वहीं, भारतीय जनसंघ को 17.1% वोट मिले.
- **1971 में फिर जीती कांग्रेस :** 1971 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने कार्तिक उरांव को फिर से टिकट दिया. 1967 में इस सीट पर फिर से कार्तिक उरांव ने जीत दर्ज की कांग्रेस को कुल 51.5% मत मिले. जबकि भारतीय जनसंघ की रूपना उरांव को 18 % वोट मिले.
- **1977 में कांग्रेस को मिली हार :** 1977 के लोकसभा चुनाव में भारतीय लोकदल लोहरदगा सीट पर कब्जा किया. भारतीय जनसंघ के लालू उरांव को 54.9 % वोट मिले. जबकि कांग्रेस के कार्तिक उरांव को सिर्फ 29.99 % ही वोट मिल पाए थे.
- **1980 में फिर से कांग्रेस ने जीता सीट :** 1980 के चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर लोहरदगा सीट पर जीत दर्ज किया. कांग्रेस के कार्तिक उरांव ने इस बार 49.5% मत प्राप्त किए. वहीं जनता पार्टी के करमा उरांव ने 22.99 % और भारतीय लोक दल से चुनाव लड़ रहे लालू उरांव को 9.6 % वोट मिले थे.
- **1984 में भी जीती कांग्रेस :** 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस इस सीट से फिर से जीत गई. कांग्रेस ने एक बार कार्तिक उरांव की पत्नी सुमति उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया. इन्हें कुल 57.5% वोट मिले. भारतीय जनता पार्टी के ललित उरांव ने 20.02% मत हासिल किया.
- **1989 में भी कांग्रेस के पास रही लोहरदगा सीट :** 1989 में भी यह सीट कांग्रेस के पास रही. यहां से सुमति उरांव ने जीत दर्ज की. सुमति को कुल 38.6 % मत मिले. जबकि भाजपा के ललित उरांव को कुल 28.4 % मत प्राप्त हुए. वहीं जनता दल इस बार 18 % मत मिले थे.
- **1991 में पहली बार भाजपा ने दर्ज की जीत :** 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में यहां पर एक बड़ा परिवर्तन हुआ. भाजपा के ललित उरांव कुल 36.4 % वोट ला कर इस सीट पर कब्जा किया. जबकि कांग्रेस को इस बार 22.2 % वोट मिले. जनता दल को 16.4 %वोट को मिले थे.
- **1996 में भाजपा का फिर खिला कमल :** 1996 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार रहा. यहां से ललित उरांव ने जीत हासिल की. भाजपा को कुल 33% मत मिले. कांग्रेस ने यहां पर अपने उम्मीदवार को बदलकर बंदी उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया था. इसमें कांग्रेस को कुल 24.6% वोट मिले, जबकि जनता दल को 17.7 % और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 14.8 % मत प्राप्त हुए.
- **पहली बार कांग्रेस के इंद्रनाथ भगत 1998 में पहुचे संसद :** 1998 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बदलकर इंद्रनाथ भगत को टिकट दिया. इंद्रनाथ भगत को कुल 44.5% मत मिले. जबकि भाजपा के ललित उरांव को 40.8 % मत प्राप्त हुए थे.
- **1999 में भाजपा ने हासिल की जीत :** 1999 की लोकसभा चुनाव में भाजपा ने दुखा भगत को अपना उम्मीदवार बनाया. जिसमें उनको कुल 44.2 % वोट मिले थे. हालांकि कांग्रेस के इंद्रनाथ भगत भी कांटे की टक्कर देकर मैदान में थे. उन्हें 43.2 % वोट मिले थे.
- **बंटवारे के बाद कांग्रेस को मिली जीत :** 2004 लोकसभा चुनाव में लोहरदगा सीट कांग्रेस के खाते में गई. कांग्रेस ने रामेश्वर उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया था. कांग्रेस को इस बार 47.2 % मत प्राप्त हुए थे. जबकि भाजपा ने अपने उम्मीदवार दुखा भगत पर दाव लगाया था और इन्हें कुल 28.6 % मत प्राप्त हुए थे.
- **2009 में कांग्रेस के रामेश्वर उरांव तीसरे स्थान पर रहे :** 2009 के चुनाव में भाजपा ने अपने उम्मीदवार को बदला. इस बार भाजपा ने सुदर्शन भगत को अपना उम्मीदवार बनाया. सुदर्शन भगत ने इस सीट पर कुल 27.7 % वोट पाकर चुनाव जीते. यहां निर्दलीय उम्मीदवार चमरा लिंडा ने 26.11 % वोट प्राप्त किए. वहीं कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 24.8 % मत प्राप्त हुए थे.
- **2014 में मोदी लहर का दिखा असर :** 2014 में हुए लोहरदगा लोकसभा सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की. भाजपा के सुदर्शन भगत को कुल 34.830 % मत प्राप्त हुए. वहीं, कांग्रेस के रामेश्वर उरांव को 33.8 % मत प्राप्त हुए. हालांकि चमरा लिंडा टीएमसी से चुनाव लड़े थे, उन्हें कुल 18.3 % वोट प्राप्त हुए थे.
- **2019 में सुदर्शन की जीत का हैट्रिक :** भाजपा के सुदर्शन भगत इस सीट से तीसरी बार चुनाव जीते, लेकिन जीत का अंतर बहुत ज्यादा नहीं रहा. भाजपा को 45.5 % मत इस लोकसभा क्षेत्र में मिले थे. जबकि कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवार का बदलाव करते हुए सुखदेव भगत को अपना उम्मीदवार बनाया था.

सेमेस्टर-2 की छात्राओं के एडमिट कार्ड में गड़बड़ी, केयू से लिखित शिकायत

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के साकची स्थित ग्रेजुएट कॉलेज के बीकॉम सेमेस्टर 2 की छात्राओं के एडमिट कार्ड में गड़बड़ी का मामला प्रकाश में आया है. सेमेस्टर 2 की कई छात्राएं ऐसी है जिनके एडमिट कार्ड में विषय गलत लिखा गया है, जिससे छात्राओं को समस्या का सामना करना पड़ रहा है. इसको लेकर सोमवार को नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया ने कोल्हान यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार के नाम साकची स्थित शाखा कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा. यूनियन के अध्यक्ष सचिन कुमार सिंह ने बताया कि ग्रेजुएट कॉलेज में बीकॉम सेमेस्टर 2 की कई छात्राओं के एडमिट कार्ड

में विषय गलत लिखा हुआ है. परीक्षा भी नजदीक है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसको लेकर कोल्हान यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार से विषय बदलने का आग्रह किया गया है.

दुर्घटना में बाइक जल कर राख, चालक की हुई मौत

गुमला। नेशनल हाइवे में पालकोट थाना क्षेत्र के पोजेंगा नदी पुल के समीप बाइक और ऑटो में जबरदस्त टक्कर हो गया. इस टक्कर में बाइक सवार पटाटांगर निवासी गेलेडिवीन खेस उम्र 20 वर्ष की मौत हो गई और बाइक जल कर राख हो गया. जानकारी के अनुसार गेलेडिवीन खेस अपने गांव पटाटांगर से पालकोट जा रहा था. नदी के समीप सामने से तेज रफ्तार टेम्पू से टक्कर हो गया. खेस के बाइक में आग लग गई. गेलेडिवीन खेस का घटना स्थल ही मौत हो गई. अंधेरा का लाभ उठा कर टेम्पू भागने में सफल हो गया. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पालकोट पुलिस को दी.

प्रसव के बाद एक बिरहोर महिला की मौत

संवाददाता। चतरा

स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी के कारण चतरा के पत्थलगड्डा प्रखंड के शीतलपुर बिरहोर टोला की एक महिला की मौत प्रसव के दौरान हो गयी. महिला शुकर बिरहोर की 35 वर्षीय पत्नी बबिता देवी थी. ग्रामीणों का कहना हैं कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण महिला की मौत हुई है. समय रहते महिला का इलाज होता तो उसकी जान बच सकती थी. ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा प्रभारी डॉ सुमित जायसवाल पर नाराजगी जताते हुए यह आरोप लगाया है कि ये कभी भी पत्थलगड़ा नहीं आते ना ही किसी का फोन रिसीव करते हैं. लोगों ने उपायुक्त से मामले की जांच कर लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की. साथ ही मृतक के आश्रित को समुचित मुआवजा देने की मांग की. इस संबंध में बीडीओ राहुल देव ने कहा कि मृतका के परिजनों को सरकारी सहायता दी जायेगी.

नवजात सदर अस्पताल में है भर्ती

नवजात को सदर अस्पताल चतरा में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष धनंजय तिवारी ने नवजात को स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से अस्पताल में भर्ती कराया. महिला की मौत के बाद भी कोई भी पदाधिकारी या स्वास्थ्य विभाग के लोग बिरहोर टोला नहीं पहुंचे. जिस पर ग्रामीणों ने नाराजगी जतायी. मामले की जानकारी मिलने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी सह सीएचओ सरोज मिंज कुछ एएनएम के साथ वहां पहुंची. मृतका बिरहोर महिला को टोला के बिरहोर महिलाओं ने कंधा देकर श्मशान घाट ले गये. जहां शव को दफनाया गया.

उपलब्धि भारत ने अन्य वर्षों की तुलना में वर्ष 2023 में सबसे अधिक वृद्धि हासिल की

कच्चे स्टील के उत्पादन में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश बना भारत

पियूष गौतम। रांची

निर्माण, बुनियादी ढांचे, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाने वाले भारत के स्टील क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है. देश में इस्पात के उत्पादन और खपत दोनों में भारी वृद्धि देखी गई है. प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत वर्ष 2013-14 में 59 किलोग्राम से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 119 किलोग्राम हो गई है. भारत ने वर्ष 2022-23 में 123 मिलियन टन इस्पात का उत्पादन किया है. इस्पात उत्पादन की क्षमता वर्ष 2012-13 में 97 मिलियन टन था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 171.35 मिलियन टन हो गई है.

उत्पादन और खपत
वित्तीय वर्ष 2024 के अप्रैल-दिसंबर के दौरान इस्पात क्षेत्र का प्रदर्शन किसी भी वित्तीय वर्ष के अप्रैल-दिसंबर की तुलना में सबसे अच्छा रहा है.

पिछले पांच वित्तीय वर्षों के इस्पात का संचयी उत्पादन व खपत इस प्रकार है

उत्पादन और खपत (मिलियन टन में)	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
कच्चे इस्पात का उत्पादन	82.298	73.419	88.073	93.158	106.132
तैयार इस्पात उत्पादन	99.421	86.098	102.299	89.555	102.196
खपत	93.659	85.183	96.051	87.136	99.991

प्रमुख इस्पात उत्पादक देशों में, भारत ने अन्य वर्षों की समान अवधि की तुलना में वर्ष 2023 में सबसे अधिक वृद्धि हासिल की. भारत वर्तमान में वर्ष 2023 में कच्चे इस्पात का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है.

कच्चे इस्पात का विश्व का प्रमुख उत्पादक देश (एमटी में)

	चीन	भारत	जापान	अन्य	विश्व
2023	1019.10	140.2	87	641.9	1888.20
शेयर(%)	53.97	7.43	4.61	33 100	——

पेज एक का शेष

निर्वाचन आयोग ने की...

निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद झारखंड सरकार ने यह निर्णय लिया है. कार्मिक विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया. जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, अतिरिक्त प्रभार गृह कारा आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव रांची को, आपदा प्रबंधन प्रभाग को छोड़कर को तत्काल प्रभाव से गृह सचिव रांची के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है.

छह राज्यों के गृह सचिव को हटाने का है निर्देश: भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड सहित छह राज्यों गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के गृह सचिव को पद से हटाने का निर्देश है। साथ ही आयोग ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिए है कि वे चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े उन अधिकारियों का तबादला करें, जो तीन साल पूरे कर चुके हैं या अपने गृह जिलों में हैं. आयोग ने ये कदम सभी के लिए समान अवसर बनाए रखने और चुनावी प्रक्रिया की स्पष्टता को सुनिश्चित करने के इसीआइ के संकल्प और प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं.

बंगाल के डीजीपी भी हटाये गये: निर्वाचन आयोग ने इसके साथ पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार को हटाने का भी आदेश दिया है. आदेश के बाद बंगाल में विवेक सहाय को नया डीजीपी बनाया गया है. साथ ही मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य प्रशासनिक विभागों के सचिवों को हटा दिया गया है. लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के कुछ दिनों बाद आयोग ने बृहमुंबई महानगर पालिका के आयुक्त इकबाल सिंह चहल, अतिरिक्त आयुक्तों और उपायुक्तों को हटाने का भी आदेश दिया.

लोकतंत्र,मतदाता और चुनौतियां

मतदाताओं के समक्ष एक और अवसर है, जब वे देश में लोकतंत्र की परिपक्वता, संविधान की महत्ता और आजादी के संघर्ष से उपजे मूल्यों की कसौटी पर निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से अगले पांच साल के लिए राजनीतिक जनादेश दें. यह जनादेश इस मायने में महत्वपूर्ण है कि जब दुनिया के अनेक संस्थानों ने लोकतंत्र की कसौटी पर भारत के महत्व को कम किया है. राजनीतिक दलों से ज्यादा आम जनता का यह कर्तव्य है कि वह संसदीय लोकतंत्र के मूल्यों, चेतना और सरोकार के अनुकूल बगैर किसी प्रभाव और प्रलोभन के अपना फैसला सुनाए. चुनाव आयोग को इस बात की गारंटी करने की जरूरत है कि वह मतदाताओं के लिए ऐसा ही पारदर्शी माहौल पेश करे. वैसे तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को ले कर अनेक तरह के सवाल हैं, लेकिन चुनाव आयोग के समक्ष भी बेहतरीन अवसर है कि वह अपने ऊपर लगे आरोपों को इस चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बना कर गलत साबित कर दे. दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के महापर्व की घड़ी करीब आ गई है. यह नेताओं व सरकार के पांच साल का रिपोर्ट कार्ड पेश करने का वक्त है. सबसे महत्वपूर्ण वक्त मतदाता के लिए है कि वह अच्छे-बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का सदुपयोग करे. विचारणीय प्रश्न यह भी है कि क्यों आज भी मतदाता मुफ्त की रेवड़ियों के मोहपाश में जकड़ा हुआ है. मतदाता अपने बेशकीमती वोट को छोटे प्रलोभनों के लिए क्यों जाया कर देता है. देश में पिछले दशकों में साक्षरता का स्तर ऊंचा हुआ है. निस्संदेह, गरीबी के आंकड़ों में काट-छांट के दावे सरकारों की तरफ से किये जाते रहे हैं. देश में गरीबी की उपस्थिति भी एक सत्य है, लेकिन साधनविहीनता का यह मतलब कदापि नहीं है कि हम छोटे-छोटे प्रलोभनों में फंसकर विवेकशील ढंग से मतदान न कर सकें. देश में उत्तर, दक्षिण में मतदाताओं के रुझान में भिन्नता भी एक मुद्दा रहा है, लेकिन लोकतंत्र में पारदर्शिता, शुचिता और योग्य प्रतिनिधियों का चयन एक सर्वकालिक सत्य है. सही मायनों में यह लोकतंत्र का महोत्सव राजनेताओं का नहीं, जनता का है. मतदाता को अपने वोट की कीमत समझकर इसे बदलाव के अस्त्र के रूप में प्रयोग करना चाहिए, उसे जातीय, धार्मिकता, क्षेत्रवाद और आर्थिक प्रलोभनों को सिरे से खारिज करके लोकतंत्र को समृद्ध बनाना चाहिए. उसे विचार करना चाहिए कि देश की जनप्रतिनिधि संस्थाओं में धनबलियों का वर्चस्व हो रहा है. क्यों आम आदमी अब चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है? क्यों जनप्रतिनिधि चुनाव जीतते ही अरबों में खेलने लगते हैं? यह विडंबना है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपहारों, शराब और नगदी के अंबार की बरामदगी इस संकट की ओर इशारा करती है कि अल्पकालिक लाभ के लिए कमजोर वर्ग के मतदाताओं को लुभाने के लिये सारे दांव चले जाते हैं. निस्संदेह, इक्कीसवीं सदी के भारतीय लोकतंत्र में इन प्रवृत्तियों पर अंकुश लगना चाहिए. लोकतंत्र एक निरंतर प्रक्रिया है. मतदाताओं को इस निरंतरता को विकसित और मजबूत बनाने का दायित्व निभाना है.

> मतदाता अपने बेशकीमती वोट को छोटे प्रलोभनों के लिए क्यों जाया कर देता है. देश में पिछले दशकों में साक्षरता का स्तर ऊंचा हुआ है. निस्संदेह, गरीबी के आंकड़ों में काट-छांट के दावे सरकारों की तरफ से किये जाते रहे हैं.

सुभाषित

असूयैकपदं मृत्युः अतिवादः श्रियो वधः।
अशुश्रूषा त्वरा श्लाघा विद्याः शत्रवस्त्रयः॥

एक विद्यार्थी के लिए द्वेष मृत्यु के समान है. निरंतर अनावश्यक बातें करने से धन का नाश होता है. सेवा करने की मनोवृत्ति का अभाव, जल्दबाजी तथा स्वयं की प्रशंसा स्वयं करना, यह तीन बातें विद्या ग्रहण करने के वालों के लिए शत्रु हैं, जिनसे सावधान रहना चाहिए.

वंशवाद, परिवारवाद और सुप्रीमोवाद

भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति हाल में ही विकसित हुई है. 1970 के दशक से समाजवादी और गांधीवादी लोग नेहरू की वंशवादी राजनीति की आलोचना करते थे. नेहरू ने अपने होते अपनी पुत्री इंदिरा को प्रधानमंत्री नहीं बनाया था. हां, एक बार वह कांग्रेस अध्यक्ष जरूर बनी थीं. इसके लिए ही नेहरू को दोष दिया जाता है. यह आश्चर्यजनक है कि दोषारोपण करने वाले चरण सिंह, देवीलाल, मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद जैसों के परिवारजनों ने ही एक-एक पार्टी को अपनी मुट्ठी में आज लिया हुआ है.

• देश-काल

प्रेम कुमार मणि

वंशवाद, परिवारवाद और सुप्रीमोवाद समकालीन राजनीति के ऐसे बिंदु हैं, जिन पर प्रायः चर्चा होती रहती है. पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक क्षेत्र में उभरे परिवारवाद की आलोचना को अपने वक्तव्य का केंद्रीय मुद्दा बनाया, तब सबको पता था कि वह कहाa चोट कर रहे हैं. उनका इशारा मुख्य तौर पर प्रतिपक्षी दलों - कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी आदि की ओर था. हालांकि छोटे-छोटे अनेक दल इस परिभाषा के तहत आते हैं. जिनमें कई तो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हैं. पता नहीं कैसे मोदी का ध्यान रामविलास पासवान के दल पर नहीं जाता. परिवारवाद का मतलब यह नहीं है कि किसी नेता के परिवार का कोई व्यक्ति राजनीति में न आवे. किसी डाक्टर की संतान यदि डाक्टर है, तो पिता के बाद या उसके साथ उसके अस्पताल को संभाल सकता है. बचपन से देखे उसके अनुभव इस क्षेत्र में उसे बेहतर करने में सहायक हो सकते हैं. प्रश्न तो तब उठता है, जब उसका वैसा बेटा अस्पताल संभालने लगता है, जिसे मेडिकल साइंस की कोई जानकारी नहीं है और उसकी एकमात्र योग्यता उक्त डाक्टर की संतान होना है. संतान का उत्तराधिकार वंशवाद है. इसके उद्भव और विकास की अपनी कहानी है. निजी संपत्ति और वर्णवादी सामाजिक ढांचे के मूल में यह वंश परंपरा है. निजी मिलकियत वाले मामलों पर तो यह लागू हो सकता है, किसी राजनीतिक दल में इसका प्रचलन अपराध कहा जाएगा, लेकिन यह परिवारवाद उससे भी अलग है. यह किसी राजनीतिक पार्टी पर उस दल के कार्यकर्ताओं की जगह एक परिवार की मिलकियत स्थापित करता है. भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति हाल में ही विकसित हुई है. 1970 के दशक से समाजवादी और गांधीवादी लोग नेहरू की वंशवादी राजनीति की आलोचना करते थे. नेहरू ने अपने होते अपनी पुत्री इंदिरा को प्रधानमंत्री नहीं बनाया था. हां, एक बार वह कांग्रेस अध्यक्ष जरूर बनी थीं. इसके लिए ही नेहरू को दोष दिया जाता है. यह आश्चर्यजनक है कि दोषारोपण करने वाले चरण सिंह, देवीलाल, मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद जैसों के परिवारजनों ने ही एक-एक पार्टी को अपनी मुट्ठी में आज लिया हुआ है. देवीलाल का पारिवारिक दल आज भले ही दिवालिया हो गया है, एक समय वह भी सशक्त था. दक्षिण भारत में पारिवारिक दलों का एक अलग सिलसिला है. इस तरह उत्तर से दक्षिण तक परिवारवादी राजनीति के उदाहरण आपको मिल जायेंगे.

सुप्रीमोवाद का संकट अलग से है. ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, बीजू पटनायक, अरविन्द केजरीवाल सरीखे अनेक नेता अपनी-अपनी पार्टी के सुप्रीमो हैं, जिनकी मर्जी ही पार्टी में सब कुछ है. कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी भी लगभग इस दायरे में आ गई है. प्रधानमंत्री मोदी की मर्जी ही भाजपा में सब कुछ है. यह वंशवाद, परिवारवाद और सुप्रीमोवाद क्यों उभरा? चीजें तब पैदा होती हैं, जब उनके लिए अनुकूलताएं बनती हैं. वर्षा होने के पहले उसके कारक और स्थितियां विकसित होती हैं. इसे कार्य-कारण संबंध कहते हैं. बहुत पहले मैंने बतलाया था कि सुप्रीमोवाद विकसित होने का मूल कारण दल-बदल विधेयक था. इस विधेयक को तब लाया गया था, जब कांग्रेस संसद में चार सौ पार की स्थिति में थी. उसे संभवतः इस बात का एहसास था कि यह हमारी वास्तविक नहीं, हवा के झोंके में आ गई ताकत है. भय था कि यह बिखर सकता है. बोफोर्स हंगामे के बाद इसकी सम्भावना हो भी सकती थी, यदि यह विधेयक न होता. यह विधेयक नहीं था तब, इंदिरा गांधी के दौर में कई दफा कांग्रेस और दूसरे दलों का विभाजन संभव हुआ था. राजनीति में अस्थिरता चाहे जितनी हो, जनतांत्रिक आवेग उन दिनों कम नहीं था. पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं के कोष्ठक में ही राजनीतिक दल होते थे. दल-बदल विधेयक ने पार्टी और कार्यकर्ताओं को धीरे-धीरे हासिए पर ला दिया और पार्टी का अध्यक्ष सुप्रीमो बनता चला गया. यह सुप्रीमो थोड़ा और अनैतिक होता है तो पार्टी परिवार की पार्टी बन जाती है. इसके साथ ही परिवारवाद का सिलसिला आरम्भ हो जाता है.

दरअसल सुप्रीमोवाद के दौर में ही दल के कार्यकर्त्ता धीरे-धीरे अपने राजनीतिक धर्म से विलग होने लगने हैं. गलत के विरुद्ध प्रश्न उठाना और प्रतिरोध करना राजनीति का मूल धर्म होता है. इसकी जगह जब नेता की प्रशस्ति आरम्भ हो जाती है, तब राजनीतिक कार्यकर्ता धीरे-धीरे प्रश्न उठाना और प्रतिरोध करना भूल प्रशस्ति का अभ्यस्त होने लगता है. उसके दल का नेता चाहता है कि वह विरोधी पार्टी के गलत-सही सभी कार्यक्रमों का विरोध करे, लेकिन अपने दल के गलत कामों पर चुप रहे. इसे दलानुशासन कहा जाता है. यह अनुशासन कार्यकर्ताओं को अंततः एक कीर्तनिया-मंडली बना कर छोड़ देता है. ऐसी कीर्तनिया-मंडली को एक पारिवारिक प्रॉपर्टी में तब्दील कर देना आसान हो जाता है. इसके कुछ लाभ भी हैं. वही लाभ जो निजी मिलकियत के होते हैं. पार्टी को चलाने की जिम्मेदारी एक परिवार की हो जाती है. जाति और धर्म की बुनियाद पर एक समर्थक मंडल मिल जाता है. प्रायः अपराधी गुंडे भी अपनी हिफाजत के लिए जाति और धर्म का सहारा लेते हैं और मिल भी जाते हैं. इन नेताओं को भी मिल जाते हैं. वास्तविक उद्देश्य केवल और केवल परिवार के लिए राजनीतिक शक्ति हासिल करना होता है, लेकिन कुछ मूल्यों के ताबीज ये जरूर धारण करते हैं. इन ताबीजों की आसमानी ताकत का इन्हें भरोसा होता है. लेकिन, दलों का आंतरिक लोकतंत्र ख़त्म हो जाता है. प्रतिरोध की आवाज कुंद हो जाती है. नतीजतन राजनीतिक दल एक कंपनी की तरह काम करने लगता है. ऐसी कोई कंपनी देश-समाज में जनतंत्र की हिफाजत कभी नहीं कर सकती. जनतंत्र के लिए जनतांत्रिक आवेग, राजनीतिक दल, विचार, नैतिकता और कार्यकर्ता जरूरी होते हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सद्बुद्धि

पुराने समय की बात है एक सेठ ने न्याति-भोज का आयोजन किया. न्याति भोज का अर्थ है जाति भोज. सभी गणमान्य और आमंत्रित अतिथि आ चुके थे, रसोई तैयार हो रही थी. भांति-भांति के व्यंजन बनाने में रसोइए पूरी तत्परता से लगे थे. भोजन के लिए आमंत्रित लोगों का आना शुरू हो गया. पूरे पंडाल में गहमागहमी थी. व्यवस्था के सहयोगी अपनी-अपनी जिम्मेदारी के साथ व्यस्त थे. सबको रसोइए की तरफ से भोजन तैयार होने की सूचना का इंतजार था. इतने में सेठ ने देखा कि भोजन पंडाल में एक तरफ एक बिल्ली मरी पडी थी. सेठ असमंजस में पड़ गया. उसने सोचा यह बात सभी को पता चली तो कोई भोजन ही ग्रहण नहीं कर पाएगा और सबकुछ किये धरे पर पानी फिर जाएगा. अब इस समय उसे बाहर फिंकवाने की व्यवस्था करना भी संभव न था. अतः सेठ ने पास पडी कढ़ाई उठा कर उस बिल्ली को ढ़क दिया. सेठ की इस प्रक्रिया को निकट खडे उनके पुत्र के अलावा किसी ने नहीं देखा. समारम्भ सफल रहा. कालान्तर में सेठ स्वर्ग सिधारे, उन्ही के पुण्यार्थ उनके पुत्र ने मृत्यु भोज का आयोजन किया. जब सब तैयारियों के साथ भोजन तैयार हो गया तो वह युवक इधर उधर कुछ खोजने लगा. लोगों ने पूछा कि क्या खोज रहे हो? तो उस युवक नें कहा – बाकी सभी नेग तो पूरे हो गए है बस एक मरी हुई बिल्ली मिल जाय तो कढ़ाई से ढक दूं. लोगों ने कहा - यहां मरी बिल्ली का क्या काम? युवक ने कहा – मेरे पिताजी ने अमुक जीमनवार में मरी बिल्ली को कढ़ाई से ढक रखा था. वह व्यवस्था हो जाय तो भोज समस्त रीति-नीति से सम्पन्न हो. लोगों को बात समझ में आ गई, उन्होंने कहा – 'तुम्हारे पिता तो समझदार थे. उन्होंने अवसर के अनुकूल जो उचित था किया पर तुम तो निरे बेवकूफ हो, जो बिना सोचे समझे, उसे दोहराना चाहते हो.' कई रूढियों और परम्पराओं का कुछ ऐसा ही है. बडों द्वारा परिस्थिति विशेष में समझदारी पूर्वक किए गए कार्यों को अगली पीढ़ी मूढ़ता से परम्परा के नाम पर निर्वाह करने लगती है और बिना सोचे समझे अविवेक पूर्वक प्रतीकों का अंधानुकरण करने लग जाती है. मात्र इसलिए - "क्योंकि मेरे बाप-दादा ने ऐसा किया था." कुरीतियां इसी प्रकार जन्म लेती है. कालान्तर से अंधानुकरण की मूर्खता ढकने के उद्देश्य से कारण और वैज्ञानिकता के कुतर्क गढ़े जाते हैं. फटे पर पैबंद की तरह, अंततः पैबंद स्वयं अपनी विचित्रता की कहानी कहते हैं.

85% गिग्स कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा नहीं

• श्रम

कुमारी वर्षा

20 से अधिक प्लेटफार्मों से जुड़े 5,000 से अधिक गिग श्रमिकों के गैर-लाभकारी सर्वेक्षण से पता चलता है कि ये पूर्णकालिक नौकरियां हैं. रिपोर्ट स्वास्थ्य, आय सुरक्षा और विनियमन की कमी के मुद्दों की ओर इशारा करती है. लगभग 85 प्रतिशत गिग श्रमिक, मुख्य रूप से 30-50 आयु वर्ग में, प्रतिदिन आठ या अधिक घंटे काम करते हैं, क्योंकि ये नौकरियां उनकी आय का मुख्य स्रोत हैं, न कि कोई अतिरिक्त काम. अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोगों के साथ काम करने वाली दिल्ली स्थित गैर-लाभकारी संस्था जनपहल द्वारा गुरुवार को.रिपोर्ट गिग कार्य को ₹प्लेटफ़ॉर्म-आधारित कार्य₹ के रूप में परिभाषित करती है और सर्वेक्षण में परिवहन, खाद्य वितरण और पैकेज वितरण क्षेत्रों में ऐसे श्रमिकों को देखा गया. सरकारी थिंक-टैंक नीति आयोग के अनुसार, 2020-21 में 77 लाख (7.7 मिलियन) कर्मचारी गिग इकॉनमी में लगे हुए थे और कार्यबल ₹2029-30 तक 2.35 करोड़ (23.5 मिलियन) श्रमिकों तक विस्तारित होने की उम्मीद है₹. जनपहल ने 20 से अधिक डिजिटल प्लेटफार्मों से जुड़े 5,220 गिग श्रमिकों का राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण पिछले साल 23 शहरों (टियर 1 से 3) में किया था, ताकि नौकरी के बारे में उनकी धारणा और उनके सामने आने वाले मुद्दों को समझा जा सके. सर्वेक्षण में शामिल कुल गिग श्रमिकों में से केवल 2.3 प्रतिशत महिलाएं थीं. लंबे समय तक काम करना, डिलीवरी लक्ष्य को पूरा करने की जल्दी, अधिक वजन उठाना, नियमित आय की कमी और स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा की कमी, ये सभी उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं. सर्वेक्षण, जिसका शीर्षक 'गिग वर्कर्स का सम्मान और अखंडता; मानवता और सेवा में विश्वास (अधिकार)' से यह तथ्य उजागर होता है. सर्वेक्षण रिपोर्ट सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, गिग श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आय से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए एक नियामक ढांचे की आवश्यकता पर जोर देती है. "हमने पाया कि 57 प्रतिशत लोग दो से पांच साल से काम कर रहे हैं. लोगों का एक बड़ा प्रतिशत, लगभग 80 प्रतिशत, जो पांच या अधिक वर्षों से काम कर रहे हैं, 31 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में हैं और लंबे समय तक काम करते हैं. इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि यह कोई छोटा-मोटा काम नहीं है - यह एक उचित काम है. लोग अपनी आजीविका के लिए इस पर निर्भर हैं और इसके लिए उनके पास लक्ष्य पूरा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है." रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका वंदना वासुदेवन ने दिल्ली में रिपोर्ट जारी करते हुए यह बात कही. सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल से अधिक समय से काम कर रहे 33 प्रतिशत गिग श्रमिक 41-50 आयु वर्ग में थे और 44 प्रतिशत 31-40 आयु वर्ग में थे. रिपोर्ट में कहा गया है, ₹न केवल पुराने कर्मचारी प्लेटफ़ॉर्म अर्थव्यवस्था में प्रवेश कर रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय तक रह भी रहे हैं, संभवतः इसलिए क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ अन्य नौकरियां ढूंढना कठिन हो गया है.₹ जनपहल के सह-लेखक और सदस्य मुहम्मद मुख्तार आलम ने बताया. "अब अधिक प्रतिस्पर्धा है, जिसके कारण गिग श्रमिकों की औसत मासिक आय 5-10 साल पहले की तुलना में कम है. वाहन ऋण, रखरखाव और ईंधन के लिए कटौती के बाद, ज्यादातर मामलों में हर महीने अर्जित शुद्ध आय लगभग 15,000-20,000 रुपये है. यह सुनिश्चित करने के लिए एक रूपरेखा बनाने की आवश्यकता है कि उन्हें न्यूनतम मजदूरी या मुनाफे में हिस्सा मिले," चूंकि यह अधिकांश गिग श्रमिकों के लिए आजीविका का मुख्य स्रोत है, उनके पास जिस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर वे काम करते हैं, उसकी आवश्यकताओं, विशेष रूप से वितरण लक्ष्यों को पूरा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. जनपहल सर्वेक्षण के अनुसार, श्रमिकों के एक बड़े प्रतिशत ने स्वीकार किया कि वे सामान या खाद्य पदार्थों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए सड़क पर तेज़ गति से चलते हैं. "लगभग 87 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि वितरण लक्ष्यों को पूरा करने में तेजी लाना मुख्य कारण था, जिससे उन्हें लगा कि नौकरी सुरक्षित नहीं है. हालांकि खाद्य वितरण कंपनियां बयान जारी करती हैं कि वे देरी के लिए अपने भागीदारों को दंडित नहीं करती हैं, लेकिन डिलीवरी कर्मचारी हमेशा तेज गति से काम करता है, क्योंकि वह देर होने का जोखिम नहीं उठा सकता है, रिपोर्ट में कहा गया है. श्रमिकों ने डिलीवरी के लिए बाहर रहने के दौरान अपनी सुरक्षा के बारे में भी चिंता व्यक्त की. रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान कार्य व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की कमी के साथ जुड़ी हुई है और उनके स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण को प्रभावित करती है.

> सर्वेक्षण में शामिल कुल गिग श्रमिकों में से केवल 2.3 प्रतिशत महिलाएं थीं. लंबे समय तक काम करना, डिलीवरी लक्ष्य को पूरा करने की जल्दी, अधिक वजन उठाना, नियमित आय की कमी और स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा की कमी, ये सभी उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं.

नए साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी की आत्मा!

• सामयिकी

दिलीप पटेल

मंगलवार, 12 मार्च 2024 को दांडी कूच दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अहमदाबाद में 'आश्रम भूमि वंदना' कार्यक्रम. यानी सादगी के प्रतीक गांधी के लिए 1246 करोड़ रुपये के नए गांधी आश्रम का उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2024 किया. सादगी के प्रतीक महात्मा की भूमि पर मोदी ने करोड़ों रुपये की लक्जरी परियोजना की नींव रखी, जो गांधी जी के सभी सिद्धांतों के विरुद्ध है. यह योजना गांधी की सरलता के विपरीत है. महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम पुनर्निर्माण परियोजना शुरू की गई, पर कई विवाद छोड गई. यह आश्रम देश और दुनिया के नेताओं की नीतियों, निर्णयों और गांधीजी की बातों के साथ-साथ गांधीजी के उच्च आदर्शों, मूल्यों और सरल जीवन का भी गवाह है. आश्रम भूमि वंदना के इस समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद रहे. गांधीजी सादगी में विश्वास करते थे और मानते थे कि उनका कोई स्मारक नहीं होना चाहिए. हालांकि, उनके शब्दों को कमजोर करते हुए मोदी ने 1200 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाया है. गांधीजी ने यह आश्रम हरिजन के उद्धार के लिए दे दिया था. मगर अब भाजपा सरकार का हो गया है. मोदी के आने से पहले यहां खादी भंडार नजर न आए, इसके लिए पर्दे लगा दिए गए हैं. बडे पोस्टर लगाए गए. खादी की दुकानों को ढक दिया गया है. यहां जिस बात को नजरअंदाज किया गया, वह यह था कि खादी गांधीजी का स्वरोजगार के लिए मुख्य लक्ष्य था. पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की समाधि अभय घाट के मैदान में मोदी के लिए एक आलीशान गुंबद बनाया गया था. इसे इतना बड़ा बनाया गया था कि इसमें छह हजार लोग बैठ सकते थे. दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के बाद गांधीजी ने 1917 में अहमदाबाद में साबरमती नदी के तट पर एक आश्रम की नींव रखी थी. यह स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख केंद्र था. अंग्रेजों के खिलाफ अहिंसक स्वतंत्रता आंदोलन की रणनीतियां बनाईं और देशवासियों को आजादी के लिए जागृत किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन में महात्मा गांधी के प्रति विशेष भावना और सम्मान है. ऐसा सरकार का दावा है. मोदी की तुलना गांधीजी से करते हुए सरकार का कहना है कि युद्ध के इस समय में शांति के पैरोकार के तौर पर प्रधानमंत्री के शब्द महात्मा गांधी की याद दिलाते हैं, भले ही वे किसानों के खिलाफ हिंसा कर रहे हों. प्रधान मंत्री ने साबरमती आश्रम के पुनर्निर्माण के लिए इस परियोजना की कल्पना की, ताकि लोग महात्मा गांधी के आदर्शों और सरल जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें. यह बात सरकार आधिकारिक तौर पर कह रही है. 55 एकड़ में फैली इस परियोजना का लक्ष्य साबरमती आश्रम और इसके आसपास विकास करके इसकी पहचान स्थापित करना है. ऐसा सरकार का कहना है, लेकिन आश्रम की पहचान 1917 यानी 106 साल पुरानी है. मुख्य आश्रम की सादगी और स्मारकों को बनाए रखते हुए 20 पुराने घरों का संरक्षण किया जाएगा, 13 घरों का नवीनीकरण किया जाएगा और 3 घरों का पुनर्विकास किया जाएगा. 46 घर और मकान हैं. विकास में 2.50 एकड़ जमीन पर बने हृदय कुंज, मगन निवास, मीरा कॉटेज, विनोबा भावे कुटीर, गेस्ट हाउस और 4 अन्य मकानों पर सरकार का कब्जा नहीं होना है, ऐसा गुजरात सरकार अदालत में बोल चुकी है. पुनर्विकास का कार्य संवेदनशीलता एवं भावुकता से भरपूर होगा. ऐसा सरकार का कहना है, लेकिन यहां कोई सहानुभूति नहीं दिखाई गई है, गांधीजी के समय से आश्रम में रहने वाले परिवारों के कई उत्तराधिकारियों को अन्याय, धमकी, जबरदस्ती और धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ा है. गांधी जी की विरासत, सादगी और विचारों की खुशबू आज भी यहां के कण-कण में मौजूद है. यहां अब सरकारी तानाशाही है. यहां कानून-कायदे तोड़े जाते हैं. आश्रम गांधीजी के उच्च आदर्शों, मूल्यों और सरल जीवन का गवाह रहा है. अब इन सभी को यहां आने की इजाजत नहीं है. सरकार ने अपना नया ट्रस्ट बनाकर अवैध तरीके से 12 ट्रस्टों के अधिकार छीन लिए हैं. अब सरकारी ट्रस्ट ने यहां अवैध तरीके से प्रवेश कर 95 संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है. प्रोजेक्ट में काम करने के दौरान आपीएस अधिकारी ने यहां कई लोगों को धमकाया और कहा कि मामलतदार जो भी पैसा दे, ले लेना. वरना और कुछ नहीं मिलेगा. यहां ऐसी बदमाशी की गई. इसलिए ज्यादातर लोग पैसे या फ्लैट लेकर जा चुके हैं.

> गांधीजी के समय से आश्रम में रहने वाले परिवारों के कई उत्तराधिकारियों को अन्याय, धमकी, जबरदस्ती और धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ा है. गांधी जी की विरासत, सादगी और विचारों की खुशबू आज भी यहां के कण-कण में मौजूद है. यहां अब सरकारी तानाशाही है. यहां कानून-कायदे तोड़े जाते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

वित्तीय जागरूकता का समय

भारतीय रिजर्व बैंक की एकीकृत लोकपाल योजना अपनी शुरुआत से ही उपभोक्ताओं के संरक्षण और विनियमित संस्थाओं को सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में लगातार काम कर रही है. बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, भुगतान प्रणाली के प्रतिभागियों और ऋण सूचना कंपनियों जैसी विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों के निपटान के लिए एकल खिड़की प्रणाली के निर्माण ने जटिलताओं को कम करने और शिकायतों के तेज निपटारे का मार्ग प्रशस्त किया. इस संदर्भ में रिजर्व बैंक की लोकपाल योजना पर 2022-23 की हालिया वार्षिक रिपोर्ट इस योजना का सही ढंग से आकलन करती है. रिपोर्ट के अनुसार लोकपाल कार्यालय को मिलने वाली शिकायतों में 2022-23 में एक वर्ष पहले की तुलना में 68.24 फीसदी का इजाफा हुआ. इस बढ़ोतरी का श्रेय सार्वजनिक जागरूकता अभियानों को दिया जा सकता है जिनमें एक महीने का देशव्यापी जागरूकता कार्यक्रम 'ऑम्बड्ज्मन स्पीक' शामिल है. इसके अलावा आरबीआई कहता है, प्रचार अभियान और शिकायत दायर करने की सरल प्रक्रिया भी इसका हिस्सा रही. यह इजाफा पिछले सालों की तुलना में बहुत अधिक रहा. शिकायतें भौगोलिक रूप से भी बंटी हुई थीं और अधिकांश शिकायतें महानगरों से हासिल हुईं. इसके बाद शहरी और कस्बाई केंद्र आए. बहरहाल आंकड़े बताते हैं कि शहरी, कस्बाई और ग्रामीण इलाकों से हासिल शिकायतें समय के साथ बढ़ती गई हैं जबकि महानगरीय क्षेत्रों से आने वाली शिकायतों में कमी आ रही है. इससे संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक के प्रयास संस्थागत कमियों या कम जानकारी वाले ग्राहकों के निर्णयों की दिक्कत दूर करने में कामयाब रहे. ये दिक्कतें वित्तीय संस्थानों और ग्राहकों के बीच असंगतता से उत्पन्न हुई हैं. शिकायतों के निपटान की अवधि में भी सुधार हुआ है. वित्त वर्ष 20 में इसमें 95 दिन का समय लगता था जबकि वित्त वर्ष 23 में यह अवधि घटकर 33 दिन हो गई. एक शिकायत के निपटान की औसत लागत भी कम हुई है. इस प्रकार लोकपाल योजना अधिक किफायती साबित हुई है. ज्यादातर शिकायतों को आपसी बातचीत से हल किया गया. वर्ष के दौरान 97.99 फीसदी की अच्छी निपटान दर के साथ 30 दिन से अधिक समय तक लंबित रही शिकायतों की संख्या वित्त वर्ष 22 के 0.26 फीसदी से कम होकर वित्त वर्ष 23 में 0.04 फीसदी रह गई. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

पर/पल

पल-पल दिल के पास तुम रहती हो..पल दो पल का साथ हमारा, पल दो पल के याराने हैं.मैं पल दो पल का शायर हूं, पल दो पल मेरी कहानी है. ऐसे अनेक फिल्मी गीत हैं, जिनमें पल शब्द का सुंदर प्रयोग मिलता है. यह बहु प्रचलित शब्द है और इसका प्रयोग दैनंदिन जीवन में खूब होता है और मजे की बात है कि इसके अर्थ या स्वरूप में कहीं कोई भ्रम भी नहीं होता. पल तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. विभिन्न शब्दकोशों के अनुसार पल शब्द का मतलब है समय की लघुतम इकाई, क्षण, दम, समय का एक अत्यंत प्राचीन विभाग, जो 24 सेकंड के बराबर होता है, घड़ी या दंड का 60वां भाग, 60 विपल के बराबर समयमान, चार तोले की एक माप, तेल आदि निकालने के लिए लोहे का डंडीदार पात्र, परी, पैरी, गति. पल से मिलता जुलता शब्द है पर. यह पल से भी अधिक प्रयोग में आनेवाला बहुअर्थी शब्द है. यह संस्कृत तत्सम भी है और फारसी मूल का भी. हिंदी में दोनों मूल के शब्दों को प्रयोग उनके विशिष्ट अर्थों के साथ होता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार संस्कृत मूल के 'पर' शब्द का अव्यय के रूप में अर्थ है परंतु, किंतु, लेकिन, मगर और पूर्व प्रत्यय के रूप में भिन्न, गैर, दूर, बाद या पीछे का अर्थ देनेवाला एक प्रत्यय, जैसे परलोक, परदेस, एक पीढ़ी पहले होने का द्योतक जैसे परदादा, परनाना, पर पुरुष, पर नारी, एक पीढ़ी बाद होने का द्योतक जैसे परनाती, परपोता. फारसी मूल के 'पर' शब्द संज्ञा पुल्लिंग है, जिसका मतलब है पंख, पक्ष, डैना. इससे कई मुहावरे भी प्रयोग में आते रहते हैं. जैसे पक्षी अपना पर फड़फड़ा रहा है यानी उड़ान भरने की कोशिश कर रहा है. अब वह ज्यादा उड़ नहीं सकता, क्योंकि उसके पर कतर दिये गये हैं. यहां 'पर कतरना' मुहावरे का अर्थ लाक्षणिक है, जो 'पर' के अभिधात्मक अर्थ से बिल्कुल भिन्न है.

टिकट नहीं मिलने पर नेताजी की शोकसभा

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

टेलीफोन पर जैसे ही नेताजी ने सुना, उधर से आवाज आई थी, "खबर बहुत बुरी है." सुनकर ही नेताजी समझ गए थे कि खबर क्या होगी, लेकिन फिर भी दिल कड़ा करके उन्होंने पूछ ही लिया, "क्या खबर है?" और उधर से उत्तर मिला, आपको टिकट नहीं मिला." सुनते ही नेताजी के सब्र का बांध टूट पड़ा. अबतक जिस पार्टी को वह न जाने किन-किन सुंदर विशेषताओं से पुकारते थे और अपने आपको केवल उसी का एक सिपाही मानते थे, क्षण भर में ही सारा नाता टूट गया. गुस्से में भरकर वह चीखने लगे, "बेईमान..दगाबाज...धोखेबाज...मेरे पच्चीस लाख रुपए मार लिए, टिकट फिर भी नहीं दिलवाया." पूरे कमरे में उनका विलाप गूंज रहा था. धीरे धीरे खबर फैली. शोक प्रकट करने वालों की लाइन लगने लगी. नेताजी गुस्से में थे. कह रहे थे, "पार्टी छोड़ दूंगा. अब टिकट कहीं और से लिया जाएगा. हम भी अपनी ताकत दिखा देंगे. जनता के बीच हमारी लोकप्रियता सबको पता चल जाएगी." चमचे कह रहे थे "साहब! आपको पार्टी की जरूरत नहीं है. आप तो जिस पार्टी से खड़े हो जाएंगे, जीत जाएंगे." नेताजी ने इसी बीच कई जगह फोन मिला डाले. हर जगह उनका एक ही कहना था, "हम चुनाव लड़ेंगे. टिकट का इंतजाम करो." सब जगह जवाब में क्या आया यह तो पता नहीं चल रहा था, लेकिन हां, नेताजी का गुस्सा बढ़ता जा रहा था. धीरे धीरे एक घंटा बीता. नेताजी का गुस्सा अब थोड़ा कम था, लेकिन दुःख चेहरे से टपक रहा था. फिर शोक सभा शुरू हुई. शोक सभा माने टिकट के न रहने पर उसकी स्मृति में आयोजित सभा. इसमें नेता जी के कुछ खास चमचे शामिल हुए. नेताजी दुखी होकर सिर लटकाए बैठे थे. चमचे उनके सामने और आसपास में घेरे खड़े थे. नेताजी बोले "सब कुछ खत्म हो गया. टिकट हमें छोड़ कर चला गया." चमचे बड़ी मुश्किल से अपनी हंसी रोक पाए. ऊपर से दुखी होने का नाटक करते हुए कहने लगे, "हुकम सरकार! ईंट से ईंट बजा देंगे." नेताजी तब तक स्थिति को समझ चुके थे. कहने लगे "ठीक है, ठीक है ! बैठ जाओ." फिर इधर-उधर की बातें हुईं. किस पार्टी का टिकट मिलेगा, किसका नहीं मिल सकता... इस पर चर्चा हुई. निर्दलीय चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया. आखिर में नेताजी ने चमचों के सामने वार्तालाप का निष्कर्ष निकालकर कहा, "मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं. पार्टी का जो भी निर्णय है, वह मुझे स्वीकार है. हम चुनाव तन मन धन से, जिसको टिकट मिला है, उसी को लड़ाएंगे." बाद में एक चमचे के कान में फुसफुसाए "हराना है, बुरी तरह से हराना है." जिसके कान में नेताजी फुसफुसाए थे, उसने दूसरे के कान में यही शब्द फुसफुसाए और फिर धीरे-धीरे सभी चमचों को इसका पता चल गया.

इन दिनों चर्चा में है पहला एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर डेविन जो पलक झपकते ही किसी वेबसाइट को तैयार कर सकता है. यह किसी एप को भी डेवलप कर सकता है.. आइए मिले डेविन से और जाने कि क्या है इसका दमखम, क्या है फायदे और कहां यह इंसानों के लिए हो सकता खतरनाक...

मिलिए, ये हैं दुनिया के पहले

एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर

चैटजीपीटी, मिडजर्नी जैसे कई एआई टूल्स के बाद अब चर्चा में है डेविन एआई. इस एआई सॉफ्टवेयर को अमेरिका की कॉग्निशन लैब्स नाम के स्टार्टअप ने बनाया है. कॉग्निशन कंपनी का दावा है.- यह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की तरह कॉम्प्लेक्स कोडिंग कर सकता है. डेविन ने खुद के दम पर, यानी किसी मानव सहायता के बिना 13.86 % समस्याओं को ठीक कर दिया. वही बाकी बड़े बड़े एआई टूल्स काफी पीछे थे. इस मामले में दूसरे एआई टूल्स काफी पीछे थे. उदाहरण के तौर पर जीपीटी-4 का स्कोर इस मामले में मात्र 1.74% था, वहीं क्लाउड 4.8% केसेस ही हल कर पाया.

पास कर लिया इंटरव्यू

निर्माता स्टार्टअप कंपनी कॉग्निशन लैब्स की माने तो डेविन दुनिया का पहला एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर है जो बिना माथे पर शिकन लाए, बिना थके लगातार कोडिंग, वेबसाइट और कोडिंग प्रोगामर के बहुत से कामों को आसानी से कर सकता है. हाड़मांस के इंसानी इंजीनियर की मदद कर सकता है. हालांकि जरूरत पड़ने पर यह पूरे प्रोग्राम का काम भी अकेले कर सकेगा. इतना ही नहीं, एक काबिल सॉफ्टवेयर इंजीनियर की तरह इसने अपनी क्षमता को प्रोफेशनल स्तर पर साबित भी किया है. दरअसल अमेरिका की एक जानी बड़ी कंपनी से डेविन से इंजीनियरिंग का इंटरव्यू लिया जिसमें यह धड़ल्ले से पास हो गया.

क्या-क्या कर सकता है डेविन

यह एआई सॉफ्टवेयर इंजीनयर कई एडवांस फीचर्स के साथ आता है और यह कई मुश्किल टास्क को सॉल्व भी कर सकता है. यह सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में कोडिंग, डिबगिंग जैसे कामों को कर सकता है. डेविन में मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म का इस्तेमाल किया है, जिसकी वजह से यह लगातार सीखता है और अपनी परफोर्समेंस को बेहतर करता चला जाता है. यह पलक झपकते ही किसी वेबसाइट को तैयार कर सकता है. यह किसी एप को भी डेवलप कर सकता है. किसी साइट की खामी को चुटकियों में दूर कर सकता है. इतना ही नहीं खुद ही किसी एआई टूल को भी डेवलप कर सकता है और यह किसी एआई टूल को ट्रेनिंग भी दे सकता है. डेविन एक डेवलपर्स लेकर एक ब्राउजर तक है. इसमें इनबिल्ट कोड एडिटर है जिसमें यह एआई टूल कोड लिखता है. इसके अलावा ऑटोमैटिक बग भी फिक्स कर सकता है. निर्माता कंपनी का दावा है कि यह बिल्कुल किसी इंसानी सॉफ्टवेयर इंजीनियर की तरह नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक प्रभावशाली और पारंग है. कॉग्निशन लैब्स के फाउंडर स्कॉट वू ने एक पोस्ट के जरिए सूचना दी कि कैसे इस एआई की एफिशिएंसी बाकियों से बेहतर है. उन्होंने सारे बड़े बड़े कोडिंग प्लेटफॉर्म्स की तुलना डिवाइन एआई से की.

क्या इंसानों की नौकरियां खाएगा?

प्रोफेशनल दुनिया में एआई का हौव्वा लंबे समय से है कि क्या यह हमारी नौकरियां खा लेगा. हाल के दिनों में हमने एआई न्यूजरीडर, एआई टीचर, एआई मॉडल आदि देखा है. इसी कड़ी में अब एआई इंजीनियर डेविन भी लॉन्च हो गया है जिसके किसी भी आम सॉफ्टवेयर इंजीनियर से कहीं अधिक दमखम और स्वतंत्रता से काम में माहिर होने का दावा किया जा रहा है. कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानों की जगह नहीं लेंगे, बल्कि एआई के आने के कारण काम करने का तरीका बदल जाएगा, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि एआई इंसानों की जगह ले रहे हैं.

फूजीयामा क्लासिक ईवी स्कूटी

कम कीमत में दमदार फीचर्स

लाख रुपए से कम का ई-स्कूटर चाहते हैं तो आपके सामने एक नया विकल्प आया है. इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी फूजीयामा ईवी ने भारतीय बाजार में अपना हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर फूजीयामा क्लासिक लॉन्च किया है. 80 हजार रुपए कीमत की इस स्कूटी के बारे में कंपनी का दावा है कि यह शानदार रेंज और फीचर्स से लेस है.

भारतीय बाजार के रूख से ईवी कंपनियां उत्साहित हैं. इन दिनों खासतौर पर एक लाख रुपये से सस्ते इलेक्ट्रिक स्कूटर की खूब मांग है. हर महीने बंपर बिक्री से उत्साहित ईवी कंपनियां एक से बढ़कर एक नए प्रोडक्ट ला रही है. इसी कड़ी में फूजीयामा ईवी ने अपना नया स्कूटर क्लासिक लॉन्च किया है. कंपनी का दावा है कि यह न केवल हाई स्पीड रखती है, बल्कि एक बार चार्ज कराने पर 110 किलोमीटर तक फर्राटे से दौड़ेगी.

लुक और डिजाइन

फूजीयामा क्लासिक इलेक्ट्रिक स्कूटर को लाइट वेट स्पोर्ट्स फ्रेम पर बनाया गया है, जिसमें रियर व्हील में पावरफुल हब मोटर लगा है. इसमें एलईडी लाइट्स और इंटिग्रेटेड डीआरएल, स्पोर्ट्स डिकेल्स के साथ डुअल टोन कलर्स, बाय-ट्यूबलर सस्पेंशन, 12 इंच के ट्यूबलेस टायर्स समेत लुक व डिजाइन के और भी कई फीचर्स हैं.

फीचर्स, पावर और रेंज

फूजीयामा क्लासिक इलेक्ट्रिक स्कूटर में कैन कनेक्टिविटी के साथ डिजिटल स्पीडोमीटर लगा है. इसमें 2.05 किलो की आईओटी-एनेबल्ड लिथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरी लगी है. कंपनी का दावा है कि इसे एक बार फुल चार्ज करने पर 110 किलोमीटर तक स्कूटी को धड़ल्ले से चलाया जा सकता है. बता दें कि इसकी बैटरी को एक बार फुल चार्ज होने में करीब चार घंटे का समय लगता है. फूजीयामा क्लासिक 3000 वॉट पीक पावर मोटर से चलता है और इसकी टॉप स्पीड 60 किलोमीटर प्रति घंटे की है.

हमारी आश्वस्ति, हमारा गौरव है मिशन दिव्यास्त्र

तीन ठिकानों पर साधेगा निशाना

भारत के पास अब मिशन दिव्यास्त्र की ताकत है. दरअसल यह मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री तकनीक वाली अग्नि-5 मिसाइल है. इससे एक साथ कई सौ किलोमीटर में फैले तीन लक्ष्यों पर निशाना साधा जा सकता है. उदाहरण से समझिए तो यह मिसाइल चीन के उत्तरी हिस्से के साथ-साथ यूरोप के कुछ क्षेत्रों सहित लगभग पूरे एशिया को अपनी मारक सीमा के तहत ला सकती है. भारत की मिसाइल टेक्नोलॉजी को एडवांस करने वाली इस टेक्नोलॉजी में सेंसर पैकेज के साथ 1.5 टन तक न्यूक्लियर हथियार ले जाने की क्षमता है. बहरहाल भारत ने मिशन दिव्यास्त्र का एक नहीं, बल्कि कई बार सफल परीक्षण कर लिया है. इन प्रशिक्षणों के आधार पर हम कह सकते हैं कि डीआरडीओ सहित भारतीय वैज्ञानिकों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और मेहनत से देशवासियों को आश्वस्त और गौरवान्वित किया है. आइए हम संक्षिप्त में मिशन दिव्यास्त्र की अन्य खासियत के बारे में जानकारी हासिल करें-

1. इस मिसाइल को ट्रक पर लोड करके किसी भी स्थान पर पहुंचाया जा सकता है.
2. एमआईआरवी तकनीक यानी मिसाइल की नाक पर दो से 10 हथियार लगाए जा सकते हैं.
3. इसके ऊपर 1500 किलोग्राम वजन का परमाणु हथियार लगा सकते हैं.
4. इस मिसाइल में तीन स्टेज के रॉकेट बूस्टर हैं जो सॉलिड फ्यूल से उड़ते हैं.
5. आवाज की गति से करीब 24 गुना तेज है मिशन दिव्यास्त्र. एक सेकेंड में 8.16 किलोमीटर की दूरी तय करती है.
6. अग्नि-5 मिसाइल 29,401 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दुश्मन पर हमला करती है.
7. इसमें रिंग लेजर गाइरोस्कोप इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम, जीपीएस, एनएवीएलसी सैटेलाइट गाइडेंस सिस्टम लगा हुआ है.
8. अग्नि-5 मिसाइल टारगेट पर सटीकता से हमला करता है.
9. अगर टारगेट अपनी जगह से हटकर 10 से 80 मीटर तक भी जाता है तो उसका बचना मुश्किल है.
10. अग्नि-5 मिसाइल का वजन 50 हजार किलोग्राम है. यह 17.5 मीटर लंबी है. इसका व्यास 2 मीटर यानी 6.7 फीट है.

शीना रानी हैं मिशन दिव्यास्त्र प्रोजेक्ट की लीडर

मिशन दिव्यास्त्र परियोजना का नेतृत्व शीना रानी ने किया है, जो 1999 से अग्नि मिसाइल सिस्टम पर काम कर रही हैं. इस पूरे प्रोजेक्ट को शीना रानी ने ही लीड किया है. बकौल शीना रानी, मैं डीआरडीओ की एक गौरवान्वित सदस्य हूं जो भारत की रक्षा में मदद करती है. रानी ने कहा कि वह भारत की प्रसिद्ध मिसाइल प्रौद्योगिकीविद् 'अग्नि पुत्री' टेसी थॉमस के नक्शेकदम पर चलती हैं, जिन्होंने अग्नि श्रृंखला की मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

लेक्सस एलएम कार है या सड़कों पर दौड़ता आपका बेडरूम!

वातानुकूलित बेडरूम में बेड के हेडर्स पर बड़ा सा पिलो टिका कर उसमें अपने सिर को धंसाना और सामने 48 इंच के टीवी पर मनपसंद दृश्य देखना. हाथ की पहुंच में फ्रिज और उसमें रखा खाने-पीने का सामान, पास में ही पसंदीदा किताबें, मोबाइल चार्जर, रीडिंग लाइट्स, वेनिटी मिररसुकून की परिभाषा इन दिनों शायद यही है. यह अगर सड़कों पर चलते व्हील्स के साथ उपलब्ध हो तो क्या कहने! जी हां, यही सुविधा अब भारत की सड़कों पर आपको उपलब्ध होगी, बस जेब थोड़ी अधिक ढीली करनी होगी. जी हां, लेक्सस इंडिया ने भारत में अपनी एलएम 350एच लक्ज़री एमपीवी को 2 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है. 4-सीटर लाउंज पैकेज के साथ रेंज-टॉपिंग वेरिएंट की कीमत 2.50 करोड़ रुपये है. आकर्षक लुक, एडवांस फीचर्स और एक से बढ़कर एक सुविधाओं से लैस ये कार देश की सबसे महंगी और लग्ज़री एमपीवी है. ये कार अपने सिबलिंग टोयोटा वेलफायर से आगे निकल गई है, जिसकी कीमत 1.2 करोड़ रुपये से शुरू होती है. तो आइये जाने इस कार में क्या ख़ास है-

ऐसा है डिजाइन

लेक्सस एलएम के फ्रंट में एक बड़ा ओवरसाइज़्ड ग्रिल दिया गया है, जो कि स्लिक एलईडी हेडलैंप और स्टायलिश वर्टिकल फॉगलैंप हाउजिंग से कनेक्टेड है. स्लोपी बोनट, बड़ा ग्रिल और फ्रंट विंडशिल्ड इस एमपीवी की प्रेजेंस को और भव्य बनाता है. ग्रिल में हेक्सागोनल डिज़ाइन दिया गया है और फॉग लैंप के हाउजिंग को सैटिन सिल्वर फीनिश मिलता है. कार की लंबाई 5,130 मिमी और चौड़ाई 1,890 मिमी है. इसकी ऊंचाई1,945 मिमी है. इसका व्हीलबेस 3,000 मिमी का है.

सीटिंग ले-आउट और कॉन्फ़िगरेशन

यह कार दो विकल्पों में मिलेगी. पहली फोर सीटर जिसमें आपको केबिन के भी अधिक स्पेस मिलेगा. इसके केबिन को आप वैसे ही सजा सकते हैं जैसे अपने घर के लिविंग रूम, बेडरुम आदि को. दूसरा विकल्प सेवेन सीटर कार का है. इसमें लग्ज़री एमपीवी में एक पैनल ग्लॉस भी दिया गया है, जिसका इस्तेमाल प्राइवेसी के लिए पार्टिशन के तौर पर किया जा सकता है. यात्रा के दौरान आगे और पीछे के केबिन सेक्शन को बिल्कुल अलग रूम के तर्ज पर बांटा जा सकता है. मतलब अगर आप टीवी पर कुछ मनपसंद देख रहे, अपना मेकअप कर रहे या यूं ही अधलेटे से कोई मैग्जीन पढ़ रहे तो ड्राइविंग सीट पर बैठा कोई भनक नहीं ले पाएगा. भरपूर प्राइवेसी मिलेगी. लेक्सस एलएम में कंपनी ने स्पेस और कम्फर्ट का पूरा ख्याल रखा है. इसका 3000 मिमी का व्हीलबेस कार के केबिन को बड़ा बनाने में अहम भूमिका निभाता है. इसके पिछली सीट पर बैठने वाले यात्री को पर्याप्त मात्रा में हेड रूम और लेग रूम मिलता है. इस लग्ज़री एमपीवी के फ्रंट 17 इंच और पिछले हिस्से में 19 इंच का अलॉय व्हील दिया गया है.

टीवी...फ्रिज और यह सब कुछ

इसके केबिन में 48 इंच का बड़ा टेलिविजन, सराउंड साउंड सिस्टम के साथ 23 स्पीकर और पिलो स्टाइल हेडरेस्ट दिया गया है. कंपनी के यात्री के कम्फर्ट का पूरा ख्याल रखा है. इसके अलावा छोटा फ्रिज, फोल्डेबल टेबल, छाता रखने के लिए अम्ब्रेला होल्डर, हीटेड आर्मरेस्ट, कई अलग-अलग यूएसबी पोर्ट, वायरलेस फोन चार्जर, किताब इत्यादि पढ़ने के लिए रीडिंग लाइट्स, वेनिटी मिरर इत्यादि जैसे फीचर्स मिलते हैं.

वॉयस कंट्रोल सिस्टम

लेक्सस एलएम में कंपनी ने नया वॉयस कंट्रोल सिस्टम भी दिया है जिसको लेकर कंपनी का दावा है कि, ये अपने आप में दुनिया का अनोखा वॉयस कंट्रोल सिस्टम है जो कार के भीतर पीछे बैठे यात्रियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है. पीछे बैठने वाले यात्री के लिए एक अलग से स्मार्टफोन स्टाइल कंट्रोल पैनल, क्लाइमेट कंट्रोल, सीट फंक्शन, इंटीरियर लाइटिंग इत्यादि को ऑपरेट करने की सुविधाएं दी गई हैं.

सेफ्टी फीचर्स

इस कार में एक डिजिटल रियर-व्यू मिरर, एक पैनोरमिक-व्यू मॉनिटर, एक डिजिटल इंफोटेनमेंट सिस्टम और एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंट सिस्टम दिया गया है. इसके अलावा प्री-क्रैश सेफ्टी, डायनेमिक रडार क्रूज़ कंट्रोल, लेन डिपार्चर अलर्ट, प्रोएक्टिव ड्राइविंग असिस्ट और एडवांस ड्राइवर रिस्पांस सिस्टम सहित कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स से लैस है. इसके अलावा यह कार रिमोट फ़ंक्शन के साथ एडवांस्ड पार्क और ट्रैफिक जाम सपोर्ट के साथ आती है.

पर्सनल सनरूफ कम शोर करने वाले व्हील और टायर और एक्टिव नॉइस कंट्रोल सिस्टम कार की खासियत है, जो कि ड्राइविंग के दौरान माइक्रोफोन के माध्यम से डिटेक्ट की जाने वाली आवाज को कम कर देता है. इस कार में दो अलग-अलग सनरूफ मिलते हैं, जो कि कार के छत के उपर साइड्स में दिए गए हैं. यानी कि पिछली सीट पर बैठने वाले दोनों यात्री को पर्सनल सनरूफ का अहसास देगा.

पावर और परफॉर्मेंस

ग्लोबल मार्केट में ये एमपीवी दो अलग-अलग पावर ट्रेन और वेरिएंट में उपलब्ध है. एलएम 350h में कंपनी ने 2.5 लीटर की क्षमता का 4-सिलिंडर युक्त सेल्फ चार्जिंग हाइब्रिड इंजन का इस्तेमाल किया है. जो कि 250एचपी की दमदार पावर और 239एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है. इसके अलावा एक कार एक पावरफुल वर्जन भी है जो कि 2.4 लीटर टर्बो-हाइब्रिड इंजन से लैस है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एफए कप फुटबॉल: अतिरिक्त समय का खेल खत्म होने से ठीक पहले अमद के गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को अंतिम चार में पहुंचा दिया

लीवरपूल को हराकर कर सेमीफाइनल में पहुंचा मैनचेस्टर यूनाइटेड...

भाषा । मैनचेस्टर

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अतिरिक्त समय तक चले एफए कप फुटबॉल क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में रविवार को यहां लीवरपूल को 4-3 से शिकस्त दी. नियमित समय में यह मुकाबला 2-2 की बराबरी पर था. स्थानापन्न खिलाड़ी अमद डियालो ने आखिरी क्षणों में गोल कर कोच एरिक टेन हैग की टीम को यादगार जीत दिला दी.

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने मैच के अहम पलों में गोलकर शानदार वापसी की. मैच के 86वें मिनट में टीम 2-1 से पिछड़ रही थी और उस पर हार का खतरा मंडरा रहा था. एंटोनी ने 87वें मिनट में गोल कर स्कोर को 2-2 से बराबर किया जिससे मुकाबला अतिरिक्त समय में खिंचा. हार्वी एलियट ने 105वें मिनट में फिर से लीवरपूल को 3-2 की बढ़त दिला दी लेकिन इसके सात मिनट बाद मार्कस रदरफोर्ड के गोल से स्कोर बराबर हो गया. अतिरिक्त समय का खेल खत्म होने से ठीक पहले अमद के गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को अंतिम चार में पहुंचा दिया. इससे पहले स्कॉट मैकटोमिने ने 10वें मिनट में मैनचेस्टर यूनाइटेड का खाता खोला था. लीवरपूल की टीम ने एलेक्सिस मैक्स एलिस्टर और मोहम्मद सालाह के गोल से मध्यांतर से पहले 2-1 की बढ़त बना ली थी. सेमीफाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के सामने कोवेंट्री की चुनौती होगी. अंतिम आठ के एक अन्य मैच में चेल्सी ने स्टॉपेज समय में दो गोल के दम पर लिस्टर सिटी को 4-2 से शिकस्त दी. मार्क कुकुरेला और कोल पामर के गोल से चेल्सी ने पहले हाफ में 2-0 की बढ़त बना ली थी. एक्सल डिसासी के आत्मघाती गोल से मैच में लिस्टर सिटी की वापसी हुई और फिर स्टेफे माविदिदि ने 62वें मिनट गोल दाग स्कोर बराबर कर दिया. यह मुकाबल जब अतिरिक्त समय में खिचने की ओर बढ़ रहा था तब कार्नी चुक्वुएमेका (90 2 मिनट) के गोल से चेल्सी ने बढ़त हासिल की जबकि इसके छह मिनट बाद नोनी मादुके टीम की बढ़त को 4-2 कर दिया. चेल्सी को सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी का सामना करना है.

मुकाबला जोरदार

- 4-3 से मैनचेस्टर ने लीवरपुल को शिकस्त दी
- 10वें मिनट में मैनचेस्टर यूनाइटेड का खाता खुला
- 87वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर हो गया

पीसीबी: इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वॉटसन ने इनकार कर दिया था

सैमी ने कोच बनने से किया इनकार

भाषा । मुंबई

खेल में कामयाबी मिलने के बाद और खेल से बाहर निकलने के बाद खिलाड़ी की कोशिश किसी टीम का कोच बनकर खेल में बने रहने की होती है. इसके लिए कई खिलाड़ी प्रयास करते हैं. खासकर क्रिकेट में खिलाड़ियों की नजर किसी न किसी देश पर होती है. लेकिन आज पाकिस्तान के मामले में कुछ उल्टा ही हो रहा है. पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए टीम को हेड कोच की जरुरत है. लेकिन एक के बाद एक कर खिलाड़ी इस पद को ठुकराते जा रहे हैं.

पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वॉटसन ने कोच बनने से इनकार किया, वहीं अब वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने इनकार कर दिया है. बता दें कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं. आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2 जून से 29 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए में खेला जाना है. इस टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान टीम की मुश्किलें बढ़ गईं हैं. दरअसल पाकिस्तान टीम को अब तक नया हेड कोच नहीं मिल सका है. मोहम्मद हफीज ने ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के पिछले दौरे पर क्रिकेट निदेशक के साथ-साथ पाकिस्तान टीम के अंतरिम कोच की जिम्मेदारी निभाई थी.

अब डरैन सैमी ने पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनने से पीछे हट गए. सैमी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सीमित ओवर्स क्रिकेट में टीम का हेड कोच बनाना था. सैमी ने पीसीबी को बताया कि वह पहले से ही वेस्टइंडीज बोर्ड के साथ सीमित ओवर्स की टीम के मुख्य कोच के रूप में अनुबंधित हैं. सैमी की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने 2012 और 2016 का टी20 वर्ल्ड कप जीता था. सैमी के इनकार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ 14 अप्रैल से शुरू होने वाली पांच मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के लिए किसी घरेलू कोच को अंतरिम तौर पर नियुक्त कर सकता है.

तलाश जारी

- सैमी की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने टी20 वर्ल्ड कप जीता था
- पाक को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलना है

पीसीबी वॉटसन को दो मिलियन डॉलर देना तैयार हुआ था

वॉटसन ने शुरू में दिलचस्पी दिखाई थी

बताया जाता है कि वॉटसन ने शुरू में दिलचस्पी दिखाई थी और प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए कुछ वित्तीय और अन्य शर्तें रखी थीं. बोर्ड ने वॉटसन की वित्तीय मांगों को कमोबेश स्वीकार कर लिया था. यह पूर्व खिलाड़ी इस बात से खुश नहीं था कि उसके प्रस्तावित पैकेज का विवरण पाकिस्तान मीडिया और सोशल मीडिया में लीक हो गया. पीसीबी शेन वॉटसन को दो मिलियन डॉलर (लगभग 16.57 करोड़ रुपये) सालाना देने के लिए तैयार हो गया था. वॉटसन ने विनम्रतापूर्वक इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग और मेजर क्रिकेट लीग में अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहते हैं. वॉटसन ने आईपीएल में कमेंट्री डील की हुई है. इसके साथ ही वह सिडनी में अपने परिवार को अधिक समय देना चाहते हैं. बताया जाता है कि इनके इनकार के बाद पीसीबी द्वारा अब स्थानीय कोच की टीम कैंप और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए अंतरिम रूप से तैयार की जाएगी. ऐसे में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी के पास एकमात्र यही विकल्प उपलब्ध है. नकवी ने स्पष्ट किया कि वो राष्ट्रीय टीम के लिए लंबे समय के लिए विदेशी कोच की नियुक्ति करना चाहते हैं, जो वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 वर्ल्ड कप व अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में साथ हो. सूत्र ने कहा कि पूर्व पाकिस्तानी कप्तानी यूनिस खान, मोहम्मद युसूफ, इंजमाम उल हक और मोईन खान के नाम पर विचार किया जा सकता है, यानी अब पीसीबी की नजर घरेलू क्रिकेटरों पर होगी, जो अपनी सेवा दे सकेंगे.

भारत ने पोलिश ग्रां प्री में छह पदक जीते

भाषा । नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता शूटर अखिल श्योराण और अनीश भानवाला ने स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाले. जिससे भारत ने पोलिश ग्रां प्री में अपना अभियान छह पदक से समाप्त किया. श्योराण ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन मैच 2 में 468.4 के रिकॉर्ड स्कोर से स्वर्ण पदक जीता. चेक गणराज्य के पैट्रिक जानी उनसे 2.2 अंक पीछे ग्रां प्री ब्रोक्लाविया एवं डोलनेगो स्लास्का में दूसरे स्थान पर रहे. इन दोनों निशानेबाजों के स्कोर मौजूदा 466.1 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर से बड़े रहे जो चेक गणराज्य के जिरी प्राइव्रातस्की के नाम था.

भानवाला ने इस प्रतियोगिता के साथ ही आयोजित की गयी जोजेफ जापेदज्की ग्रां प्री में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया. भारत की 50 मीटर राइफल और 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम के कुछ सदस्य इस समय यूरोप के अभ्यास दौरे पर हैं जिसमें वे पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे. भारतीय नौसेना के निशानेबाज नीरज कुमार ने भी प्रभावित किया. वह पुरुषों की राइफल थ्री पी के दोनों मैच में दो कांस्य पदक जीतने में सफल रहे. इससे वह दो पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय बने.

आईपीएल-2024

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क पहुंचे भारत

भाषा । नयी दिल्ली

आईपीएल 2024 के सबसे महंगे खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मिलेच स्टार्क भारत पहुंच गए. स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑक्शन में 24.75 रुपये की भारी कीमत देकर खरीदा था. इसके साथ वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे. स्टार्क इससे पहले भी इंडियन प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं, लेकिन तब वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा थे. अब नौ साल बाद टूर्नामेंट में उनकी वापसी हो रही है. स्टार्क ने आखिरी आईपीएल मुकाबला 2015 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेला था, जो उस सीजन का दूसरा क्वालिफायर था. उस मैच में स्टार्क ने 4 ओवर में 27 रन खर्च कर 1 विकेट झटका था. अब इस सीजन ऑस्ट्रेलियाई पेसर पर सभी की नज़रें रहेंगी, क्योंकि वह लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं. देखना दिलचस्प होगा कि क्या स्टार्क आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए खेलते हुए अपना प्राइज टैग ज स्टि फ ई क र प ात हैं या नहीं. वहीं स्टार्क जब भारत पहुंचे तो उनके चेहरे खिल रहे थे, जिससे पता चलता है कि वह टूर्नामेंट के लिए कितने उत्साहित हैं. इस दौरान स्टार्क हाफ ब्लैक टी-शर्ट में नज़र आए. बता दें कि स्टार्क ने 2014 के सीज़न में आईपीएल डेब्यू किया था. उन्होंने 2014 और 2015 दो साल तक रॉयल चैलेंजर्स बेगलुरु के लिए खेला था. इस दौरान उन्होंने 27 मुकाबले खेले, जिनकी 26 पारियों में बॉलिंग करते हुए 20.38 की औसत से 34 विकेट झटके थे. इस दौरान स्टार्क ने 7.17 की इकॉनमी से रन दिये थे. टूर्नामेंट में स्टार्क का बेस्ट बॉलिंग फिगर 4/15 का रहा है. इसके अलावा 12 पारियों में बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 96 रन बनाए, जिसमें हाई स्कोर 29 रनों का रहा. अब देखना दिलचस्प होगा कि इस सीज़न स्टार्क कैसा प्रदर्शन करते हैं. इस सीजन में लोग स्टार्क से उसी तरह की प्रदर्शन की उम्मीद लगाए हैं, जो पहले कर चुके हैं.

डब्ल्यूएफआई ने जिम्मा संभाला

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निलंबन हटाने और उसे पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण मिलने के बाद कुश्ती की तदर्थ समिति को भंग कर दिया. आईओए ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ के निलंबन रद्द होने के बाद खेल के संचालन के लिए तदर्थ समिति की कोई जरूरत नहीं है.

आईओए ने कहा कि तदर्थ समिति ने डब्ल्यूएफआई के सहयोग से अगले महीने के ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल का सफल आयोजन कर लिया है. खेल मंत्रालय ने दिसंबर में डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर तदर्थ समिति का गठन किया था. उनका यह दांव हालांकि उस समय

उलटा पड़ गया जब इस खेल की वैश्विक संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू (यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) ने फरवरी में डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटा दिया. आईओए ने 10 मार्च को जारी आदेश में कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर तदर्थ समिति को भंग करने का निर्णय यूडब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे प्रतिबंध को हटाने और आईओए द्वारा नियुक्त समिति द्वारा चयन ट्रायल के सफल समापन को देखते हुए लिया गया है. डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने राष्ट्रीय महासंघ के संचालन का जिम्मा देने के लिए आईओए का शुक्रिया किया.

उन्होंने कहा कि हम डब्ल्यूएफआई का पूर्ण नियंत्रण देने के लिए आईओए को धन्यवाद देते हैं. हम पहलवानों को सारी सुविधाएं देंगे. हम जल्द ही राष्ट्रीय शिविर आयोजित करेंगे और अगर पहलवान विदेश में अभ्यास करना चाहते हैं तो हम यह सुविधा भी देंगे. अब पूरा ध्यान ओलंपिक पर है. हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमारे पांच-छह पहलवान क्वालिफाई करेंगे.

बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 3-0 से हराया

मैड्रिड । बार्सीलोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग ला लीगा में एटलेटिको मैड्रिड को 3-0 से हरा दिया. जोओ फेलिक्स, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और फर्मिन लोपेज ने बार्सीलोना के लिए गोल दागे. जिससे यह टीम एटलेटिको के खिलाफ लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने में सफल रही. इस जीत से बार्सीलोना 29 मैचों में 64 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया. वह शीर्ष पर काबिल रीयाल मैड्रिड से आठ अंक पीछे है. मैच से पहले मेट्रोपोलिटन स्टेडियम के बाहर एटलेटिको के प्रशंसकों ने फेलिक्स की जर्सी को जलाने के अलावा उनके नाम की एक पट्टिका भी तोड़ दी. पुर्तगाल के इस खिलाड़ी ने हालांकि अपनी पूर्व टीम के खिलाफ मैच के 38वें मिनट में गोलकर एटलेटिको के प्रशंसकों को अपने अंदाज में जवाब दिया.

फुटबॉल लीग वन : पीएसजी के एमबापे ने मैच के 22वें मिनट में अपना पहला गोल दागा

पीएसजी ने मोंटपेलियर को 6-2 से रौंदा

भाषा । पेरिस

किलियन एमबापे की हैट्रिक की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने लीग वन फुटबॉल में मोंटपेलियर को 6-2 से करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ ही पीएसजी ने फ्रांस की शीर्ष घरेलू लीग की तालिका में पहले स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत करते हुए ब्रेस्ट पर 12 अंक की बढ़त बना ली.

एमबापे ने मैच के 22वें मिनट में अपना पहला गोल दागा. उन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल किये जिससे पीएसजी के लिए उनके गोल की संख्या 250 हो गयी. वह 24 गोल के साथ मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है. वितिन्हा ने मैच में पीएसजी का खाता खोला जबकि ली

कांग-इन और नूनो मेंडेस ने भी गोल किए. रिम्स, मोनाको और रेनेस के साथ ड्रॉ खेलने के बाद पीएसजी के लिए चार लीग मैचों में यह पहली लीग जीत थी.

लीग में अभी आठ दौर के मैच बचे हैं. पीएसजी के 59 अंक हैं, ब्रेस्ट के 47 और मोनाको के 46 अंक हैं. अन्य मैचों में ब्रेस्ट को लिली ने 1-1 की बराबरी पर रोका जबकि मोनाको और लोरिएंट का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर छूटा.

मैच के बाद दर्शकों व खिलाड़ियों में झड़प

अंकारा (तुर्किये) । तुर्किये में शीर्ष स्तर की घरेलू फुटबॉल में ट्रैब्जोनस्पोर क्लब के प्रशंसकों ने हार के बाद मैदान पर हमला बोल दिया और मेहमान टीम फेनेरबाश के खिलाड़ियों के साथ हिंसक झड़प में उलझ गये. तुर्किये सुपरलीग मैच में रविवार को फेनेरबाश के खिलाड़ियों ने जैसे ही ट्रैब्जोनस्पोर पर 3-2 की जीत का जश्न मनाना शुरू किया, घरेलू टीम के प्रशंसक मैदान पर आ गये. सरकारी अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार फेनेरबाश के खिलाड़ियों और दर्शकों के बीच इसके बाद हिंसक झड़प शुरू हो गयी.

बैडमिंटन लक्ष्य ने इंडिया ओपन 750 में पहले दौर में हार के बाद शानदार वापसी की है

स्विस ओपन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे लक्ष्य

भाषा । बासेल

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू होने वाले स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में अपनी शानदार लय जारी रखना चाहेंगे तो वहीं अनुभवी पीवी सिंधू की कोशिश एक बार फिर से अपने खेल के शिखर पर पहुंचने की होगी. लक्ष्य ने इस साल की शुरुआत में मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया ओपन 750 में पहले दौर में हार के बाद शानदार वापसी की है.

इस 22 साल के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था. सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी 210,000 डॉलर

(लगभग 1.74 करोड़ रुपये) पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत मलेशियाई लियोंग जून हाओ के खिलाफ करेंगे. वह शुरुआती दौर की बाधा पार करने पर 2021 विश्व चैंपियन ली जी जिया से भिड़ सकते हैं. विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पहले दौर में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे के वांग त्जु-वेई का मुकाबला करेंगे, जबकि युवा प्रियांशु राजावत हांगकांग के चौथी वरीयता प्राप्त ली चेउक यियू की चुनौती से निपटेंगे. सिंधू ने बायें घुटने की चोट से उबरकर इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन से वापसी की थी, जहां उनका सफर क्वार्टर तक चला था.

वह हालांकि इसके बाद ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के दूसरे दौर से बाहर हो गयी थी. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू का सामना ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप की तरह यहां भी पहले दौर में जर्मनी की वोन्ने लि से होगा. पिछले सप्ताह जर्मनी की इस खिलाड़ी ने चोट लगने के कारण मैच को बीच में छोड़ दिया था. महिला एकल में अन्य भारतीय आकर्षी कश्यप को कड़ा ड्रा मिला है. वह अपने अभियान की शुरुआत कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ करेंगी. अच्छी लय में चल रही तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी मेइलिसा ट्रायस पुस्पिटासारी और राचेल एलेस्या रोज की इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी. आठवीं वरीयता प्राप्त त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना पहले दौर में अमेरिका की एनी जू और केरी जू की जोड़ी से होगा.

स्विस ओपन

- लक्ष्य का मुकाबला मलेशियाई के लियोंग से होगा
- किदांबी श्रीकांत चीन के ताइपे के वांग से भिड़ेंगे

कार्लोस ने मेदवेदेव को हराकर फिर जीत लिया इंडियन वेल्स का खिताब

भाषा । इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)

गत चैंपियन कार्लोस अलकराज ने बीएनपी परिबास ओपन टेनिस के पुरुष एकल फाइनल में डेनियल मेदवेदेव को 7-6, 6-1 से हराकर पिछले साल विंबलडन चैंपियन बनने के बाद अपना पहला खिताब जीता. अल्कराज यहां दाहिने टखने में चोट के साथ पहुंचे थे. उनके पूरे टूर्नामेंट में खेलने को लेकर संदेह था लेकिन वह यहां लगातार दूसरे साल चैंपियन बनने में सफल रहे.

इगा स्वियातेक ने महिलाओं के फाइनल में मारिया सककारी को लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 6-0 से करारी शिकस्त दी. स्वियातेक ने इस 12 दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान छह मैचों में केवल 21 गेम

गंवाए. अल्काराज को फरवरी में रियो ओपन के दौरान चोट लगी थी. उन्होंने इंडियन वेल्स में खिताब जीतने के बाद कहा कि मैं हर मैच के बाद बेहतर महसूस कर रहा था. हर मैच के बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ता जा रहा था. मास्टर 1000 स्तर के टूर्नामेंट को फिर से जीतना, आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देता है. वह नोवाक जोकोविच के 2014 से 2016 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनने के बाद इस खिताब का बचाव करने वाले पहले खिलाड़ी है. स्वियातेक की इस साल 22 मैचों में यह 20वीं जीत है.

दोबारा चैंपियन

- कार्लोस ने मेदवेदेव को 7-6 और 6-1 से हरा दिया
- इगा ने महिलाओं के फाइनल में मारिया को हराया

ब्रीफ खबरें

अगलगी में परिवार के चार लोग झुलसे

नवादा । नवादा के नेमदारगंज थाना क्षेत्र स्थित पांडे टोला में भीषण अगलगी में परिवार के चार लोग झुलस गए. चारों की हालत गंभीर है. इन्हें सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. बताया जा रहा है कि रसोई गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण घर में आग लग गई. जब तक फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाती तब तक दंपती समेत चार लोग झुलस गए. झुलसे हुए लोगों में पांडे टोला निवासी सत्यनारायण पांडे, उनकी पत्नी मीना देवी, पुत्र राकेश कुमार और उनकी पत्नी शामिल है. सभी घायलों को पास के ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

पर्यटन विभाग को बेहतर बनाएंगे : मिश्रा

पटना । पुरानी सचिवालय स्थित पर्यटन विभाग कार्यालय में नीतीश मिश्रा ने पर्यटन मंत्री पदभार ग्रहण किया. मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं, विरासतों तथा सभी धर्मों के पवित्र स्थलों के केंद्र के रूप में भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध है. पर्यटकों को परिभ्रमण में किसी तरह की कठिनाई उत्पन्न न हो, उनकी संख्या लगातार बढ़े, इसके लिए बिहार सरकार प्रयत्नशील रहेगी. मैं स्वयं भी जब एक पर्यटक के रूप में कहीं जाता हूं तो मुझे क्या सुविधाएं चाहिए? क्या मूलभूत आवश्यकताएं होती है, इसको ध्यान में रखते हुए विभाग को बेहतर बनाने का काम करेंगे.

एएन कॉलेज के पास छात्रों ने किया हंगामा

पटना । बिहार के डिग्री कालेजों में नए शैक्षणिक सत्र से ही इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी तरह से अलग हो जाएगी. इसको लेकर बोरिंग रोड स्थित एएन कॉलेज में 11वीं के छात्र का नाम काट दिया गया है. इनकी संख्या 2000 से अधिक है. इस कारण छात्रों में आक्रोश है. छात्रों ने हंगामा किया और कॉलेज गेट के पास बोरिंग रोड को जाम कर दिया. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने की कोशिश करने लगे. जब छात्रों ने उनकी बात नहीं सुनी तो पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा. हालांकि बाद में प्रशासन ने बच्चों को समझा-बूझाकर मामला शांत करवाया.

खगड़िया में ट्रैक्टर से टकरा कर एसयूवी वाहन खड्डे में पलटा

तीन बच्चों समेत आठ लोगों की हुई मौत, तीन घायल

संवाददाता । खगड़िया

खगड़िया जिले में सोमवार सुबह एक ट्रैक्टर के साथ टक्कर के बाद एक एसयूवी वाहन के सड़क के किनारे खड्डे में पलट गया जिससे उस पर सवार तीन बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य व्यक्ति घायल हो गए. खगड़िया जिला पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पसराहा थाना क्षेत्र में दो वाहनों की टक्कर में आठ लोगों की जान चली गई और तीन व्यक्ति घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है.

सोमवार की सुबह पांच बजकर करीब पंद्रह मिनट पर पसराहा थाना पुलिस को सूचना मिली कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 31 पर एक पेट्रोल पंप से लगभग 200 मीटर दूर सड़क दुर्घटना हुई है. वरिष्ठ पदाधिकारियों को सूचित कर पसराहा थाना पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची. घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान पता चला कि चार पहिया एसयूवी वाहन एवं सीमेंट की बोरियों से लदे एक ट्रैक्टर के बीच टक्कर हो गई और फिर एसयूवी वाहन सड़क के किनारे एक गड्ढे में पलट गया. हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई. चार अन्य घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए पुलिस की मदद से खगड़िया सदर अस्पताल भेजा गया. वहां इलाज के दौरान एक और व्यक्ति ने दम तोड़ दिया. पुलिस ने बताया कि तीनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया है.

बारात से वापस लौट रहे थे सभी

स्थानीय लोगों एवं घायल व्यक्तियों ने बताया कि एसयूवी वाहन में सवार सभी लोग एक बारात में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे. घटनास्थल पर गोगरी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा पसराहा थानाध्यक्ष मौजूद थे. मृतकों के नाम गौतम कुमार (10), मोनू कुमार (11), दिलखुश कुमार (12), अमन कुमार (19), बंटी कुमार (22), अंशु कुमार (22), पालेश्वर ठाकुर (58) और प्रकाश सिंह (59) हैं. सभी मृतक खगड़िया जिला के परबत्ता और भरतखंड थाना क्षेत्र के निवासी हैं.

चलती स्कूली वैन में लगी आग ड्राइवर व खलासी ने कूद कर बचाई अपनी जान

भागलपुर । पुलिस जिला नवगछिया के विक्रमशिला पहुंच पथ पर सोमवार को अचानक चलती स्कूली वैन में अचानक आग लग गई. आग लगने से राहगीरों में भगदड़ मच गयी. चालक और उप चालक ने किसी तरह वैन से कूद कर अपनी जान बचाई. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि नवगछिया से स्कूली वैन बच्चों को लाने के लिए जा रही थी. तभी परबत्ता थाना क्षेत्र के गरैया गांव के समीप वैन हादसे का शिकार हो गयी. हालांकि वैन में आग कैसे लगी या अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया

चुनावी बॉण्ड से जदयू को 10 करोड़ रुपये मिला : मृत्युंजय तिवारी

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू और राजद ने सोमवार को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से प्राप्त धन को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए. राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने जदयू पर उसके द्वारा चुनाव आयोग के समक्ष कथित तौर पर किये गए खुलासे को लेकर निशाना साधा. जदयू ने कथित तौर पर कहा कि अप्रैल, 2019 में यहां पार्टी कार्यालय में किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक सील बंद लिफाफा सौंपा जिसे खोलने पर उसमें दस करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड पाये गये. तिवारी ने कहा, जो कहा गया उससे यह स्पष्ट है कि भाजपा ने खुद चुनावी बॉण्ड के माध्यम से भ्रष्टाचार किया और अपने सहयोगियों को आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद की है. भाजपा और जदयू 2019 में गठबंधन में थे.

अपराधियों ने दिनदहाड़े पत्रकार को मारी गोली, पटना रेफर

संवाददाता । नालंदा

नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के पीपलतल मोड़ के पास अपराधियों ने एक पत्रकार को गोली मार दी है. पत्रकार की पहचान दीपक विश्वकर्मा के रूप में हुई है. आनन-फानन में दीपक को घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया. बताया जाता है कि पत्रकार अपनी पत्नी के साथ राजगीर घूमने गये थे. दोनों राजगीर से बिहार शरीफ लौट रहे थे, तभी दीपनगर थाना क्षेत्र के पीपलतल मोड़ के पास अपराधियों ने गोली मार दी. गोली लगने से पत्रकार और उनकी पत्नी दोनों बाइक से गिर गये. आसपास के लोगों ने आनन-फानन में उनको इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा. जहां डॉक्टरों ने उनका प्रारंभिक उपचार किया और पटना रेफर कर दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद नालंदा डीएम शशांक शुभंकर और एसपी अशोक मिश्रा अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली.

घटनास्थल से पुलिस ने खोखा किया बरामद

एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि पत्रकार पर हमला किया गया है. अशोक मिश्रा ने बताया कि दीपक के बयान के आधार पर घटनास्थल पहुंचे तो वहां से एक गोली का खोखा बरामद हुआ. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. अपराधी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे.

अवैध संबंध से नाराज बेटे ने मां को मारी गोली

पुलिस ने आरोपी को हथियार के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता । कैमूर

जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र के उधपुरा गांव में सोमवार सुबह एक विधवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसका पुलिस ने महज कुछ हीं घंटे के बाद खुलासा करते हुए हत्या करने वाले मृतिका के सगे पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है. घटना का खुलासा होने के बाद मोहनिया डीएसपी दिलीप कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को जानकारी दी. पुलिस के समक्ष आरोपी भीम शर्मा ने बताया कि मेरी मां का किसी से नाजायज संबंध पिछले कुछ सालों से चल रहा था. जिसको मुझे देखा नहीं गया और मैंने देसी कट्टा से अपनी हीं मां के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी.

जानकारी के अनुसार मृतिका की पहचान उधपुरा गांव निवासी स्व. विजय शंकर शर्मा की पत्नी सबिता कुंवर उम्र 50 वर्ष के रूप में हुई है. घटना के संबंध में मोहनियां अनुमंडल डीएसपी दिलीप कुमार ने दुर्गावती थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को बताया कि सोमवार सुबह उधपुरा गांव में एक 50 से 55 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. जिसे पुलिस ने महज कुछ ही घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी मृतिका का पुत्र भीम शर्मा है.

43 किलो गांजे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिला पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 43.515 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. जानकारी एएसपी सदर शिखर चौधरी ने सोमवार को दी. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर सुगौली थाना क्षेत्र के मोतिहारी-बेतिया सीमा पर नाकाबंदी कर सघन वाहन जांच किया गया. वाहन जांच के क्रम में श्रीपुर बॉर्डर चौक के समीप से कार पर सवार एक तस्कर को मादक पदार्थ (गांजा) के साथ गिरफ्तार किया गया. जिसकी पहचान छबीला कुमार, थाना बलथर, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है.

लोस चुनाव : असदुद्दीन ओवैसी ने उतारा उम्मीदवार

किशनगंज सीट से अख्तरुल ईमान को बनाया उम्मीदवार

पटना । लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने साफ कर दिया है कि इस बार किशनगंज लोकसभा सीट से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान उम्मीदवार होंगे. दरअसल, उम्मीदवारों के नाम की घोषणा खुद असदुद्दीन ओवैसी ने की है. बता दें कि लोस की 40 सीटें हैं. जिस किशनगंज सीट पर ओवैसी ने अख्तरुल ईमान को अपना प्रत्याशी बताया है वह सीट मुस्लिम बहुल क्षेत्र में आता है. ईमान ने 13 मार्च को कहा था कि उनकी पार्टी बिहार की 11 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ेगी. जिन 11 सीटों पर बिहार में एआईएमआईएम लड़ेगी उसका अख्तरुल ईमान ने नाम भी बताया था. कहा था कि पार्टी जिन सीटों पर बिहार में लोस का चुनाव लड़ेगी उनमें किशनगंज, कटिहार, अररिया, पूर्णिया, दरभंगा, भागलपुर, काराकाट, बक्सर, गया, मुजफ्फरपुर और उजियारपुर शामिल हैं. बता दें कि जिन 11 सीटों पर चुनाव लड़ने का एआईएमआईएम ने ऐलान किया है उसमें से चार मुस्लिम बहुल सीमांचल की सीटें हैं.

तीन अंतरराज्यीय साइबर अपराधी गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र में सोमवार को पुलिस ने छापेमारी कर एक साथ 3 अंतरराज्यीय साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. पकड़े गये अपराधियों के पास से मोबाइल, नोट बुक, 10 पन्ने का कस्टमर डेटा शीट जब्त किया गया है. पुलिस ने छापेमारी के क्रम में इन साइबर अपराधियों के पास से एंड्रॉयड मोबाइल, नोट बुक, दस पन्ने का कस्टमर डेटा शीट जिनमें विभिन्न राज्यों के उपभोक्ताओं के नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखे पेपर जब्त किया है. गिरफ्तार आरोपियों में यूपी के सुनील कुमार, हजारीबाग के चंदन कुमार और नवादा के पवन कुमार शामिल है.

पप्पू यादव पर आचार संहिता उल्लंघन का पहला केस दर्ज

संवाददाता । पूर्णिया

जाप सुप्रीमो पप्पू यादव पर पूर्णिया में आचार संहिता उल्लंघन का पहला केस दर्ज हुआ. पूर्णिया के एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने बताया कि पप्पू यादव सहित दो लोगों पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है. यह केस कसबा के अंचल अधिकारी रीता कुमारी द्वारा कसबा थाना में दर्ज कराई गई है. जाप सुप्रीमो पप्पू यादव तथा कसबा के रहने वाले पप्पू चौरसिया के विरुद्ध यह केस दर्ज कराया गया है. पूर्णिया एसपी ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने के बाद 17 मार्च को बिना किसी परमिशन के पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कसबा कॉलेज के बगल में पप्पू चौरसिया के घर पर जनसभा आयोजित किया था. इस जनसभा में लगभग 500 लोग शामिल हुए थे. उनके द्वारा इस सभा के दौरान यह भी कहा गया कि आपको अगर 1000/500 की जरूरत पड़े तो किसी से लेने की आवश्यकता नहीं है. आपका बेटा पप्पू यादव यह पैसा देने के लिए तैयार है.

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने के मामले में युवक को किया गया गिरफ्तार

भागलपुर । जिले के अकबरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छीट मकनपुर के रहने वालज रविंद्र यादव के पुत्र सुमन यादव उर्फ जय जय यादव को सोशल मीडिया पर हथियार लेकर फोटो पोस्ट करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है. उक्त आशय की जानकारी सोमवार को सिटी एसपी श्रीराज ने दी. सोशल मीडिया पर हथियार लहराना और हर्ष फायरिंग करना एक कानूनन अपराध है लेकिन ऐसी घटना सोशल मीडिया पर अक्सर सामने आते रही है. ऐसा ही मामला फेसबुक के पोस्ट पर दिखा, जहां युवक ने अपने हाथ में हथियार लहराता हुआ फोटो पोस्ट किया था.

कारोबार

क्रिस्टल को 13.21 गुना अभिदान मिला

नयी दिल्ली । सुविधा प्रबंधन और सुरक्षा सेवा प्रदाता क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के अंतिम दिन सोमवार को 13.21 गुना अभिदान मिला है. एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी के आईपीओ में 29,99,448 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 3,96,26,200 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं. इस दौरान गैर-संस्थागत निवेशकों के खंड को 43.90 गुना अभिदान मिला जबकि पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को 7.33 गुना अभिदान मिला.

इंडिगो की सीधी उड़ान 31 मार्च से शुरू होगी

नयी दिल्ली । इंडिगो ने सोमवार को 31 मार्च से बेंगलुरु और अगाती के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की. इससे लक्षद्वीप के लिए हवाई संपर्क में सुधार होगा. अगाती इंडिगो नेटवर्क में 88वां घरेलू और कुल 121वां गंतव्य होगा. एयरलाइन ने सोमवार को बयान में कहा कि बेंगलुरु और अगाती के बीच सेवाएं 31 मार्च से शुरू होंगी. एयरलाइन इस मार्ग पर लगभग 78 सीट वाले एटीआर विमान का उपयोग करेगी. इंडिगो ने कहा कि अगाती उन लोगों के बीच लोकप्रिय है जो गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की तलाश में रहते हैं.

कुमार वेंकटसुब्रमण्यम सीईओ नियुक्त हुए

नयी दिल्ली । रोजमर्रा की जरूरत का सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी पीएंडजी इंडिया ने कुमार वेंकटसुब्रमण्यम को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है. कंपनी ने सोमवार को बताया कि उनकी नियुक्ति एक मई, 2024 से प्रभावी होगी. कंपनी ने बयान में कहा कि मौजूदा मुख्य कार्यपालक अधिकारी एल वी वैद्यनाथन 28 साल की सेवा के बाद निजी कारणों से कंपनी छोड़ रहे हैं. कुमार फिलहाल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में पीएंडजी के सीईओ के रूप में सेवाएं दे रहे हैं. इससे पहले वह 2020 तक पीएंडजी इंडिया में बिक्री टीम का नेतृत्व कर रहे थे. कुमार आईआईएम कलकत्ता के पूर्व छात्र हैं.

जनवरी में अमेरिका एक्सपोर्ट किए गए भारत से 53 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन

20 महीने के शीर्ष पर पहुंचा देश का निर्यात

- साउथ अफ्रीका के लिए एक्सपोर्ट फरवरी में 100 प्रतिशत बढ़ गया

भाषा । नयी दिल्ली

इकॉनमी में पांचवें पायदान पर विराजमान भारत का कारोबार दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है. इसका असर एक्सपोर्ट में दिख रहा है, जहां फरवरी में देश का निर्यात 20 महीने के टॉप पर पहुंच गया. इस दौरान अमेरिका, यूएई, सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका को निर्यात में उछाल के कारण एक्सपोर्ट में डबल डिजिट ग्रोथ देखने को मिली है.

लगातार तीसरे महीने भारत से एक्सपोर्ट में तेजी आई है. फरवरी में अमेरिका को एक्सपोर्ट 22 प्रतिशत तेजी के साथ 7.2 अरब डॉलर पहुंच गया. इसी तरह यूएई को एक्सपोर्ट में 23.1 प्रतिशत तेजी आई है जबकि सिंगापुर को निर्यात में 51.6 प्रतिशत की तेजी आई है. साउथ अफ्रीका के लिए एक्सपोर्ट फरवरी में 100 प्रतिशत बढ़ गया. हालांकि इस दौरान हांगकांग को एक्सपोर्ट में 27.9 प्रतिशत की गिरावट आई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत से अमेरिका एक्सपोर्ट होने वाले आइटम्स की लिस्ट में स्मार्टफोन सबसे ऊपर है. जनवरी में भारत से 53 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन अमेरिका एक्सपोर्ट किए गए. पिछले साल के मुकाबले इसमें 79 फीसदी तेजी आई है. इसके साथ ही भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट होने वाले आइडटम्स की लिस्ट में पॉलिश्ड डायमंड दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं.

इस दौरान भारत से अमेरिका को 38 करोड़ डॉलर के पॉलिश्ड डायमंड एक्सपोर्ट किए गए. फाइनेंशियल ईयर 2024 के अप्रैल से जनवरी के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका को 4.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए गए जबकि यूएई को 2.2 अरब डॉलर का शिपमेंट भेजा गया. फरवरी में इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के निर्यात में 54.8 प्रतिशत की तेजी आई.

फरवरी में यूएई को एक्सपोर्ट 23.1 प्रतिशत बढ़कर 3.5 अरब डॉलर पहुंच गया. अमेरिका के बाद यूएई भारत का दूसरा बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन है. यूएई को 31.7 करोड़ डॉलर का गोल्ड, 23.7 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन और 24.3 करोड़ डॉलर का मोटर गैसोलीन एक्सपोर्ट किया गया. इसी तरह सिंगापुर को एक्सपोर्ट फरवरी में 51.6 परसेंट बढ़ गया. इस देश को पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में 280 प्रतिशत तेजी आई है. इसी तरह दक्षिण अफ्रीका को एक्सपोर्ट दोगुना होकर 1.16 अरब डॉलर हो गया. अप्रैल-जनवरी के आंकड़े देखें तो भारत के एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन में यह देश 16वें से उछलकर 10वें नंबर पर आ गया है.

दक्षिण अफ्रीका को एक्सपोर्ट होने वाले आइटम्स में पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स सबसे आगे है. अप्रैल से सितंबर तक देश से पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में गिरावट आई थी. लेकिन अक्टूबर से इसमें लगातार तेजी दिख रही है.

जनवरी में भारत से दक्षिण अफ्रीका के लिए पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में 89 प्रतिशत तेजी आई और यह 21.9 करोड़ डॉलर पहुंच गया. फरवरी में भारत से सऊदी अरब को एक्सपोर्ट में 50 फीसदी तेजी आई. इसी तरह नीदरलैंड को एक्सपोर्ट 26.7 प्रतिशत, यूके को 31.9 प्रतिशत, बांग्लादेश को 18.1 प्रतिशत और चीन को 13.3 प्रतिशत बढ़ गया. हालांकि हांगकांग को एक्सपोर्ट में 27.9 प्रतिशत की गिरावट आई.

फरवरी में यूएस को एक्सपोर्ट 7.2 अरब डॉलर पहुंचा

बढ़ा निर्यात

- लगातार तीसरे महीने भारत से एक्सपोर्ट में तेजी आई
- सिंगापुर को निर्यात में 51.6 प्रतिशत की तेजी आई

नारायणमूर्ति ने पोते को गिफ्ट किए 240 करोड़ के शेयर

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति ने अपने चार महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को 240 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर उपहार में दिए हैं. अपने पोते को शेयर देने के बाद इंफोसिस में नारायणमूर्ति की हिस्सेदारी अब 0.40 फीसदी से घटकर 0.36 फीसदी रह गई है. उनके पास अब कंपनी के करीब 1.51 करोड़ शेयर रह गए हैं.

रेगुलेटरी फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी में एकाग्र रोहन मूर्ति की 15,00,000 शेयर यानी 0.04 फीसदी हिस्सेदारी है. दरअसल, अपने पोते एकाग्र रोहन मूर्ति के 10 नवंबर, 2023 को पैदा होने के बाद इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति ने अपने हिस्से के 240 करोड़ रुपये वैल्यू के शेयर गिफ्ट में दिए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक इस तरह नारायण मूर्ति का पोता संभवतः देश का सबसे छोटा करोड़पति बन गया है.

उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार में रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक शेयरों को यह लेन-देन ''ऑफ-मार्केट'' तरीके से किया गया हे. नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति नवंबर में दादा-दादी बने जब उनके बेटे रोहन मूर्ति और पत्नी अपर्णा कृष्णन को एक बेटा हुआ. नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक और अक्षता मूर्ति की दो बेटियों के नाना-नानी भी हैं.

फ्लाई91 एयरलाइन ने वाणिज्यिक उड़ान शुरू की

पणजी/नई दिल्ली । देश की नई विमानन कंपनी फ्लाई91 ने सोमवार को चार शहरों के बीच उड़ानों के साथ वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है. कंपनी ने गोवा, हैदराबाद, बेंगलुरु, और सिंधुदुर्ग के बीच अपनी उड़ानों की शुरुआत की हैं. फ्लाई91 अप्रैल में अगाती, जलगांव, और पुणे के लिए उड़ानें शुरू करेगी. इसके साथ ही कंपनी ने 1,991 रुपये के विशेष किराये (सभी कर समेत) की पेशकश की है. कंपनी के प्रवक्ता ने यहां जारी एक बयान में कहा कि एयरलाइन की यह उड़ान गोवा के मनोहर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 7.55 बजे बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए रवाना हुई. एयरलाइन ने बेंगलुरु से सिंधुदुर्ग के लिए भी अपनी पहली उड़ान का परिचालन किया. एयरलाइन की योजना गोवा और बेंगलुरु के बीच सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को उड़ानें संचालित करने की है.

कारोबार | मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल हुआ क्रिप्टो करेंसीज

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी का रुख, बिटकॉइन 2% बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में सोमवार को आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है. मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 7 क्रिप्टो करेंसी बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि 3 क्रिप्टो करेंसी गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं. सोमवार के कारोबार में दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने रिकवरी का रुख दिखाया है, जिसके कारण ये आभासी मुद्रा 68 हजार डॉलर के स्तर को पार करने में सफल रही है. इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम में भी तेजी दर्ज की गई है.

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से सोमवार शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 2 प्रतिशत की मजबूती के साथ 68,196.47 डॉलर यानी 56.54 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था. इसी तरह एथेरियम की कीमत भी सोमवार को 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,596.52 डॉलर के स्तर पर आ गई थी.

बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.01 प्रतिशत, सोलाना 8.39 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.01 प्रतिशत, कार्डानो 0.58 प्रतिशत और एवालांचे 14.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. दूसरी ओर बीएनबी 0.76 प्रतिशत, एक्सआरपी 0.52 प्रतिशत और डोजेकॉइन 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे. कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 1.74 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है. फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.58 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 213.90 लाख करोड़ रुपये रह गया है.

ग्लोबल मार्केट कैप में तेजी आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में गिरावट आई है. इस अवधि में कुल 12,120 करोड़ डॉलर यानी 10.05 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 21.15 प्रतिशत कम है. अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें तो कीमत में तेजी आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति भी 0.08 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 51.90 प्रतिशत हो गई है.

15 मार्च तक 280.79 लाख टन चीनी का हुआ उत्पादन

- चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में 340 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में चालू चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में 15 मार्च तक मामूली गिरावट के साथ 280.79 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है. इससे पिछले चीनी विपणन वर्ष की समान अवधि में 282.60 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था. चीनी मिलों के संगठन इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन (इस्मा) ने यह जानकारी दी है. इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में 15 मार्च तक चीनी का उत्पादन 280.79 लाख टन रहा है. पिछले चीनी विपणन वर्ष की इसी अवधि में 282.60 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था. इस तरह अबतक चीनी के उत्पादन में 1.81 लाख टन कम चीनी का उत्पादन हुआ है. इस्मा ने कहा कि मौजूदा चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में 15 मार्च, 2024 तक देशभर में चालू चीनी मिलों की संख्या 371 थी जबकि पिछले चीनी विपणन वर्ष के इसी तिथि पर 325 चीनी मिलें संचालित थीं. इस्मा के मुताबिक उत्तर प्रदेश में चालू चीनी विपणन वर्ष में अबतक 88.40 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है.

ब्रीफ खबरें

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद/पुडुचेरी। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. सौंदरराजन पुडुचेरी के उपराज्यपाल का पद भी संभाल रही थीं. उन्होंने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया है. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तेलंगाना की माननीय राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे दिया है.

भूस्खलन से सोलन के पास एनएच-पांच बाधित

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में शामलेच गांव के पास सोमवार को सुबह भूस्खलन होने से राष्ट्रीय राजमार्ग पांच अवरुद्ध हो गया. अधिकारियों ने बताया कि सोलन बाईपास के नजदीक शिमला-कालका रोड पर सुबह करीब साढ़े सात बजे भूस्खलन हुआ. इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है. सड़क के दोनों ओर वाहन फंस गए. अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही सड़क से मलबा हटा दिया जाएगा.

मिनी बस पलटने से नौ यात्री घायल

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में सोमवार तड़के एक राजमार्ग पर चालक को झपकी आने के कारण एक मिनी बस पलट गई जिससे नौ लोग घायल हो गए. पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना पनागर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह करीब साढ़े पांच से छह बजे के बीच हुई. पनागर पुलिस स्टेशन के एसएचओ अजय सिंह ने बताया कि घायलों को सरकार द्वारा संचालित जबलपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है. किसी भी पीड़ित को गंभीर चोट नहीं लगी है.

उ. कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल : दक्षिण कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया ने सोमवार को सुबह उसके पूर्वी तट की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है. द. कोरिया के सेना प्रमुख ने विस्तृत ब्यौरा नही दिया है. यह प्रक्षेपण अमेरिका और द. कोरियाई सेनाओं द्वारा अपना वार्षिक सैन्य अभ्यास समाप्त करने के कुछ दिनों बाद हुआ. कुल 11 दिन तक चले इस अभ्यास को उ. कोरिया ने हमले का पूर्वाभ्यास करार दिया है. फरवरी के मध्य में क्रूज मिसाइल प्रक्षेपण के बाद यह उ. कोरिया का पहला मिसाइल परीक्षण है.

नागरिकों को लेकर पहला विमान मियामी पहुंचा

मियामी। हैती में बढ़ती गिरोह हिंसा के कारण देश छोड़कर जाने वाले कई अमेरिकी नागरिकों को लेकर एक 'चार्टर' विमान मियामी पहुंच गया है. रविवार को उतरे सरकारी चार्टर विमान में 30 से अधिक अमेरिकी नागरिक थे. इस महीने की शुरुआत में पोर्ट-ऑ-प्रिंस में अमेरिकी दूतावास ने हैती में अराजकता के मद्देनजर अमेरिकी नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके हैती को छोड़ने का आग्रह किया था, जिसके बाद अब यह चार्टर विमान मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा है.

मुंबई में लैक्मे फैशन वीक 'एक्स एफडीसीआई' के दौरान मॉडलों के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और वसुंधरा. -फोटो : पीटीआई

गुरुवार तक हर जानकारी सार्वजनिक करे एसबीआई : सुप्रीम कोर्ट

एसबीआई के पास दो दिन शेष...

भाषा। नयी दिल्ली

इलेक्टोरल बॉण्ड के मुद्दे पर भारतीय स्टेट बैंक को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बड़ा झटका लगा है. कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान सख्त लहजे में कहा है कि एसबीआई के चेयरमैन को गुरुवार शाम (21 मार्च) 5 बजे तक सारी जानकारी साझा करनी होगी. इसके लिए बकायदा एक हलफनामा भी दाखिल करना होगा. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मुद्दे पर कुछ भी छुपाया नहीं जाना चाहिए. सबकुछ सार्वजनिक करना होगा. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से पूछा कि आपने ने पूरी जानकारी क्यों नहीं दी? सीजेआई ने कहा कि फैसले में स्पष्ट था कि सभी विवरणों का खुलासा किया जाना चाहिए. कुछ भी चयनात्मक नहीं होना चाहिए.

खास बातें

- 21 मार्च तक दें चुनावी बॉण्ड की सभी जानकारियां
- एससीबीए के अध्यक्ष के पत्र पर विचार करने से इनकार
- अदालत ने 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया था

पांच सदस्यीय पीठ में ये न्यायमूर्ति शामिल

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं.

एसबीआई ने नहीं दिया बॉण्ड नंबर

एसबीआई के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि हमने आदेश को जिस तरह समझा उसका जिक्र करता हूं. हमने पूरी जानकारी तरतीब से साझा करने के लिए ही वक्त मांगा था. इस पर सीजेआई जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हमने तो पिछली सुनवाई में एसबीआई को नोटिस जारी किया था. क्योंकि हमने आदेश में पूरी जानकारी देने के लिए कहा था. लेकिन एसबीआई ने बॉण्ड नंबर नहीं दिया. एसबीआई पूरे आदेश का पालन करे. सभी बॉण्ड के यूनिक नंबर यानी अल्फा न्यूमेरिक नंबर निर्वाचन आयोग को मुहैया कराए. हम यह स्पष्ट करते हैं.

एसजी की दलील पर सीजेआई बोले- बहस ना करें

केंद्र की तरफ से एसजी मुकुल रोहतगी ने कहा कि आपने फैसला दिया. लेकिन कोर्ट के बाहर कुछ दूसरी तरफ से इसे लिया जा रहा है. गंभीर मामला एसबीआई की अर्जी के बाद सामने आया. सोशल मीडिया पर भी अलग तरीके से चलाया गया. अगर किसी ने किसी को पैसा दिया तो उसके बाद सब अपने-अपने तरीके से उसे देखेंगे. एसजी की दलील पर सीजेआई ने कहा कि आप अभी बहस न करें. अभी आपकी सहायता की जरूरत नहीं है. एसबीआई सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करने के लिए बाध्य हैं.

इसके पीछे हिडन एजेंडा : एसजी

सुनवाई के दौरान प्रशांत भूषण ने कहा कि बॉण्ड को लेकर अप्रैल 2019 में कोर्ट ने राजनैतिक पार्टियों से जानकारी मांगी थी. लेकिन केवल कुछ ही राजनीतिक पार्टी ने डेटा साझा किया है. इस पर एसजी ने कहा कि इसके पीछे हिडन एजेंडा है. सीजेआई ने कहा की अगर आप 2018 की बात करेंगे तो वो उस फैसले की समीक्षा होगी, जो हम नहीं करने जा रहे हैं. हम यहां पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई के लिए नहीं बैठे हैं. बता दें कि चुनाव आयोग ने हाल ही में राजनीतिक दलों द्वारा सीलबंद कवर के तहत जमा किए गए चुनावी बांड के विवरण को सार्वजनिक कर दिया.

विवेक सहाय प. बंगाल के नये डीजीपी नियुक्त

कोलकाता। निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को विवेक सहाय को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया. यह नियुक्ति आयोग द्वारा राजीव कुमार को डीजीपी पद से हटाने के कुछ घंटों के भीतर की गई. वर्ष 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी सहाय महानिदेशक एवं कमांडेंट जनरल के पद पर तैनात थे. सूत्रों ने कहा कि कुमार को अंतरिम व्यवस्था के रूप में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है. सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के डीजीपी को स्थानांतरित करने का निर्णय इसलिए लिया गया, क्योंकि अधिकारी को पहले भी राज्य में 2016 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान चुनाव प्रबंधन संबंधी ड्यूटी से हटा दिया गया था.

राहुल की यात्रा से कांग्रेस को नुकसान : शिवराज

भोपाल। भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि 2022 और 2024 में राहुल गांधी के नेतृत्व में दो यात्राओं का कांग्रेस पर हानिकारक प्रभाव पड़ा क्योंकि पार्टी के कई नेताओं ने या तो पार्टी छोड़ दी या चुनाव हार गए. गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा 16 मार्च को मुंबई में समाप्त हुई. एक दिन बाद, विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक रैली में लोकसभा चुनाव के लिए अपना अभियान शुरू किया, जिसमें कई विपक्षी नेता शामिल हुए. मध्य प्रदेश में विदिशा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे चौहान ने कहा कि गांधी द्वारा की गई दो यात्राएं कांग्रेस तोड़ो, कांग्रेस छोड़ो साबित हुईं.

न्यूज अपडेट

राधा रानी मंदिर में हादसा, कई श्रद्धालु घायल

मथुरा। मथुरा जिले के बरसाना में राधा रानी मंदिर में लड्डू होली के आयोजन के दौरान सीढ़ियों की रेलिंग टूट गई. इस हादसे में 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए. मंदिर के एक पुजारी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि रविवार शाम को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने से मंदिर की सीढ़ियों पर लगी रेलिंग उनका दबाव नहीं झेल सकी और वह टूट गयी. इससे कई श्रद्धालु नीचे गिर पड़े जिससे भगदड़ मच गयी. ये श्रद्धालु कई घंटों से मंदिर के पट खुलने का इंतजार कर रहे थे. बरसाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. मनोज वशिष्ठ ने बताया कि घटना के बाद 22 लोगों को केंद्र में लाया गया.

सोनिया से नहीं मिला, राहुल का दावा बेबुनियाद: अशोक

छत्रपति संभाजीनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण ने सोमवार को कहा कि वह कांग्रेस छोड़ने से पहले पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से नहीं मिले थे और इस बाबत राहुल गांधी की टिप्पणी को उन्होंने 'बेबुनियाद' बताकर खारिज कर दिया. लोकसभा चुनाव से पहले रविवार को मुंबई में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र के एक नेता ने उनकी मां सोनिया गांधी के सामने रोते हुए कहा था कि उन्हें शर्म आती है कि वह इस ताकत से और नहीं लड़ सकते और वह जेल नहीं जाना चाहते.

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में छत ढही, छह की मौत

पेशावर। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में सोमवार को एक कमरे की छत ढह जाने से दो बच्चों सहित एक ही परिवार के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. यह दुखद घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले के रघजई इलाके में हुई. पुलिस ने बताया कि इस घटना में कम से कम 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्होंने बताया कि घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है. प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने वजीरिस्तान में घर ढहने से छह लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है.

कार ने तीन को रौंदा, एक की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर खुर्जा अंडरपास के पास एक तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को रौंद दिया जिनमें से एक की मौत हो गई. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कार के चालक को हिरासत में ले लिया गया है और गाड़ी चलाते वक्त उसकी आंख लग गई थी जिस वजह से यह दुर्घटना हुई. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले खुर्जा अंडरपास के पास रविवार शाम तीन लोग बस का इंतजार कर रहे थे, तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मारी दी.

पाक ने अफगानिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हमले किए

इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तान के अशांत शहरों में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों में छिड़ी जुबानी जंग के बीच पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के अंदरूनी इलाकों में हवाई हमले किए, जिसमें तीन बच्चों सहित आठ आम नागरिकों की मौत हो गई. अफगानिस्तान के तालिबान ने यह जानकारी दी. अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सीमा से लगे देश के पक्तिका और खोस्त प्रांतों के इलाकों को निशाना बनाया गया.

इजराइल के लोग तय करेंगे चुनाव कब होंगे : नेतन्याहू

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ विनाशकारी युद्ध के बीच अपने नेतृत्व के खिलाफ अमेरिका की बढ़ती आलोचना पर रविवार को पलटवार किया और नए सिरे से चुनाव के आह्वान को पूरी तरह से अनुचित बताया. हाल के दिनों में अमेरिकी सीनेट के बहुसंख्यक नेता चक शूमर ने इजराइल से नए सिरे से चुनाव कराने का आह्वान करते हुए कहा था कि नेतन्याहू रास्ता भटक चुके हैं. राष्ट्रपति जो बाइडन ने शूमर के भाषण का समर्थन किया था. इससे पहले बाइडेन गाजा में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत को लेकर नेतन्याहू पर इजरायल को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था.

हिमाचल प्रदेश के बागी विधायकों को अदालत से झटका

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के बागी विधायकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा स्पीकर के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें स्पीकर ने बागी विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने बागी विधायकों को वोट देने और विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने की इजाजत भी नहीं दी है. बता दें कि बागी विधायकों की क्रॉस वोटिंग के चलते 40 विधायकों वाली कांग्रेस को 25 सीटों वाली भाजपा के सामने राज्यसभा सीट गंवानी पड़ी थी.

राजधानी दिल्ली में दो लोगों की चाकू मार कर हत्या

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रणहौला इलाके में रविवार की रात दो लोगों की चाकू से हमला कर कथित तौर पर हत्या कर दी गई. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी.पुलिस ने बताया कि रविवार की रात नौ बज कर करीब 44 मिनट पर मच्छी मार्केट के पास एक व्यक्ति के खून से लथपथ पड़े होने की सूचना मिली थी.सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस का एक दल मौके पर पहुंचा और उस व्यक्ति को जाफरपुर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पुतिन ने रिकॉर्ड मतों से रूस में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता

भाषा। मॉस्को

रूस के कद्दावर नेता व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारी मतों से जीत हासिल कर ली है. रूस के केंद्रीय चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि देश में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में व्लादिमीर पुतिन ने जीत दर्ज की है और उन्होंने रिकॉर्ड मत प्रतिशत के साथ राष्ट्रपति पद का पांचवां कार्यकाल हासिल किया है. चुनाव में पुतिन की जीत देश की राजनीतिक व्यवस्था पर उनके नियंत्रण को रेखांकित करती है. पुतिन के सामने नाममात्र के सिर्फ तीन उम्मीदवार थे और यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को पुतिन के खिलाफ चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गयी थी. पुतिन दिसंबर 1999 से राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के तौर पर रूस का नेतृत्व कर रहे हैं. इससे पहले पुतिन ने नतीजों को उनमें लोगों का 'विश्वास' और 'उम्मीद' बताया, जबकि आलोचकों ने नतीजों को चुनाव की पूर्वनिर्धारित प्रकृति का एक और प्रतिबिंब बताया. मतदान खत्म होने के बाद स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करते हुए पुतिन ने कहा कि हमारे पास बहुत काम हैं. लेकिन मैं सबसे यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब हम एकजुट थे, तो कोई भी हमें डराने, हमारी इच्छाशक्ति और हमारे आत्म-विवेक को दबाने में कामयाब नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि वे अतीत में नाकाम रहे और वे भविष्य में भी असफल होंगे.

सीएम ममता बनर्जी ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया

इमारत ढही, दो लोगों की मौत

भाषा। कोलकाता

कोलकाता के गार्डन रीच इलाके में एक निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गयी तथा सात घायल हो गए. शहर के महापौर फिरहाद हाकिम ने सोमवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है और यह इमारत अवैध रूप से बनायी जा रही थी. उन्होंने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक और लोगों के इमारत के मलबे में दबे होने की आशंका है.

हाकिम ने बताया कि इमारत के प्रॅमोटर मोहम्मद वसीम को गिरफ्तार कर लिया गया है और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शहर के पश्चिमी इलाके में अज़ान मुल्ला लेन में घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय निवासियों को अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. हाकिम ने कहा कि एक भीषण हादसे में आधी रात के करीब एक निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत ढह गयी. . एक अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से कम से कम 10 लोगों को बचाया गया है.

कुछ लोग अब भी मलबे में दबे हैं : शहर के महापौर ने बताया कि कुछ लोग अब भी मलबे में दबे हुए हैं और उन्हें बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है.ममता ने कहा कि हम पीड़ित परिवारों के साथ हैं और बचाव अभियान जारी रहेगा. हाकिम पश्चिम बंगाल के शहरी विकास मंत्री भी हैं. उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की है और हम प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को एक लाख रुपये देंगे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

गाड़ियों में है रुचि तो बना लें इसी फील्ड में कॅरियर...

रजनीश प्रसाद। रांची

ऑटोमोटिव डिजाइन एक अत्यधिक विशिष्ट क्षेत्र है, जिसमें विभिन्न प्रकार की इंजीनियरिंग, सुरक्षा, व्यावसायिक कौशल और रचनात्मक प्रतिभाएं शामिल हैं. यह उद्योग केवल ऑटोमोबाइल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पहिएदार परिवहन के अन्य सभी रूप शामिल हैं. ऑटो डिजाइन में टीम वर्क शामिल है. प्रत्येक सदस्य अपने विशिष्ट ज्ञान आधार से योगदान देता है. यह क्षेत्र गतिशील और हमेशा बदलता रहता है, जो डिजाइनर को एक उच्च-शक्तिशाली और प्रगतिशील कार्य वातावरण प्रदान करता है.

ऑटोमोटिव डिजाइन क्या है?

ऑटोमोटिव डिजाइन को बनाने के लिए एयरोडायनामिक, एस्थेटिक्स और अर्गोनोमिक्स की जरूरत सबसे ज्यादा होती है. एक ऑटोमोटिव डिजाइनर ऑटोमोबाइल की इंटीरियर एंड एक्सटेरियर बॉडी का ड्राफ्ट बनाने के लिए जिम्मेदार होता है, जिसमें बाहरी डिजाइन के साथ शेप, कर्व्स, वैज के साथ कई सारी चीजें आती है. ऑटोमोबाइल डिजाइन न केवल प्रैक्टिकल होना चाहिए, बल्कि कम्फर्ट आवश्यकता को भी पूरा करने वाला होना चाहिए.

ऑटोमोटिव डिजाइनर कौन होते हैं?

ऑटोमोटिव डिजाइनर वो व्यक्ति होते है जो अपनी बेहतरीन क्रिएटीविटी से बस, कार, ट्रकों और जीप जैसे गड़ियों के स्ट्रक्चर को बेहतर डिजाइन के साथ लोगों के सामने पेश करते हैं. वे प्रत्येक वाहन के लिए एक डिजाइन और सुरक्षा योजना तैयार कर सर्वे एंड कंसल्टेशन लेकर ही अपना डिज़ाइन बनाते हैं. ऑटोमोटिव डिजाइनर अपनी डिजाइनिंग प्रक्रिया में काफी रिसर्च करते हैं. वे उत्पादन की लागत, पूरा होने की समय, वाहन के प्रकार और उपयोग और डिज़ाइन के मसौदे को आखिरी रूप देने के लिए जिम्मेदार होते हैं. वे कंप्यूटर एडेड तकनीक और एआई तकनीक का इस्तेमाल करने के बाद ही अपना डिजाइन फाइनल करते हैं.

ऑटोमोटिव डिजाइन के लिए जरूरी स्किल्स

किसी भी फिल्म में बेहतर करियर बनाने के लिए आपके पास कुछ जरूरी स्किल्स की जरूरत होती है. ठीक वैसे ही ऑटोमोटिव डिजाइनर बनने की स्किल्स नीचे दी गई है.

- 2डी और 3डी में डिजाइनिंग की स्किल्स होनी चाहिए.
- मैथेमेटिकल और एनालिटिकल स्किल होनी चाहिए.

बिजनेस इनसाइट

- जटिल समस्या को सुलझाने की स्किल्स होनी चाहिए.
- ऑटोमोबाइल डिजाइन में इंटरेस्ट होना चाहिए.
- लेटेस्ट डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर के बारे में अप-टू-डेट जानकारी होनी चाहिए.
- ऑटोमोटिव डिजाइनर के टॉप कोर्सेज
- ऑटोमोटिव डिजाइनिंग कोर्स एयरोडायनामिक और ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में बैचलर्स लेवल के लिए मौजूद है. विद्यार्थी अपनी डिजाइनिंग स्किल्स को मजबूत करने के लिए डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का विकल्प चुन सकते हैं. बैचलर्स लेवल के लिए कुछ कोर्स नीचे दिए गए है:

बैचलर्स लेवल कोर्स

- बैचलर इन आटोमोटिव इंजीनियरिंग
- बैचलर इन बायसाइकिल इंजीनियरिंग
- बैचलर इन आटोमोटिव परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग
- बैचलर इन आटोमोटिव एंड ट्रांसपोर्ट डिजाइनिंग
- बैचलर इन आटोमोटिव डिजाइनिंग
- बैचलर इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग ऑटोमोबाइल
- भारत में ऑटोमोटिव डिजाइनिंग के टॉप कॉलेज
- आईआईटी बॉम्बे
- धन्वंतरि इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग
- राष्ट्रीय डिजाइन इंस्टिट्यूट
- केआर मंगलम विश्वविद्यालय
- स्ट्रेट स्कूल ऑफ डिजाइन
- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)